THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 176 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.13 2080 मंगलवार, 12 सितंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत की राजकीय यात्रा पर सऊदी क्राउन प्रिंस

कई मैमोरैंडम पर साइन

> 100 बिजनेसमैन और 7 मंत्रियों के डेलिगेशन के साथ भारत आए

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। जी-20 समिट के लिए नई दिल्ली आए सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान आज भारत की स्टेट विजिट पर हैं। वो 100 बिजनेसमैन और 7 मंत्रियों के डेलिगेशन के साथ भारत आए हैं। राष्ट्रपति भवन में उन्हें सेरेमोनियल वेलकम दिया गया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बातचीत की।

पीएम मोदी ने कहा भारत के लिए सऊदी अरब अहम रणनीतिक साझेदार है। हम दुनिया की 2 तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं। शांति और स्थिरता के लिए आपसी सहयोग होना बहुत जरूरी है। हम अपनी साझेदारी को नए मुकाम पर ले जाने के लिए कई पहल कर रहे हैं। वहीं, सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद सलमान ने कहा, हमारे संबंधों में कभी कोई विवाद का मुद्दा नहीं रहा है। सऊदी अरब के आर्थिक विकास में भारत के लोग अहम भूमिका निभाते हैं। दोनों देशों के बीच कई मैमोरैंडम साइन किए गए। मोहम्मद बिन सलमान की ये दूसरी स्टेट विजिट है। क्राउन प्रिंस के वेलकम के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहम्मद बिन सलमान के साथ आए डेलिगेशन से मुलाकात की। इससे पहले क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान 2019 में भी भारत की स्टेट विजिट की थी।

तब दोनों देशों ने स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप काउंसिल बनाई थी। आज की बैठक में इसी काउंसिल के कामों को लेकर चर्चा की गई। दोनों देशों में राजनीति, सिक्योरिटी, डिफेंस, ट्रेड और अर्थव्यवस्था के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इसी साल फरवरी में इंडियन एयरफोर्स के विमानों ने पहली बार सऊदी अरब की धरती पर लैंड किया था। >14

नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में हस्ताक्षर करने के बाद प्रधान मंत्री और क्राउन प्रिंस-सऊदी अरब के प्रधान मंत्री मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद ने समझौतों का आदान-प्रदान किया।

चंद्रबाबू की गिरफ्तारी के विरोध में टीडीपी का आंध्र प्रदेश में प्रदर्शन

अमरावती, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कथित कौशल विकास घोटाले में अपने सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी के विरोध में विपक्षी तेलुगु देशम पार्टी द्वारा आहूत दिनभर का बंद सोमवार सुबह राज्य में शुरू हुआ। नायुडू की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए टीडीपी नेता और कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर उतर आए।

विरोध को विफल करने के लिए पुलिस ने लगातार तीसरे दिन पार्टी के कई शीर्ष नेताओं को नजरबंद कर दिया। विजयवाड़ा की एक अदालत द्वारा नायुडू को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद पुलिस ने राज्य भर में रैलियों, जुलूसों और बैठकों पर प्रतिबंध लगाते हुए निषेधाज्ञा लागू कर दी। सीआरपीसी की धारा 144 का उल्लंघन करते हुए, टीडीपी कार्यकर्ता अपना विरोध दर्ज कराने के लिए सोमवार सुबह सड़कों पर उतर आए।

राजमंड्री सेंट्रल जेल पहुंचे बाबू, बने कैदी नंबर 7691

राजमंड्री, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायुडू भ्रष्टाचार को एक मामले में न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद सोमवार तड़के राजमंड्री केंद्रीय जेल लाया गया। पुलिस के अनुसार, पूर्व सीएम को कैदी संख्या 7691 के साथ अगली प्रक्रिया तक रहने के लिए जेल के स्नेहा विंग में एक ऊपरी ब्लॉक आवंटित किया गया है। अदालत के निर्देश पर, जेल अधिकारी उन्हें खतरे की आशंका के मद्देनजर एक विशेष कमरा, घर का बना भोजन, दवाएं और पर्याप्त सुरक्षा सहित विशेष सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। टीडीपी प्रमुख के बेटे नारा लोकेश और पार्टी के अन्य नेता भी केंद्रीय जेल पहुंचे। पूर्वी गोदावरी जिला पुलिस ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजमंड्री में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। पूर्व सीएम की रिमांड से पहले ही राजमंड्री सेंट्रल जेल में भारी पुलिस सुरक्षा तैनात कर दी गई है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने पार्टी प्रमुख की गिरफ्तारी को लेकर सोमवार को राज्य बंद का आह्वान किया है। कथित कौशल विकास निगम घोटाले के सिलसिले में विजयवाड़ा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अदालत ने नायडू को 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। गौरतलब है कि चंद्रबाबू नायुडू को आंध्र प्रदेश आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। >14

बीजेपी और जेडीएस लोकसभा चुनाव साथ लड़ेगी : देवेगौड़ा

> 4 दिन पहले येदियुरप्पा ने भी गठबंधन का दावा किया था, कुमारस्वामी ने नकारा

बेंगलुरू, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले तीन दिनों से बीजेपी और जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) के बीच गठबंधन को लेकर जारी बयानबाजी पर अब विराम लग गया है। जेडीएस सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने 11 सितंबर को पुष्टि कर दी कि बीजेपी और जेडीएस लोकसभा चुनाव साथ लड़ेगी। उन्होंने बेंगलुरू में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच साथ चुनाव लड़ने पर सहमति बन गई है। जेडीएस कितने सीटों पर लड़ेगी, इस पर मैं पीएम मोदी से बातचीत के बाद फैसला करूंगा।

जेडीएस सुप्रीमो देवेगौड़ा ने कहा कि मैंने यह फैसला पार्टी के अस्तित्व को बचाने के लिए किया है। उन्होंने विपक्षी पार्टियों के गठबंधन इंडिया के बारे में कहा, मैं इतना बड़ा सेक्युलर नेता हूं, फिर भी मुझसे गठबंधन का हिस्सा बनने के लिए कांग्रेस ने संपर्क तक नहीं किया। 8 सितंबर को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने कहा था, जेडीएस लोकसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ेगी। गृहमंत्री अमित शाह (जेडीएस) को लोकसभा की 4 सीटें देने पर सहमत हो गए हैं। हालांकि, पहले जेडीएस कर्नाटक की 28 सीटों में से पांच सीटें मांग रही थी। अगले ही दिन यानी 9 सितंबर को पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा के साथ आने वाले बयान को नकार दिया। उन्होंने कहा, यह येदियुरप्पा की निजी प्रतिक्रिया है। अभी तक दोनों दलों में सीट शेयरिंग के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है। >14

खड़गे ने पीएम को बेरोजगारी, मणिपुर की याद दिलाई

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को लोगों के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की याद दिलाई और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी "सच्चाई छिपाने" के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन जनता बिना विचलित हुये सच जानना चाहती है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा, अब जब जी-20 की बैठक खत्म हो गई है, मोदी सरकार को घरेलु मुद्दों पर अपना ध्यान आकर्षित करना चाहिए। **महंगाई :** अगस्त में एक आम खाने की थाली का दाम 24 प्रतिशत बढ़ गया है। बेरोजगारी : देश में बेरोजगारी दर आठ प्रतिशत है। युवाओं का भविष्य अंधकारमय है। **घोटाले :** मोदी सरकार के कुशासन में भ्रष्टाचार की बाढ़ आ गई है। सीएजी ने कई रिपोर्टों में भाजपा की पोल खोली है। जम्मू-कश्मीर में 13,000 करोड़ रुपये का जल जीवन घोटाला सामने आया है, जिसमें एक दलित आईएएस अधिकारी को इसलिए प्रताड़ित किया गया, क्योंकि उन्होंने भ्रष्टाचार उजागर कर दिया। उन्होंने लूट के बारे में उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के परम मित्र की लूट हाल ही में फिर सामने आई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा, आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर, विरल आचार्य ने 2019 चुनाव के पहले आरबीआई के खजाने से मोदी सरकार को तीन लाख करोड़ रुपये ट्रांसफर करने के सरकारी दबाव का विरोध किया था।

यूपी में बारिश से 24 घंटे में 19 की मौत

> लखनऊ में 18 घंटे बारिश, बाराबंकी में ट्रैक डूबे-15 राज्यों में बरसेगा पानी

लखनऊ, 11 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में सोमवार को मानसून की जोरदार बारिश हुई। राजधानी लखनऊ में 18 घंटे तक लगातार बारिश हुई। कभी तेज-कभी रिमझिम। शहर के पॉश इलाकों में 2-3 फीट तक पानी भर गया। यहां बीते 12 घंटे में 93.9एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। केंद्रीय रक्षामंत्री और लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने डीएम से फोन पर बात कर शहर का हाल जाना। लखनऊ के अलावा, कानपुर, बाराबंकी, मुरादाबाद, हरदोई में भी तेज बारिश हुई। प्रदेश के आपदा विभाग के मुताबिक, 24 घंटे में बारिश और बिजली गिरने से जुड़े हादसों में 19 लोगों की मौत हो गई। उधर, मौसम विभाग ने बिहार, एमपी, राजस्थान, पश्चिम बंगाल समेत देश के 15 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। यूपी के लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर समेत 31 जिलों में बारिश का अलर्ट है। वहीं मध्य प्रदेश में भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा समेत 22 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। मुरादाबाद और बाराबंकी में रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है। हरियाणा के हिसार-दिल्ली और रेवाड़ी-हिसार के बीच चलने वाली 4 ट्रेनों को भी रद्द किया गया है। एक जून से शुरू हुए मानसून सीजन में अब तक ओवरऑल 10 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इसका मतलब है कि ये मानसून सीजन (30 सितंबर तक) सामान्य कम बारिश के साथ खत्म होगा।

बारामूला से लश्कर के 3 आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में तीन लोगों की गिरफ्तारी के साथ एक आतंकी भर्ती मॉड्यूल का खुलासा हुआ। सेना और पुलिस ने रविवार शाम क्रीरी इलाके के मुखबिर से मिली जानकारी पर कार्रवाई की। सेना की 52 आरआर और पुलिस की जॉइंट टीमों ने चाय के टपरे में मोबाइल चेक प्वाइंट बनाया। जिसके बाद संदिग्ध घूम रहे तीन लोगों को पकड़ा गया। इनके कब्जे से चीनी ग्रेनेड समेत तीन ग्रेनेड और एके-47 के 30 राउंड बरामद किए गए। गिरफ्तार लोगों की पहचान लतीफ अहमद डार, शौकत अहमद लोन और इशरत रसूल के रूप में हुई है। तीनों ने लश्कर-ए-तैयबा का ओवरग्राउंड वर्कर होने की बात कबूली है।

ममता के भतीजे को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया

टीएमसी सांसद बोले-13 सितंबर को जानबूझकर बुलाया, इसी दिन इंडिया कमेटी की बैठक

कोलकाता, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने दावा किया है कि ईडी ने उन्हें पशु तस्करी मामले में 13 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। अभिषेक ने जांच एजेंसी पर आरोप लगाया कि जान-बूझकर उन्हें 13 को बुलाया गया है। इसी दिन दिल्ली में विपक्षी दलों के इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल अलायंस (इंडिया) की कोऑर्डिनेशन/स्ट्रैटजी कमेटी की पहली बैठक है। बनर्जी भी इस पैनल के मेंबर हैं। टीएमसी सांसद ने कहा कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के घर पर होने वाली इस मीटिंग में गठबंधन की रणनीतियों और अगले कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जाएगी। अभिषेक ने एक पोस्ट में लिखा, इंडिया कोऑर्डिनेशन कमेटी की पहली बैठक 13 सितंबर को दिल्ली में है, उसमें मैं भी सदस्य हूं, लेकिन ईडी के डायरेक्टर ने मुझे उसी दिन उनके सामने पेश होने के लिए आसानी से नोटिस दे दिया। कोई भी 56-इंच छाती वाले मॉडल की समयबद्धता और शून्यता पर हैरान हुए बिना नहीं रह सकता। कोलकाता में डायमंड हार्बर से टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के आरोप पर रिएक्शन देते हुए भाजपा के सीनियर नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, अभिषेक पशु तस्करी मामले में आरोपी हैं, इसके नाते अभिषेक को सेंट्रल एजेंसी से किसी विशेष व्यवहार की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने एडिटर्स गिल्ड केस में एफआईआर रद्द नहीं की

- *सिब्बल बोले-सेना की बनवाई रिपोर्ट पर एफआईआर क्यों*
- *सरकार बोली-राष्ट्रीय मुद्दा क्यों बनाएं*

इंफाल, 11 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर सरकार की ओर से एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) के मेंबर्स के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर आज (11 सितंबर) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

एडिटर्स गिल्ड के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि रिपोर्ट भारतीय सेना की अपील पर बनाई गई थी। इसलिए इसके लिए एडिटर्स गिल्ड पर मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी एफआईआर को रद्द नहीं कर रहा है। बल्कि मामले को हाईकोर्ट ट्रांसफर करने की संभावना तलाश रहा है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है। एडिटर्स गिल्ड ने 6 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट से दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। मामले में पिछली सुनवाई 6 सितंबर को हुई थी, तब कोर्ट ने मणिपुर पुलिस को निर्देश दिए थे, 11 सितंबर तक एडिटर्स गिल्ड के मेंबर्स के खिलाफ कोई एक्शन न लिया जाए। सीजेआई मामले की सुनवाई शुरू होने पर ईजीआई के मेंबर्स को चार सप्ताह की सुरक्षा देने का विचार कर रहे थे, लेकिन बेंच के साथियों से बात करने के बाद उन्होंने मामले को 11 सितंबर को सुनने के लिए लिस्ट कर लिया।

एडिटर्स गिल्ड के वकील श्याम दीवान : ईजीआई ने 7 से 10 अगस्त के बीच राज्य का दौरा करने और पीड़ितों से बातचीत के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई थी। रिपोर्ट में आई गलतियों को तुरंत ठीक कर लिया गया था। एडिटर्स गिल्ड के वकील श्याम दीवान : 2 सितंबर को रिपोर्ट जारी होने के बाद मणिपुर पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज की थीं। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के बयान सुनने के बाद पत्रकार अभिव्यक्ति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के बारे में चिंतित थे। सीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि ईजीआई भावनाओं को भड़का रहा है।

सोशल मीडिया पर छत्रपति शिवाजी के खिलाफ पोस्ट, हिंसा भड़की

पथराव-आगजनी, 2 की मौत, 8 घायल-इलाके में इंटरनेट बंद

सतारा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा जिले की खटाव तहसील में रविवार 10 सितंबर की रात एक समुदाय ने दूसरे समुदाय के लोगों के घरों पर पथराव किया, जिसके बाद वहां हिंसा भड़क गई। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 9 सितंबर को एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ पोस्ट की थी। इसके बाद से ही इलाके में तनाव का माहौल था। पुलिस ने बताया कि पुणे से करीब 150 किलोमीटर दूर स्थित पुसेसावाली गांव से हिंसा शुरू हुई थी। दो समुदाय के लोगों ने कई दुकानों और घरों में आग लगा दी। हालात काबू करने के लिए इलाके की इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

पुलिस ने पोस्ट करने वाले व्यक्ति को हिरासत में लिया : घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि लगभग एक हजार लोगों की भीड़ ने गांव में पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और आगजनी की। उन्होंने सड़क किनारे खड़े वाहनों में भी आग लगा दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद सातारा के एसपी समीर शेख पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद हालात नियंत्रित हुए।

सातारा सांसद ने शांति बनाए रखने की अपील की : सातारा से सांसद श्रीनिवास पाटिल ने सरकार से हालात को नियंत्रित रखने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने को कहा है। पाटिल ने कहा, यहां जो कुछ हुआ, बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी अपील है कि सभी लोग शांति बनाए रखें। वहीं, सातारा के डीएम ने भी अपील की कि लोग सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट ना करें, जिससे तनाव पैदा हो। उन्होंने कहा कि लोग अफवाहों पर ध्यान ना दें और इलाके में शांति बनाए रखें।

सुप्रीम कोर्ट में उठा कुत्तों के काटने का मामला

जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि ये एक गंभीर खतरा बन गया है

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कुत्तों के काटने के केस लगातार बढ़ रहे हैं। आए दिन बच्चों से लेकर बड़ों तक को कुत्ते के काटने की खबरें सामने आती हैं। विधानसभा से लेकर हाईकोर्ट्स तक ये मसला उठ चुका है। हाल ही में गाजीयाबाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें कुत्ते के काटने की वजह से 14 साल के बच्चे ने अपने पिता की गोद में दम तोड़ा था। अब ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।

कुत्तों के काटने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में उठा है। सोमवार को वकील कुणाल चटर्जी हाथों में पट्टी बांधकर सीजेआई के सामने पेश हुए। कुणाल के हाथ में पट्टी देखकर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा, क्या हुआ है, पट्टी क्यों बंधी है? इस पर कुणाल ने कहा कि 5 कुत्तों ने एक साथ मेरे ऊपर हमला बोल दिया, जिससे मैं घायल हो गया। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों के हमले के मामले में सुप्रीम कोर्ट को कोई दिशा निर्देश देना चाहिए, क्योंकि हाईकोर्ट ने अलग-अलग फैसला दिया है।

इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकील से पूछा कि अगर आपको कोई मेडिकल मदद चाहिए तो वो रजिस्ट्रार को इसके लिए कह सकते हैं। इसी दौरान वहां बैठे जस्टिस नरसिम्हा ने कुत्तों के हमले को लेकर कहा कि ये एक गंभीर खतरा बन गया है। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि हाल ही में यूपी का एक वीडियो वायरल हुआ था कि एक कुत्ता एक मासूम बच्चे को काट रहा है। हम कुत्ता काटने के बाद ज्यादा इलाज पर ध्यान नहीं देते, जबकि ये बहुत गंभीर समस्या है। कुत्ता काटने के बाद रेबीज के लक्षण उभर जाएं तो अस्पताल में डॉक्टर भी हाथ खड़े कर देते। इस मामले में भी यही हुआ।

अस्पताल में इसका कोई इलाज नहीं था, लिहाजा मासूम का अपने पिता की गोद में ही दम टूट गया। इसके बाद सीजेआई ने बताया कि दो साल पहले उनके एक लॉ क्लर्क पर भी कार पार्क करते समय आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था। वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया भी कोर्ट और इस चर्चा में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अदालत को इस मामले में स्वत: संज्ञान लेना चाहिए। सीजेआई चंद्रचूड़ से सड़क पर कुत्तों के हमलों की समस्या पर कार्रवाई करने का आग्रह किया।

एलजी ने कहा, भारत का एक इंच जमीन भी चीनियों के कब्जे में नहीं

लद्दाख, 11 सितंबर (एजेंसियां)। लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर बी.डी. मिश्रा ने सोमवार को कहा कि चीनी सेना ने केंद्र शासित प्रदेश में एक इंच भी भारतीय क्षेत्र पर कब्जा नहीं किया है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, जिन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान पर टिप्पणी करने के लिए कहा कि चीन ने लद्दाख में भारतीय क्षेत्र के बड़े क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है, मिश्रा ने कहा, मैं किसी के बयान पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। लेकिन, मैं तथ्यों का एक बयान देना चाहता हूं। मुझे नहीं पता कि 1962 में क्या हुआ होगा, लेकिन मैंने अपनी आंखों से देखा है, आज लद्दाख में हमारे क्षेत्र का एक इंच भी चीनियों द्वारा कब्जा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, हमारे सैनिक हमारे क्षेत्र के अंतिम इंच तक कब्जे में हैं। हमारे सशस्त्र बल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

जी-20 डिनर में ममता के जाने पर सवाल

दीदी एक दिन पहले क्यों गईं, टीएमसी का जवाब-सीएम की विजिट क्या दूसरे तय करेंगे

कोलकाता, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 9 से 10 सितंबर के बीच जी-20 समिट का आयोजन हुआ। सम्मेलन के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डिनर होस्ट किया। जिसमें विदेशी मेहमानों के अलावा देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी इनवाइट किया गया था। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी डिनर में पहुंची।

अब कांग्रेस ममता बनर्जी के डिनर में शामिल होने पर सवाल उठा रही है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, हमने तो डिनर से दूरी बनाई मगर दीदी एक दिन पहले ही दिल्ली पहुंच गईं। जी-20 समिट डिनर में गैर-बीजेपी मुख्यमंत्रियों की बात करें तो ममता सहित कुल 5 सीएम पहुंचे थे। इसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, झारखंड के हेमंत सोरेन, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन और हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू शामिल हुए थे। वहीं राजस्थान सीएम अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल डिनर में नहीं गए थे।

कोलकाता में एक कार्यक्रम में पहुंचे अधीर रंजन ने ममता के फैसले पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या इससे नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ उनका रुख कमजोर नहीं होगा। साथ ही उन्होंने पूछा, क्या तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो के कार्यक्रम में भाग लेने का कोई अन्य कारण था। रंजन ने आगे कहा, जब कई गैर-बीजेपी मुख्यमंत्रियों ने डिनर में शामिल होने से परहेज किया, तो दीदी (ममता बनर्जी) एक दिन पहले ही दिल्ली चली गईं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ एक ही कमरे में इस अवसर पर भाग लिया।

मराठा आरक्षण की मांग, 3 विपक्षी पार्टियां साथ

जालना लाठीचार्ज के विरोध में आज ठाणे बंद, सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई

मुंबई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर मराठा समाज ने आज ठाणे बंद का ऐलान किया है। इसके चलते सीएम एकनाथ शिंदे के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एनसीपी (शरद पवार गुट), शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के शहर इकाइयों के नेताओं ने इस बंद को अपना समर्थन दिया है। इस बीच राज्य सरकार ने आज मुंबई में मराठा आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसका मकसद विरोध-प्रदर्शन का हल निकालना है। इस बैठक में शिवसेना (यूबीटी) शामिल होगी, हालांकि कांग्रेस ने अभी तक न तो इस विवाद पर कोई राय दी है और न ही बैठक में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है।

भाजपा में शामिल होने के बाद बोली ज्योति मिर्धा

कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की हो रही है अनदेखी

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा ने राजस्थान में कानून व्यवस्था की खराब हालत का जिक्र करते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की अनदेखी हो रही है, कई लोग वहां घुट रहे हैं लेकिन अपनी बात ऊपर तक पहुंचाने के बाद भी कांग्रेस आलाकमान इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है इसलिए लोग कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

सोमवार को भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में पार्टी का दामन थामने के बाद कांग्रेस आलाकमान और राज्य की गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए नागौर से कांग्रेस की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा ने कहा कि राजस्थान की हालत दयनीय हो गई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व के कारण उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि 2023 में होने वाले विधान सभा चुनाव और 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव में वह भाजपा को राजस्थान में बड़ी जीत दिलाने के लिए प्रयास करेंगी।

वहीं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह और राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने ज्योति मिर्धा के पार्टी में आने से भाजपा के राजस्थान में मजबूत होने का दावा करते हुए कानून व्यवस्था और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ रहे आपराधिक घटनाओं का जिक्र कर प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा। दरअसल, राजस्थान में विधान सभा चुनाव की घोषणा से पहले ही भाजपा ने कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए पार्टी की पूर्व लोक सभा सांसद ज्योति मिर्धा को अपनी पार्टी में शामिल करा लिया है। भाजपा राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह, भाजपा राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी और राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की मौजूदगी में पार्टी के दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मुख्यालय में ज्योति मिर्धा ने सोमवार को भाजपा का दामन थाम लिया। इसके साथ ही रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी और कांग्रेस के पूर्व विधायक के पुत्र सवाई सिंह चौधरी ने भी भाजपा का दामन थाम लिया।

आपको बता दें कि, राजस्थान की राजनीति में मिर्धा परिवार का अपना एक राजनीतिक कद रहा है जिसका फायदा कांग्रेस को मिलता रहा है। ज्योति मिर्धा राजस्थान कांग्रेस के दिग्गज जाट नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती हैं और 2009 के लोक सभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर नागौर सीट से चुनाव जीत कर वह सांसद भी रह चुकी हैं। लेकिन 2014 के लोक सभा चुनाव में उन्हें भाजपा उम्मीदवार सीआर चौधरी और 2019 के लोक सभा चुनाव में भाजपा समर्थित एनडीए उम्मीदवार राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी मुखिया हनुमान बेनीवाल से हार का सामना करना पड़ा था।

लेकिन चूंकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी मुखिया हनुमान बेनीवाल अब एनडीए से किनारा कर चुके हैं, ऐसे में यह माना जा रहा है कि भाजपा 2024 के लोक सभा चुनाव में उन्हें नागौर लोक सभा क्षेत्र से उम्मीदवार बना सकती है, हालांकि इससे पहले उन्हें इस वर्ष के अंत तक राज्य में होने वाले विधान सभा चुनाव में अपनी राजनीतिक ताकत दिखानी होगी। यह माना जा रहा है कि राजस्थान के जाट समुदाय खासकर जाट मतदाता बाहुल्य लोक सभा क्षेत्र नागौर में वोटरों को साधने के लिए भाजपा ने उन्हें अपनी पार्टी में शामिल कराया है ताकि विधान सभा चुनाव में भी भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल बनाया जा सके।

उदयनिधि स्टालिन ने अब बीजेपी को जहरीला सांप बताया

बोले-बाहर फेंकने की जरूरत, सहयोगी दल एआईएडीएमके को कूड़े का ढेर कहा

चेन्नई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। सनातन धर्म पर विवादित कमेंट करने के बाद तमिलनाडु सीएम के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने विरोधी पार्टियों पर निशाना साधा है। उदयनिधि ने बीजेपी की तुलना जहरीले सांप से की। साथ ही उनके सहयोगी दल एआईएडीएमके को कूड़े का ढेर कहा। उदयनिधि रविवार को कुड्डालोर जिले के नेवेली में डीएमके विधायक सभा राजेंद्रन की पारिवारिक शादी में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा, कचरे में से सांप हमारे घर में घुस जाता है। अगर हमें सांप को खत्म करना है, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई कचरा न हो। 2024 चुनाव में तमिलनाडु से भाजपा और एआईएडीएमके को बाहर कर देना चाहिए। सनातन धर्म विवाद पर उदयनिधि ने कहा कि वह भविष्य में भी इसके खिलाफ बोलते रहेंगे। उन्होंने कहा, रतमिलनाडु में पिछले 100 सालों से सनातन धर्म के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। हम अगले 200 सालों तक भी इसके खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि सनातन पर उनकी टिप्पणी नई नहीं है। उदयनिधि ने कहा, अतीत में कई मौकों पर, बी आर अंबेडकर, पेरियार (डीके संस्थापक ई वी रामासामी) और एम करुणानिधि (पूर्व डीएमके संरक्षक) ने इसके बारे में बात की थी।

सनातन धर्म के विरोध के चलते महिलाएं घर से निकल पाई

उदयनिधि ने आगे कहा, सनातन धर्म के कड़े विरोध के कारण ही महिलाएँ घर से बाहर निकल सकीं और सती जैसी सामाजिक कुरीतियाँ समाप्त हुईं। उन्होंने कहा, वास्तव में, द्रमुक की स्थापना ही उन सिद्धांतों पर हुई थी जो ऐसी सामाजिक बुराइयों का विरोध करते हैं। नरसंहार वाले आरोप का जवाब देते हुए उदयनिधि ने कहा, भाजपा ने मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया और कुछ ऐसा फैलाया जो मैंने कभी नहीं कहा था।

तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने चेन्नई में 2 सितंबर को एक कार्यक्रम में सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिया था। 4 दिन बाद 7 सितंबर को उन्होंने पहली बार सफाई दी। उन्होंने कहा, 'मैं किसी भी धर्म का दुश्मन नहीं हूं। मेरे बयान का गलत मतलब निकाला गया। मैं हिंदू धर्म नहीं सनातन प्रथा के खिलाफ हूं। इसी के साथ उदयनिधि के पिता एमके स्टालिन ने भी उसी दिन बेटे का बचाव किया। स्टालिन ने सोशल मीडिया पर बयान पोस्ट किया - भाजपा ने झूठी कहानी फैलाई है। पीएम ने भी बिना सच जाने इस पर कमेंट किया। दरअसल, बुधवार 6 सितंबर को मंत्रिपरिषद की एक बैठक में पीएम ने सभी मंत्रियों को सनातन विवाद पर सख्त जवाब देने की बात कही थी।

पटाखों पर इस साल भी जारी रहेगा बैन

दिल्ली सरकार ने जारी किया ये निर्देश

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने सर्दियों में प्रदूषण पर अंकुश लगाने की कार्ययोजना के तहत पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। राजधानी दिल्ली में इस साल भी दीवाली पर पटाखों की बिक्री और जलाने पर प्रतिबंध जारी रहेगा। दिल्ली सरकार ने दिल्ली पुलिस को ये निर्देश जारी किया है। पिछले कई सालों से वायु प्रदूषण के मद्देनजर पटाखों पर प्रतिबंध लगाया जाता रहा है। दिल्ली सरकार ने पड़ोसी राज्यों से भी अपील की है कि वे पटाखों की बिक्री पर रोक लगाएं। दिल्ली सरकार ने कहा कि सर्दियों में प्रदूषण पर अंकुश लगाने की कार्ययोजना के तहत पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया।

दिल्ली सरकार की तरफ से दिल्ली पुलिस को निर्देश जारी कर कहा गया है कि किसी को भी पटाखों संबंधित लाइसेंस ना दिए जाएं। बता दें कि राजधानी दिल्ली में पिछले साल भी पटाखे प्रतिबंधित थे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यह घोषणा करते हुए बताया कि पड़ोसी राज्यों से भी अपील की गई है कि वो भी पटाखे पर प्रतिबंध लगाएं। दिल्ली में सर्दी के मौसम में बढ़ते प्रदूषण और सुप्रीम कोर्ट/ एनजीटी के निर्देश के मद्देनज़र दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने ये फैसला लिया है।

सनी देओल ने बताया संसद में कम अटेंडेंस का कारण

पॉलिटिक्स मेरी दुनिया नहीं है, आगे चुनाव नहीं लड़ना चाहता

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। सनी देओल इन दिनों अपनी फिल्म 'गदर 2' की सक्सेस को एंजॉय कर रहे हैं। एक्टर होने के साथ-साथ सनी पंजाब के गुरदासपुर कॉन्स्टीट्यूएंसी से भारतीय जनता पार्टी के सांसद भी हैं। ऐसे में सनी अक्सर संसद में अपने कम अटेंडेंस के चलते विपक्ष के निशाने पर रहते हैं।

वहीं अब हाल ही में सनी ने संसद में अपनी कम अटेंडेंस को लेकर बात की है। गदर एक्टर ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वह पॉलिटिक्स के लिए बने हैं। सनी ने यह भा कहा कि वह आगे चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। दरअसल, हाल ही में सनी न्यूज शो 'आप की अदालत' में बतौर गेस्ट पहुंचे थे। इस दौरान एक्टर से संसद में उनकी कम अटेंडेंस को लेकर सवाल किया गया। इस पर सनी ने कहा- 'संसद में मेरी उपस्थिति वास्तव में कम है। मैं यह नहीं कहता कि यह अच्छी बात है, लेकिन जब से मैं राजनीति में आया हूं, तो मुझे इस बात का एहसास हुआ है कि यह मेरी दुनिया नहीं है।' सनी ने आगे कहा-'मैं अपने चुनावी क्षेत्र के लिए लगातार काम कर रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं संसद में जाता हूं या फिर नहीं। इससे मेरे संसदीय क्षेत्र को लेकर मेरे काम पर कोई असर नहीं पड़ता है। इसके अलावा, जब मैं संसद में जाता हूं तो मुझे समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उदयनिधि के बाद सनातन धर्म पर अभिनेता प्रकाश राज ने की विवादित टिप्पणी

मुस्लिम कंडक्टर का दिया उदाहरण

चेन्नई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मंत्री और सीएम स्टालिन के बेटे उदयनिधि के बाद अब मशहूर अभिनेता प्रकाश राज ने भी सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दिया है। प्रकाश राज ने स्टालिन के बेटे के ही बयान को दोहराते हुए इसे डेंगू की तरह बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रकाश राज ने उदयनिधि स्टालिन के बयान को दोहराते हुए कहा कि सनातन डेंगू बुखार की तरह है और इसे मिटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आठ साल के बच्चे को धर्म से जोड़ना ही सनातन धर्म है। राज ने एक मुस्लिम बस कंडक्टर के मुद्दे को भी उठाया, जिसे एक महिला ने अपनी टोपी उतारने के लिए कहा था।दरअसल, प्रकाश राज कलबुर्गी के एक कार्यक्रम में कहा कि हर किसी को इस देश में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी छुआछूत की मानसिकता है।

ये सिर्फ इसलिए दूर नहीं हुआ है क्योंकि वहां एक नियम है और ये नियम कानून के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में एक मुस्लिम बस कंडक्टर था, जिसने अपनी धार्मिक टोपी पहन रखी थी। एक महिला ने उसे हटाने को कहा। ऐसे बोलने वाले लोग भी होंगे। पर सवाल उठता है कि आसपास के लोग कौन थे, जो ऐसा करते हुए देख रहे थे। उन्होंने कहा कि कल एक कंडक्टर इप्पा माला पहनेगा तो आप उन्हें एक कंडक्टर के रूप में देखेंगे या फिर उनकी भक्ति के रूप में? एक कंडक्टर भी होगा जो हनुमान टोपी पहनेगा और प्रार्थना करेगा कि बस सुरक्षित रूप से चले। क्या हर कोई अपने कपड़े उतार कर बैठ सकता है? सभी को अपने धर्म का पालन करना चाहिए। इस देश में सभी को जीवित रहना चाहिए ना? समाज में सभी को रहना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रकाश राज ने कहा कि एक धार्मिक जुलूस में 18 साल के युवा चाकू और तलवार लेकर चल रहे थे।

आपदा का जायजा लेने आज हिमाचल आएंगी प्रियंका गांधी

सीएम सुक्खू भी रहेंगे साथ

शिमला, 11 सितंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए मंगलवार को हिमाचल आएंगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के साथ प्रियंका गांधी कुल्लू, मनाली, मंडी और सोलन का दौरा करेंगी। इस दौरान प्रभावित क्षेत्रों और परिवारों से प्रियंका गांधी मुलाकात करेंगी। राज्य सरकार की ओर से व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने के लिए चलाए जा रहे राहत और बचाव कार्यों का प्रियंका गांधी जायजा भी लेंगी। तीन बार पहले भी प्रियंका गांधी आने की कोशिश कर चुकी हैं। खराब मौसम और रेड अलर्ट के कारण वह नहीं आ सकीं। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में मानसून सीजन के दौरान इस वर्ष 411 लोगों की मौत हो चुकी है। 38 लोग अभी लापता हैं। 2559 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। 10,890 घरों को आंशिक तौर पर नुकसान हुआ है। 318 दुकानें और 5,680 गोशालाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। 24 जून से 10 सितंबर तक प्रदेश में भूस्खलन की 164 और बाढ़ की 72 घटनाएं हुई हैं।

असम सीएम बोले : राहुल जी गांधी सरनेम छोड़ दीजिए

टाइटल लगाने से डकैत साधु नहीं बनता, आप लोग डुप्लीकेट गांधी हैं

असम, 11 सितंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस के गांधी परिवार पर सरनेम हड़पने का आरोप लगाया है। रविवार, 10 सितंबर को गुवाहाटी स्थित भाजपा मुख्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान हिमंता ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से अपना सरनेम छोड़ने को कहा।

उन्होंने कहा- सारे गांधी कैसे बन गए। मैंने बहुत दिन रिसर्च किया। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी किस फॉर्मूले से गांधी हैं। कांग्रेस कहती है कि भाजपा इंडिया नाम से डर गई है। कल कोई डकैत अपना नाम गांधी रख लेगा तो क्या वह साधु बन जाएगा। हिमंता के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- जिस तरह आपका नाम आपके पिता कैलाश नाथ सरमा से ही पड़ा, वैसे ही राजीव गांधी का अपने पिता फिरोज गांधी से पड़ा।

हिमंता बोले-कांग्रेस ने महात्मा गांधी का सरनेम हड़प लिया

भाजपा महिला मोर्चा कार्यक्रम के दौरान हिमंता ने कहा- जब वोट लेने का टाइम होता है, तब कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा करती है। चुनाव खत्म हो गया तो उन्होंने अपना नाम इंडिया कर लिया। आप लोग इंडिया कैसे हैं।

उन्होंने कहा-गांधी जी ने देश को आजाद कराया और आप लोगों ने गांधी टाइटल हड़प लिया। भारत का पहला स्कैम टाइटल से शुरू हुआ। आप लोग डुप्लीकेट गांधी हैं। टाइटल की तरह कांग्रेस ने हमारे देश का नाम हड़पकर इंडिया बन गया।

कांग्रेस को इंडिया या भारत बोलने का अधिकार नहीं

हिमंता बिस्वा ने आगे कहा- कांग्रेस ने इंडिया का गौरव कभी नहीं बढ़ाया है। कांग्रेस ने देश के नाम पर परिवारवाद बढ़ाने और देश को तोड़ने का काम किया। उन्हें इंडिया बोलने का अधिकार नहीं है। भारत का नाम तो दूर-दूर तक मत लेना। असम सीएम ने दावा किया कि भारत में फिर से मोदी सरकार बनेगी। उन्होंने कांग्रेस को किसी दूसरे देश या ग्रह में अपनी सरकार बनाने की नसीहत दी।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा- मैं जी20 समिट में गया था। वहां विश्व के सभी नेता पीएम मोदी को जैसे देख रहे थे, उनके साथ बातें कर रहे थे, मैं तो सोचता हूं कि भारत विश्वगुरु बन चुका है। हिमंता ने कहा-कांग्रेस ने 75 साल डुप्लीकेट काम किया। हमारे देश का जो स्थान होना चाहिए था, उससे हमको दूर कर दिया।

रोचक खबरें

ये है 'जीवन' का पेड़, हजारों सालों तक रहता है जिंदा, लाखों साल पुराना है इतिहास

पौराणिक लोक कथाओं में आपने अमृत के बारे में सुना होगा. इस अमृत से इंसान की जिंदगी के साल बढ़ जाते हैं. इंसान अगर अमर होना चाहता तो भगवान से अमृत मांगता था. कलियुग में ऐसे अमृत की मात्र कल्पना की जा सकती है. आज के समय में तो अमृत की मात्र कल्पना की जा सकती है. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पेड़ के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अमरता का पेड़ कहलाता है. ये पेड़ अफ्रीका में पाया जाता है. अब यहां से फैलते हुए उसने कई अन्य देशों में भी अपनी जगह बना ली है.

इस पेड़ का नाम है बाओबाब. ये हजारों साल तक जिंदा रहते हैं. इन्होने खुद को प्रकृति में ऐसे ढाल लिया है कि गर्मी हो चाहे कड़ाके की ठंड, ये कहीं भी फैलने लगते हैं. खासकर अफ्रीका और मेडागास्कर एरिया में ये पेड़ काफी विशाल बन जाते हैं. ये पेड़ पानी को सोंख कर उसे अपने तने में स्टोर करते हैं. बारिश के मौसम में ये पेड़ पानी को सोख लेते हैं और जमा कर लेते हैं. सुखाड़ पड़ने पर इसी पानी का इस्तेमाल किया जाता है.

कई कामों में होता है इस्तेमाल

ये एक ऐसा पेड़ है जिसका उपयोग तीन सौ से अधिक कामों में होता है. इसके फल और तने से लेकर इसकी जड़ें भी काफी उपयोगी हैं. इस वजह से ही इसका नाम जीवन देने वाला पेड़ रखा गया है. इसके अलावा इसे अमरता का पेड़ भी कहा जाता है. बात अगर इसके अस्तित्व की करें तो ये पेड़ आज से दो हजार मिलियन साल पुराना बताया जा रहा है. कुछ यूरोपीय एक्सप्लोरर्स का कहना है कि ये पेड़ पांच हजार साल तक जिंदा रहते हैं. वहीं कुछ इसकी अवधी तीन हजार साल बताते हैं.

भूखे कुत्ते को घुमाने ले गया मालिक, बीच रास्ते कई लोगों को बना लिया 'डिनर'

11 साल की बच्ची को कई बार काटा

कुत्तों को इंसान का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है. कुत्ते वफादार होते हैं और किसी मुसीबत में मालिक का साथ भी देते हैं. लेकिन कई बार कुछ कुत्ते आक्रामक हो जाते हैं. इसमें ज्यादातर ऐसे डॉग्स शामिल हैं जिन्हें सिक्युरिटी के लिए पाला जाता है. ऐसे कुत्तों को पालने का मकसद होता है अपने घर की रखवाली करवाना. लेकिन इन कुत्तों को बाहर ले जाने से पहले बहुत सावधान रहने की जरुरत होती है. सोशल मीडिया पर यूके के बिर्मिंघम से एक बेहद शॉकिंग वीडियो सामने आया. इसमें एक कुत्ते द्वारा सड़क पर कई लोगों के ऊपर हमला करते देखा गया. कुत्ते के कारण वहां अफरा-तफरी मच गई. इस कुत्ते ने सड़क से गुजर रहे कई लोगों पर अटैक किया और उन्हें घायल कर दिया. इस अटैक में एक चौदह साल की बच्ची भी शामिल है. बताया जा रहा है कि कुत्ते ने तीन लोगों को नोच डाला. साथ ही इन्हें बचाने गए कई लोग भी हमले का शिकार हो गए.

सामने आया शॉकिंग वीडियो

इस वीडियो को सोशल मीडिया साइट फेसबुक के बुली वाच नाम के पेज पर शेयर किया गया. घटना 9 सितंबर की बताई जा रही है. कुत्ते का मालिक उसे लेकर बाहर घुमाने आया था. लेकिन भूखे कुत्ते ने रास्ते में कई लोगों को काटना शुरू किया. उसने अपने मालिक से रस्सी छुड़वाई और लोगों के पीछे दौड़ पड़ा. कुत्ते से बचने के लिए सभी इधर-उधर दौड़ने लगे. लेकिन कुत्ते ने किसी को नहीं छोड़ा. जो उसके रास्ते में आता गया, सबपर उसने अटैक किया.

शुरू हुई जांच

इस अटैक में कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. तीनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है. अटैक करने वाला कुत्ता द अमेरिकन एक्सेल बुली ब्रीड का बताया जा रहा है. लोगों ने इस डॉग को यूके में बैन करने की अपील की है. साथ ही लिखा कि ऐसे डॉग्स को पालना बंद कर देना चाहिए. अभी अटैक करने वाले डॉग को पुलिस ने पकड़ लिया है और घायल लोगों के इलाज पर नजर रखे हुए हैं. साथ ही कुत्ते के मालिक पर भी एक्शन लिया जा रहा है.

'पदौड़े' कुत्ते के बगल में मिली कपल को सीट, 13 घंटे सूंघी गंदी हवा

उतरते ही एयरलाइन्स पर ठोंका मुकदमा!

ट्रेवल करना काफी हेक्टिक काम होता है. खासकर अगर यात्रा कई घंटों की हो तो ये और भी थका देने वाला होता है. ट्रेवलिंग जितना थकाऊ काम है, उससे ज्यादा परेशान इंसान तब हो जाता है जब यात्रा के दौरान ऐसे लोग मिल जाते हैं जो इरिटेटिंग होते हैं. भारत में अक्सर ट्रेन से ट्रेवल करते हुए आपका सामना ऐसे लोगों से हुआ होगा जो बिना हेडफोन के जोर-जोर से गाने सुनते हैं. या फिर काफी तेज आवाज में बातें करते हैं. इस वजह से लोग सुविधा के लिए ज्यादा पैसे खर्च कर फ्लाइट से जाना पसंद करते हैं.

जिल और वारेन प्रेस नाम के कपल ने अपनी तरह घंटे की फ्लाइट सिंगापुर एयरलाइन्स के जरिये बुक की थी. उन्हें लगा था कि फ्लाइट में लंबी दुरी आसानी से कट जाएगी. लेकिन उनके लिए ये तेरह घंटे मौत का इन्तजार करने जैसा लंबा साबित हुआ. दोनों पेरिस से छुट्टियां मनाकर सिंगापुर जा रहे थे. लॉन्ग हॉल्ट की वजह से ये ट्रेवल उनके लिए वैसे ही थकाने वाला था. लेकिन फ्लाइट के अंदर उन्हें जो झेलना पड़ा, उसके बाद तो उन्होंने एयरलाइन्स पर मुकदमा ही ठोंक दिया.

इस कपल की सीट जिस पैसेंजर के बगल में थी, उसके पास एक कुत्ता था. कपल का कहना है कि तरह घंटे की फ्लाइट में इस कुत्ते की गंदी हवा छोड़ने की वजह से और जोर-जोर से खर्राटे लेने की वजह से वो अपनी पूरी यात्रा के दौरान परेशान होते रहे. दोनों पेरिस से सिंगापुर जा रहे थे. फ्लाइट से उतरने के बाद कपल ने सिंगापुर एयरलाइन्स पर चार्जेस प्रेस किया है कि कुत्ते के कारण उन्हें पूरी फ्लाइट टॉर्चर झेलना पड़ा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 12 सितंबर, 2023 3

सुविचार

दुनिया एक महान व्यायामशाला है, जहाँ हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।

सामूहिक प्रयास व समन्वय से विसर्जन सुचारु रूप सम्पन्न होगा : डीएस चौहान

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी डीएस चौहान ने गणेश नवरात्रि और विसर्जन के लिए की जाने वाली तैयारियों और सावधानियों के संबंध में आईपीएस नेरेडमेट में आयुक्त कार्यालय में विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की। बैठक में सीपी ने कहा कि पुलिस विभाग के साथ-साथ अन्य सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास और समन्वय से गणेश विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकता है। राचकोंडा पुलिस, जीएचएमसी, अग्निशमन विभाग, जल निकासी विभाग, चिकित्सा विभाग, बिजली, परिवहन आदि के अधिकारियों के साथ गणेश नवरात्रि उत्सव की व्यवस्थाओं के प्रबंधन और सुरक्षा, की जाने वाली व्यवस्थाओं और बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में समन्वय बैठकें आयोजित करके गणेश महोत्सव के दौरान चर्चा हो सकती है और विसर्जन शांतिपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि बिना किसी शांति और सुरक्षा समस्या के आयोजन करना संभव होगा। सीपी ने अधिकारियों को गणेश प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय करने का निर्देश देते हुए कहा कि विसर्जन के लिए कई तालाबों, पोखरों, छोटे तालाबों और झीलों को अधिसूचित किया गया है। सीपी ने सुझाव दिया कि भक्तों को जीएचएमसी और राचाकोंडा पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के तहत सरकार द्वारा स्थापित और अधिसूचित तालाबों और झीलों में ही विसर्जन के लिए आना चाहिए। सीपी ने कर्मचारियों को विसर्जन स्थलों पर भक्तों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। विसर्जन के अवसर पर जीएचएमसी अधिकारियों के समन्वय से तालाबों और अन्य विसर्जन जल निकायों पर स्ट्रीट लाइट, फ्लड लाइट और आवश्यक क्रेन की व्यवस्था पहले से की जानी चाहिए। क्रेन संचालकों को सलाह दी जाती है कि वे समय-समय पर क्रेन की तैयारी की जांच करते रहें ताकि क्रेन रुके नहीं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गणेश विसर्जन तालाब के किनारे टेंट, बिजली की रोशनी, बैरिकेड्स, ताजे पानी की सुविधा, मोबाइल शौचालय और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। बिजली विभाग के अधिकारी सतर्क रहें और 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति करें। उन्होंने कहा कि लोगों को यह देखना होगा कि विसर्जन स्थल तक जाने वाली सड़कों पर गड्ढे न हों और श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसके लिए सड़क की मरम्मत और सैनिटाइजेशन का काम किया जाए। उन्होंने कहा कि विसर्जन के लिए आवश्यक पुलिस उपकरण, तैराक, विशाल क्रेन, लाइटिंग और सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की जा रही है। सीपी ने दोहराया कि भक्तों को पुलिस से आवश्यक अनुमति लेनी चाहिए, जीएचएमसी के निर्देशों का पालन करना चाहिए, और भक्तों और आयोजकों को त्योहार के पूरा होने तक सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए। बैठक में यदाद्रि डीसीपी राजेश चंद्रा, रचाकोंडा ट्रैफिक डीसीपी 1 अभिषेक महंती , डीसीपी एसबी बालास्वामी, एसओटी मल्काजगिरी प्रभारी डीसीपी गिरिधर , महेश्वरम डीसीपी श्रीनिवास, एलबी नगर डीसीपी साई श्री, ट्रैफिक डीसीपी 2 श्रीनिवासुलु, महिला सुरक्षा डीसीपी उषा विश्वनाथ टी, डीसीपी अपराध अरविंद, डीसीपी सड़क सुरक्षा श्रीबाला, एसओटी डीसीपी 2 मुरलीधर, रंगारेड्डी जिला संयुक्त कलेक्टर रविंदर रेड्डी, एलबी नगर जीएचएमसी जोनल कमिश्नर पंकजा, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

सिंगापुर में भारतीय मूल के व्यक्ति पर चाकू से हमले का आरोप लगा

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 39 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर सोमवार को एक अन्य व्यक्ति पर चाकू से हमला करने का आरोप लगाया गया, जिससे पीड़ित के कंधे पर गहरा घाव हो गया। माइकल नगनसेकरन, जिन्हें 40 वर्षीय शनमुगम वेगाटाचलम पर हमला करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया था।

अदालत में खतरनाक हथियार से जानबूझकर चोट पहुंचाने का एक मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कहा कि उन्हें 9 सितंबर को जालान बेसर के आसपास एक लड़ाई के मामले के बारे में सतर्क किया गया था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, माना जाता है कि नगनसेकरन वेगाटाचलम के साथ विवाद में शामिल थे और कथित तौर पर उन पर हमला करने के लिए चाकू का इस्तेमाल किया गया था।

सीएम केसीआर का शासन खिलाड़ियों के लिए स्वर्ण युग : मंत्री

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं जनसंपर्क और खान मंत्री पटनम महेंद्र रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का शासन तेलंगाना के खिलाड़ियों के लिए एक स्वर्ण युग है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार बड़े पैमाने पर खेलों को प्रोत्साहित कर रही है। पहले तेलुगु भारतीय अंतरराष्ट्रीय ओपन वॉटर तैराक गोली श्यामला ने सोमवार को यहां मंत्री महेंद्र रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। 3 सितंबर को, श्यामला ने कोलकाता में भागीरथ नदी में केवल 13 घंटे में 81 किलोमीटर की दूरी तय की। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, मंत्री महेंद्र रेड्डी ने श्यामला को शॉल से सम्मानित किया और उन्हें दुर्लभ चरण हासिल करने के लिए बधाई दी।

मंत्री ने श्यामला को 13:43 घंटे में तलाईमन्नार (श्रीलंका) से धनुषकोटि (भारत) तक तैरकर हिंद महासागर में विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए भी बधाई दी। इसके अलावा उन्होंने दुनिया के सबसे खतरनाक चैनल को भी 20 घंटे में 36 किमी तक तैरकर पार किया। मंत्री महेंद्र रेड्डी ने कहा कि पहली तेलुगु महिला के रूप में श्यामला ने भारत के साथ-साथ तेलंगाना का गौरव दुनिया भर में फैलाया है और उनकी उपलब्धियां पूरे देश के लिए गर्व का क्षण हैं।

मतदाता पंजीकरण, आपत्तियां और सुधार 19 तक : चुनाव अधिकारी

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि दूसरे विशेष सारांश पुनरीक्षण 2023 कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, मतदाता पंजीकरण, आपत्तियों और सुधार के लिए आवेदन 19 सितंबर से पहले किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का ड्राफ्ट जारी होने के बाद ईसीआई की वेबसाइट https://voters.eci.gov.in/ से वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड करके चेक कर लेना चाहिए कि आपका नाम वोटर लिस्ट में पहले स्थान पर है या नहीं। यदि मतदाता सूची में नाम नहीं है, तो ईसीआई, वेबसाइट या ऊपर उल्लिखित मतदाता हेल्प लाइन के माध्यम से पुनः पंजीकरण कराया जाना चाहिए।

टास्कफोर्स के अधिकारियों ने 10 क्विंटल पीडीएस चावल जब्त किया

कुमरम भीम आसिफाबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गरीबों को मिलने वाला राशन का चावल की कालाबाजारी हो रही है। टास्कफोर्स पुलिस ने टमाटर ब्रांड और जेएसआर ब्रांड से संबंधित चावल की बोरियों को पकड़ा, जो दूसरों से कम दर पर खरीदे गए थे और पीडीएस चावल के विभिन्न ब्रांडों से संबंधित थे। कोमुरामभीम आसिफाबाद जिले के एसपी से मिली जानकारी के अनुसार आईपीएस सुरेश कुमार के निर्देश पर टास्कफोर्स के अधिकारियों ने जैनुर में पीडीएस चावल के अवैध रूप से किराना दुकान में ले जाने की तैयारी की सूचना के आधार पर जांच की। टास्कफोर्स सीआई राणा प्रताप ने बताया कि अशोक (पुत्र शंकर) की किराणा दुकान में टमाटर ब्रांड और जेएसआर ब्रांड के नाम पर बेचने के लिए तैयार विभिन्न कंपनियों के 10 क्विंटल पीडीएस चावल को जैनुर थाने ले जाया गया और एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस कार्य में टास्कफोर्स सीआई राणा प्रताप, एसआई संदीप कुमार, टास्क फोर्स स्टाफ पीसी मधु, रमेश, संजीव ने भाग लिया।

सीएस ने बंदरों के आतंक से निपटने के उपायों पर चर्चा की

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने सोमवार को यहां सचिवालय में अंतर विभागीय और अंतर एजेंसी समन्वय बैठक की अध्यक्षता की। राज्य में फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले बंदरों के खतरे को नियंत्रित करने के लिए एक शमन योजना विकसित करने के लिए उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए रणनीति बनाने के उपायों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञ समिति के सदस्य बंदरों के खतरे को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपाय लेकर आए। बैठक में पीसीसीएफ आरएम डोबरियाल, विशेष मुख्य सचिव एमएयूडी अरविंद कुमार, विशेष मुख्य सचिव पशुपालन आधार सिन्हा, सचिव कृषि रघुनंदन राव, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

होटल स्टाफ के हमले से ग्राहक की मौत

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा पुलिस सीमा के तहत एक होटल में बिरयानी खाने गए एक ग्राहक पर होटल के कर्मचारियों ने जानलेवा हमला किया। हमले के दौरान लगी चोटों के कारण पीड़ित ने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, हाथापाई तब हुई जब होटल में बिरयानी खाने गए लियाकत ने अतिरिक्त दही मांगा, लेकिन होटल स्टाफ ने उन पर अंधाधुंध हमला कर दिया। सूचना मिलने पर पंजागुट्टा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की मौजूदगी में ग्राहक पर हमला किया गया। पुलिस ग्राहक और होटल के स्टाफ को थाने ले गई। पुलिस स्टेशन में बात करते समय लियाकत दम घुटने के कारण बेहोश हो गया। पुलिस उन्हें डेक्कन अस्पताल ले गई जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मृतक चंद्रायनगुट्टा इलाके का रहने वाला है।

करंट लगने से व्यक्ति की मौत

खम्मम, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सतुपल्ली मंडल के भीमावरम गांव में सोमवार को एक व्यक्ति की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक ए वेंकटेश्वर राव (28) को अपने आवास पर अपनी मां को बिजली के झटके से बचाने के दौरान बिजली का झटका लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

एससीआर ने शुरू किया 'रेल कोच रेस्तरां'

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल यात्रियों को अद्वितीय अनुभव प्रदान करने के लिए एक और कदम आगे बढ़ाते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे ने अपनी एक अनूठी पहल को हैदराबाद व सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में एक और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन पर दोहराया है। इसके एक हिस्से के रूप में, एससीआर के सिकंदराबाद डिवीजन ने भोजन प्रेमियों को एक अनोखा भोजन माहौल प्रदान करके उन्हें नया अनुभव प्रदान करते हुए नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन के परिसर में एक "रेल कोच रेस्तरां" शुरू किया है। काचीगुडा स्टेशन परिसर में पहले "रेस्तरां ऑन व्हील्स" शुरू होने के बाद यह तेलंगाना रेलवे स्टेशन पर दूसरा ऐसा कोच रेस्तरां है। नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन जुड़वां शहरों के उपनगरीय नेटवर्क में सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है, जहां रेलवे स्टेशन के आसपास बहुत सारे पिकनिक स्पॉट हैं। स्टेशन पर प्रतिदिन अच्छी संख्या में पर्यटक आते हैं। जुड़वां शहर के भोजन प्रेमियों को एक अद्वितीय भोजन अनुभव प्रदान करने के लिए, नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन को कोच रेस्तरां की अवधारणा के साथ स्थापित करने के लिए चुना गया है। तदनुसार, यात्रियों को एक अद्वितीय भोजन अनुभव प्रदान करने के लिए एक अप्रयुक्त कोच को आधुनिक और सौंदर्यपूर्ण आंतरिक सज्जा के साथ पूरी तरह से नवीनीकृत किया गया है। सर्कुलेटिंग एरिया में खाली जगह पर मल्टी कुजीन रेस्तरां खोला गया है, जिससे रेल यात्रियों के साथ-साथ आम जनता को भी भोजन का अवसर मिलेगा। मल्टी-कुजीन रेस्तरां ग्राहकों को डाइन-इन और टेक अवे दोनों सुविधाएं प्रदान करता है। हैदराबाद में लोकप्रिय स्थानों में से एक के पास स्थित, यह कोच रेस्तरां पहल अपने उपयोगकर्ताओं को अविस्मरणीय भोजन अनुभव के साथ-साथ पुरानी यादों और गैस्ट्रोनॉमी का एक अनूठा मिश्रण प्रदान करती है। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने एक अप्रयुक्त कोच का उपयोग करके अनूठी पहल शुरू करने के लिए सिकंदराबाद मंडल की सराहना की। उन्होंने रेल उपयोगकर्ताओं और आम जनता से रेलवे द्वारा की जा रही नवीन पहल का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए सुविधा का लाभ उठाने की अपील की।

कलेक्टर ने अधिकारियों को फसल ऋण स्वीकृत करने में तेजी लाने के निर्देश दिये

महबूबाबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर के शशांक ने सोमवार को अधिकारियों को किसानों को ऋण देने में तेजी लाने का निर्देश दिया. वह आईडीओसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित डीसीसी और डीएलआरसी की बैठक में बोल रहे थे। कलेक्टर ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन किसानों का ऋण माफ हो गया है, उन्हें नया ऋण दिया जाये। उन्होंने कहा कि कृषि और बैंक अधिकारी समन्वय से काम करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी पात्र किसानों को जल्द से जल्द फसल ऋण मिले। बैठक में एलडीएम सत्यनारायणमूर्ति, एससी कॉर्पोरेशन बलाराजू, पीडी डीआरडीओ सन्यासैया, डीटीडीओ येरैया, डीएचएसओ सूर्यनारायण, डीवीएचओ सुधाकर, उद्योग जीएम, आरबीआई एजीएम और नाबार्ड एजीएम ने भाग लिया।

योग्य लाभार्थियों को दलित बंधु का लाभ देने की मांग

दलित नेताओं ने किया प्रदर्शन, सरपंच व विधायक पर लगाया आरोप

मदनूर, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय दलित नेताओं के नेतृत्व में 100% प्रतिशत दलित बंधु की मांग को लेकर दलित वाडा से लेकर ग्राम पंचायत कार्यालय तक दलितों ने विरोध रैली निकाली। इस समय दलित नेता नागेश ने बताया कि दलित निर्वाचन क्षेत्र में दलितों के साथ अन्याय हो रहा है। विस क्षेत्र में दलितों को दलित बंधु का लाभ नहीं मिलने से दलित आंदोलन करने उतर गये है। दलित बन्धु केवल वास्तविक लाभार्थियों को छोड़कर स्थानीय सरपंच व विधायक के कहने पर बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं का चयन किया जा रहा है। इसके साथ-साथ एक समिति का गठन भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना सरकार से दलित नेताओं की मांग है कि सभी पार्टियों के दलितों को हर एक गांव में 100% दलित बंधु का लाभ देना चाहिए, वरना आने वाले दिनों में दलित संघों के द्वारा बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जायेगा।

शादनगर में पकड़े गए मादक पदार्थ तस्कर

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने सोमवार को शादनगर के पास मोकिला में ड्रग तस्करों के तीन सदस्यीय गिरोह को पकड़ा। पुलिस ने उनसे 51 ग्राम कोकीन, 44 ग्राम वजन की एक्स्टसी गोलियां, क्रिस्टल के रूप में आठ ग्राम एमडीएमए, पांच मोबाइल फोन और तीन कारें और 97,500 रुपये नकद रुपये जब्त किए।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में लिंगमपल्ली अनुराधा (34), गचीबावली निवासी और मंचेरियल के मूल निवासी, सानिकोमु प्रभाकर रेड्डी (38), गचीबोवली निवासी और प्रकाशम (एपी) के मूल निवासी और वेंकट शिव साई कुमार (33), जुबली हिल्स निवासी व आंध्र प्रदेश के गुंटूर के मूल निवासी हैं। डीसीपी (राजेंद्रनगर) जगदीश्वर रेड्डी के मुताबिक, तीनों नशे के आदी हैं और नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं। गाचीबोवली में रहने के दौरान अनुराधा को गोवा के एक ड्रग तस्कर से संपर्क हुआ और उसने उससे ड्रग खरीदना शुरू कर दिया। उसने डीएलएफ गाचीबावली में टिफिन सेंटर चलाने वाले प्रभाकर रेड्डी के माध्यम से अपने दोस्तों को इसकी आपूर्ति की। जैसे-जैसे कारोबार बढ़ता गया, प्रभाकर और अनुराधा ने मिलकर गोवा से ड्रग्स खरीदना और शहर में अपने संपर्कों को इसकी आपूर्ति करना शुरू कर दिया। साई कुमार भी उनसे ड्रग्स खरीद रहा था और अपने संपर्कों को आपूर्ति कर रहा था। सूचना पर पुलिस ने उन्हें मोकिला ओआरआर में उस समय पकड़ लिया जब वे मादक पदार्थ लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ड्रग्स जब्त कर लिया और उनके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मोकिला पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

सोने की तस्करी के आरोप में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने सोमवार को आरजीआई हवाई अड्डे, शमशाबाद के माध्यम से देश में सोने की तस्करी करने वाले कड़पा के तीन लोगों को पकड़ा और उनके पास से 621 ग्राम सोना जब्त किया। डीसीपी स्पेशल ने कहा, शेख चंद बाशा (50), शेख अबुबगारी सादिक (25) और मोहम्मद मुन्ना बाशा (29), तीनों कड़पा के मूल निवासी है और हवाई अड्डे के कार पार्किंग क्षेत्र में सोना ले जा रहे थे, जब उन्हें पकड़ा गया। तीनों सऊदी अरब से शहर पहुंचे और सीमा शुल्क अधिकारियों को चकमा देकर सोना निकालने में कामयाब रहे। विशेष सूचना पर इन्हें पकड़ लिया गया। पुलिस ने सोने की चूड़ियाँ और सोने की चेन और रुपये की शुद्ध नकदी जब्त की।

सीएम गिरी विकास योजना : पोडु भूमि को उपजाऊ भूमि में बदलने की पहल

वारंगल, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण कदम में राज्य सरकार आदिवासी समुदाय के लाभ के लिए 'सीएम गिरी विकास' योजना के माध्यम से पोडु भूमि को खेती के लिए उपजाऊ मैदान में बदलने जा रही है। गिरि विकास योजना, राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य राज्य भर में अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के बीच सतत कृषि विकास को बढ़ावा देना है। सरकार ने तत्कालीन वारंगल जिले के 38 अलग-अलग मंडलों में 37,987 आदिवासियों को पट्टे (स्वामित्व पत्र) वितरित किए, जिसमें 1,02,256 एकड़ पोडु भूमि का विशाल विस्तार शामिल है। इस परिवर्तन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए, आईटीडीए को एक व्यापक सर्वेक्षण करने का काम सौंपा गया है। सभी संबंधित विभागों द्वारा गहन सत्यापन के बाद बजट अनुमान तैयार किया जाएगा।

विशेष रूप से, सरकार ने रैतु बंधु योजना का लाभ पोडु भूमि तक भी बढ़ा दिया है। चूंकि उनमें से अधिकांश सूखी फसलों की खेती तक ही सीमित हैं, इसलिए सरकार गिरी विकासम योजना के तहत भूमि को समतल करने, बिजली की आपूर्ति करने और बोर-वेल और मोटर स्थापित करके सिंचाई प्रदान करने के लिए निर्णायक कदम उठा रही है। आईटीडीए (एटुनगरम) परियोजना अधिकारी अंकित ने कहा कि गिरि विकासम योजना के तहत, हमने बिजली और पानी की सुविधाओं की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक क्षेत्र-स्तरीय सर्वेक्षण शुरू किया है। हम प्रति समूह तीन से दस एकड़ तक के किसानों के समूह बना रहे हैं, और एक बार जब सभी विभाग व्यवहार्यता की पुष्टि कर देंगे, तो बिजली, मोटर और भूमि विकास के लिए धन आवंटित किया जाएगा।

इस मिशन के अनुसरण में, पीओ ने हाल ही में मुलुगु और जयशंकर भूपालपल्ली जिलों के गांवों में तीन चरण की बिजली आपूर्ति सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का आकलन करने के लिए एक टेलीकांफ्रेंस आयोजित की। इस आकलन के बाद अधिकारी तेजी से कार्रवाई में जुट गए हैं। इससे पहले, आईटीडीए ने ब्लॉक दर ब्लॉक अनुत्पादक कृषि भूमि की पहचान की थी और बोरवेल, ट्यूबवेल और विद्युतीकरण में 18.92 करोड़ रुपये की पर्याप्त राशि का निवेश किया था, जिससे पूर्व वारंगल जिले में 2,623 व्यक्तियों को लाभ हुआ था।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

सात्विक सुमन

माता : प्रियंका सुमन
पिता : सौरभ सुमन

चुनावी मोड में नीतीश..2 दिन में 850 नेताओं संग बैठक

आज जिलाध्यक्षों, प्रमंडल प्रभारियों से मिलेंगे; आरजेडी की बैठक का दूसरा दिन

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार अपने पार्टी नेताओं के साथ सीएम हाउस में आज से दो दिवसीय महामंथन करेंगे। इस दौरान वे पार्टी के प्रमंडल प्रभारियों, जिला अध्यक्षों और प्रखंड अध्यक्षों समेत संगठन के 850 नेताओं के साथ बैठक करेंगे। पहले दिन सीएम पार्टी के 51 संगठन जिलों के जिला अध्यक्षों और प्रमंडल प्रभारियों के साथ बैठक करेंगे।

18 सितंबर से शुरू हो रहे लोकसभा के विशेष सत्र से पहले सीएम नीतीश कुमार की इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। सियासी गलियारों में इसे लेकर अलग-अलग चर्चाएं हैं। कुछ इसे लोकसभा चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने के लिए सीएम का प्लान तो कुछ चुनाव से पहले सीएम का ग्राउंड जीरो से फीडबैक मीटिंग बता रहे हैं। जेडीयू सूत्रों की माने तो इस दो दिवसीय मीटिंग में सीएम अपने नेताओं को लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियों के मोर्चे पर दिशा-निर्देश देंगे।

इससे पहले जून-जुलाई के दौरान नीतीश कुमार पार्टी के सांसदों और विधायकों से भी वन टू वन मुलाकात कर चुके हैं। तब इसे फीडबैक मीटिंग बताया गया था। सीएम ने विधायकों से न केवल जमीनी हकीकत की

जानकारी ली थी। बल्कि ज्यादा से ज्यादा फील्ड में रहने की सलाह दी थी।

नीतीश कुमार से पहले डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने अपने विधायकों और पार्टी नेताओं के साथ बैठक की।

नीतीश कुमार से पहले डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने अपने विधायकों और पार्टी नेताओं के साथ बैठक की।

आरजेडी की बैठक का दूसरा दिन

लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल संगठन की बैठक दूसरे दिन भी होने जा रही है। बैठक तेजस्वी यादव के सरकारी आवास में होने वाली है। सोमवार को दक्षिणी बिहार के संगठन से जुड़ी बैठक है। पहले दिन यानी कल उत्तरी बिहार की बैठक थी।

आज भागलपुर, मुंगेर, मगध, पटना कमिश्नरी के संगठन की बैठक है। इसमें पार्टी के विधायक, मंत्री, पूर्व प्रत्याशी आदि शामिल हो रहे हैं। चुनाव की तैयारी को लेकर संगठन किसी तरह से कमजोर नहीं हो इसको लेकर बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की बड़ी तैयारी चल रही है। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने रविवार को राजद विधायकों, विधान पार्षदों, पूर्व प्रत्याशियों और जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की।

उन्होंने विधायकों को स्पष्ट हिदायत दी कि किसी भी सूरत में विधायक जिला अध्यक्षों को इग्नोर न करें। साथ ही उन्होंने सभी विधायकों को अल्टीमेटम दिया है कि कभी भी चुनाव की घोषणा हो सकती है, इसलिए अभी से ही कमर कस लें। साथ ही जिलाध्यक्षों से जल्द बूथ लेवल कमेटी बनाने का निर्देश भी दिया है।

कल की मीटिंग में तेजस्वी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा है।

नीतीश कुमार लगातार से समय से पहले चुनाव की कर रहे हैं बात

सीएम नीतीश कुमार कई मौके पर बोल चुके हैं कि लोकसभा चुनाव की घोषणा कभी भी हो सकता है। इसलिए वे कार्यकर्ताओं को अभी से ही तैयार रहने की हिदायत दे रहे हैं। सीएम की इस मीटिंग को इससे भी जोड़कर देखा जा रहा है।

पीएम मोदी का जन्म पिछड़ा वर्ग में नहीं हुआ

ललन बोले–सीएम बनने के बाद किया पिछड़ा वर्ग में शामिल बीजेपी ने बताया छोटा–मुंह बड़ी बात

नालंदा,11 सितंबर (एजेंसियां)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जाति पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि जो देश के प्रधानमंत्री हैं, वह कई बार अति पिछड़ा बन जाते हैं। गुजरात में तो अति पिछड़ा वर्ग ही नहीं है। वहां पिछड़ा वर्ग है। जिस समाज और जाति में उन्होंने जन्म लिया, उस समय वह पिछड़ा वर्ग नहीं था। जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने तो उस जाति को पिछड़ा वर्ग में शामिल कर दिया।

बीजेपी ने ललन सिंह के बयान पर निशाना साधा है। बीजेपी विधायक पवन जायसवाल ने कहा कि ललन सिंह तिलमिलाकर बयान देते हैं। उनका नीतीश जी के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं। उनका बुरा लगा होगा नीतीश जी के दिल्ली दौरे को लेकर। किसकी जाति क्या है उसे ललन सिंह तय करेंगे। ये छोटा-मुंह बड़ी बात कर रहे हैं।

ललन सिंह रविवार को जदयू सम्मान समारोह के भोज कार्यक्रम में नालंदा पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि आज जो बिहार में काम हुआ है, उसका अनुकरण देश के कई राज्य कर रहे हैं। बिहार पहला राज्य है, जहां 20% अति पिछड़े लोगों को पंचायती राज व्यवस्था में लाने का काम किया। इसका अनुकरण कई राज्यों ने किया। कई राज्यों में तो अति पिछड़ा वर्ग ही नहीं है। प्रधानमंत्री के रेलवे स्टेशनों पर चाय बेचने वाली बात पर चुटकी देते हुए ललन सिंह ने कहा कि वे बताएं कि किस स्टेशन पर चाय बेचते थे। उन्होंने आज तक बताया कि वे किस स्टेशन पर चाय बेचते थे।

ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री देश नहीं चला रहे, बल्कि ड्रामा कर रहे हैं। हम लोगों को अपने नेता नीतीश कुमार पर गर्व करना चाहिए। आज तक उन पर कोई दाग नहीं लगा है। लोग सम्मान के साथ नीतीश कुमार का नाम लेते हैं। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी समाज में धार्मिक उन्माद फैला रही है। समाज को धर्म के नाम पर बांट कर वोट लेना चाह रही है।

लखनऊ में बीजेपी –एमएलसी ट्रैक्टर में बैठकर घर से निकले

12 घंटे में 93.9 एमएम बारिश, सड़कें तालाब बनीं पीजीआई में घुसा पानी; हेल्पलाइन नंबर जारी

कानपुर,11 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में लौटता मानसून जमकर बरस रहा है। लखनऊ में 14 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। कभी तेज-कभी रिमझिम। शहर के पॉश इलाके की सड़कों में 2-3 फीट तक पानी भर गया। ज्यादातर कालोनियों में पानी घरों में घुस गया। मुख्य सड़कों पर जलभराव के कारण भीषण जाम है। कैब सर्विस का सिस्टम ध्वस्त हो गया। लोग अपने घरों में कैद हो गए। लखनऊ में 93.9 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। भीषण बारिश का अंदाजा इसी से लगाइए कि वीआईपी भी अछूते नहीं रहे। बीजेपी एमएलसी पवन चौहान के घर के बाहर भी जलभराव हुआ। उन्हें ट्रैक्टर पर जाना पड़ा। पूर्व मंत्री मोती सिंह के घर में भी पानी भर गया है। लखनऊ के विराम खंड 5 में मोती सिंह का आवास पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह भी पहुंचे थे।लखनऊ के अलावा, कानपुर में रविवार से बारिश का दौर जारी है। यहां ब्रह्म स्टील चौराहे के पास जलभराव में एक व्यक्ति की लाश मिली है। आशंका है कि जलभराव में डूबने से मौत हुई है। मुरादाबाद में रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया। लखनऊ के अलावा मुरादाबाद और बाराबंकी में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, मिर्जापुर में नवोदय विद्यालय कैंपस में बिजली गिरने से 7 बच्चे बेहोश हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बारिश के चलते इटावा में नेशनल हाईवे धंस गया। यहां 8 बड़े स्लैब समेत मिट्टी सर्विस रोड पर गिर गई। भारी बारिश से सीतापुर रोड तरुण मार्केट की दीवार गिर गई।

मौसम विभाग ने सोमवार को लखनऊ, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर समेत 31 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अभी 7 दिन तक ऐसी ही बरसात होगी।

घोसी उपचुनाव में जीत पर शिवपाल बोले

राजभर और संजय निषाद को बहरूपिया समझें

लखनऊ, 11 सितंबर (एजेंसियां)। घोसी उपचुनाव में जीत के बाद सपा नेता शिवपाल का पहला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद को बहरूपिया समझे। उनके बारे में तो पूरा प्रदेश जानता है। उनके प्रचार करने से सपा को ज्यादा वोट मिला है।

शिवपाल सिंह ने कहा कि वह हमारे लिए स्टार प्रचारक हैं। उन्होंने एनडीए के लिए प्रचार किया तो सपा को ज्यादा वोट मिला।हमने तो विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी से अपील की थी कि राजभर को मंत्री बना दीजिए नहीं तो वो फिर हमारी तरफ आ जाएंगे।

घोसी में जब हम चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे तो लोग सपा के लोग वोट देना चाहते थे। लेकिन प्रशासन और सरकार ने उन पर दबाव डाला। जिसके बाद पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उन्हें प्रचार शुरू करने के लिए कहा। कार्यकर्ताओं ने प्रचार किया और जीत हासिल की। हम अपने गठबंधन को मजबूत करेंगे। 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे और इसे भी मैनपुरी और घोसी की तरह जीतेंगे।

40 मंजिल से लिफ्ट गिरी..बिहार के 4 मजदूरों की मौत

समस्तीपुर,11 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में रविवार शाम को एक निर्माणाधीन इमारत में 40वीं मंजिल से कंस्ट्रक्शन लिफ्ट गिर गई। हादसे में लिफ्ट में सवार 7 मजदूरों की मौत हो गई। इसमें 4 मजदूर बिहार के समस्तीपुर के हैं।

हादसे के बाद परिवारों को कॉल कर ठेकेदार ने इसकी जानकारी दी। मृतकों में 2 तो पहली बार काम करने के लिए घर से बाहर निकले थे। मौत की खबर लगते ही परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। सीएम नीतीश ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिवार को 2-2 लाख के मुआवजे का ऐलान किया है।

सभी मजदूर विभूतिपुर थाना क्षेत्र के टभका गांव के रहने वाले थे। हादसे में किशनपुर टभका वार्ड-10 के उमेश दास के बेटे सुनील कुमार दास(35) की मौत हुई है। होरिल दास के बेटे रूपेश कुमार दास(23), योगेंद्र दास के बेटे कारी दास(35) और धनपत दास के बेटे मंजेश चौपाल(35) की भी इस हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आज सभी के शव घर लाए जाएंगे।

बाथरूम गई शिक्षिका, चाबी चुराकर 55 छात्राएं फरार

जमुई के कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में 22 वापस लौटीं; खाना नहीं देने का लगाया आरोप

जमुई,11 सितंबर (एजेंसियां)। जमुई के एक हॉस्टल से शनिवार को 55 छात्राएं फरार हो गई। हॉस्टल के वार्डन की अहले सुबह नींद खुली तो देखा हॉस्टल में एक भी छात्रा मौजूद नहीं थी। हॉस्टल का गेट भी खुला था। बताया जा रहा है कि ये सभी छात्रा हॉस्टल से भागकर घर चली गई थी। इस घटना के बाद हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, खोजबीन कर तीन छात्राओं को सोनो चौक से वापस हॉस्टल लाया गया। इधर, शिक्षक और वॉर्डन ने छात्राओं के परिजनों से संपर्क किया। सभी छात्राओं से हॉस्टल वापस आने के लिए कहा गया। जिसके बाद अबतक 22 छात्राएं वापस आ गई। घटना सोनो प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका हॉस्टल की है।

जो छात्रा वापस आ गई है उसने भागने के पीछे कई सारे कारण बताए। छात्राओं का हॉस्टल पर खाना नहीं देने का आरोप लगाया है। सभी लड़कियां 9-10 की छात्राएं हैं। इनमें ज्यादातर चकाई प्रखंड की हैं।

रात में खाना नहीं मिला तो भाग गई

हॉस्टल लौटने वाली छात्राओं का आरोप है कि जब तक हम लोग खाना बनाने में सहयोग नहीं करते हैं, तब तक खाना नहीं बनता और न ही हम लोगों को खाना मिलता है। सोनाली कुमारी और खुशबू कुमारी ने बताया कि शनिवार दोपहर से खाना नहीं मिला। रात में तो खाना मिलता ही नहीं है। हम लोग भूखे थे, इसलिए अपने घर चले गए।

छात्रा ने बताया कि हॉस्टल में इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही है। यहां पर रसोइया मौजूद होने के बावजूद रात को खाना नहीं मिलता है। समय पर खाना नहीं मिलने के कारण सुबह क्लास जाने में भी देरी होती है। देर से क्लास जाने पर टीचर से डांट पड़ती है। छात्राओं ने बताया कि वार्डन दो दिन से छुट्टी पर गईं हैं। हम लोग अभी गुड्डी मैम की देखरेख में हैं। छात्राओं ने आरोप ने लगाया कि हॉस्टल की फीस भी 1600 की जगह हम लोगों से 2200 रुपए लिए गए हैं। फिर भी व्यवस्था सही नहीं रहती। इसलिए हम सभी बिना बताए एक साथ छात्रावास से निकलीं और अपने-अपने घर चले गए।

हॉस्टल वापस लौटी प्रियंका कुमारी ने पूरी घटना के बारे में बताया। उसने कहा कि रात के दो बज रहे थे। मैम बाथरूम के लिए गई थी। उसी दौरान हमलोगों ने गेट की चाबी चुराई और हॉस्टल की सभी लड़कियां एक साथ भाग गईं। छात्रा ने बताया कि गेट पर गार्ड नहीं था। वो अपने कमरे में सोया था। गार्ड के सही से ड्यूटी भी नहीं करता है।

नाइट गार्ड अविनाश कुमार ने बताया कि 3.30 सुबह आंख लग गई। उसके बाद लड़कियां अंदर से चाबी लेकर ताला खोल कर निकल गईं। इसके बाद तीन लड़कियों को बाहर से पकड़ कर लाए।

शादी के बाद ब्वॉयफ्रेंड से चैटिंग कर रही थी दुल्हन

मुरादाबाद में पति ने रंगे हाथ पकड़ा, मोबाइल छीना मायके वालों से पति और सास-ससुर को पिटवाया

मुरादाबाद,11 सितंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में एक नवविवाहिता अपने ब्वॉयफ्रेंड से इंस्टाग्राम पर चैटिंग करते हुए पकड़ी गई। शादी के 10 दिन बाद ही पति ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। दुल्हन के फोन में ब्वॉयफ्रेंड के साथ हुई चैटिंग पकड़ने के बाद पति ने उसका मोबाइल फोन लेकर अपने पास रख लिया।

इससे खफा दुल्हन ने अपने भाई और मायके वालों को बुलाकर पति और सास-ससुर की पिटाई करा दी। इसके बाद पति और ससुराल वालों पर दहेज मांगने का आरोप लगाते हुए अमरोहा देहात थाने में एफआईआर लिखा दी। इसमें ननदोई पर छेड़खानी का भी आरोप लगाया है। लुटे-पिटे पति ने पत्नी की इंस्टाग्राम चैटिंग के साथ पुलिस से शिकायत की। उसने फोन पर अपने साले द्वारा दी गई धमकी का ऑडियो भी पुलिस को सौंपा है। जिसके बाद पुलिस ने दुल्हन और उसके मायके वालों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में FIR दर्ज कर ली है।

ब्वॉयफ्रेंड से इंस्टाग्राम पर चैटिंग कर रही थी पत्नी

घटना मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र में एक कॉलोनी की है। एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करने वाले युवक की शादी कुछ वक्त पहले अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली युवती से हुई थी। युवती का शादी के पहले से ही किसी युवक के साथ अफेयर था।

युवती शादी के बाद भी उससे बातें करती थी। इसी दौरान पति ने इंस्टाग्राम पर उसकी चैटिंग पकड़ ली। इसके बाद से ही मामला तूल पकड़ता चला गया। युवती की पोल खुली तो उसने ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगा दिया।

युवक का कहना है कि उसने पत्नी को समझाने की बहुत कोशिश की थी। लेकिन उसने अपने पूर्व ब्वॉयफ्रेंड से बात करना बंद नहीं किया। उल्टा पोल खुलने के बाद दहेज उत्पीड़न और छेड़खानी के झूठे आरोप लगाकर मुकदमा लिखा दिया। इसके बाद भी उसके मायके वाले आए दिन घर में घुस जाते हैं और मारपीट करते हैं। युवक ने बताया कि उसकी ससुराल वालों ने तीन दिन पहले उसके घर में घुसकर उसके वृद्ध मां-बाप को बुरी तरह लात घूसों से पीटा। इसके अलावा उसकी मां के साथ बदसलूकी की।

माथे पर तिलकहाथ में कलावा इसलिए सीने में गोली मारी

आईएसआईएस के 2 आतंकियों ने बंदूक टेस्टिंग के लिए प्रिंसिपल को मार डाला था, सजा का ऐलान आज

कानपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर शहर से 10 किलोमीटर दूर पड़ता है- विष्णुपुरी इलाका। यहां रहने वाले रमेश बाबू शुक्ला को लोग उनके नाम से कम 'मास्टर साहब' से ज्यादा जानते थे। रमेश जाजमऊ के आत्म प्रकाश ब्रह्मचारी जूनियर हाईस्कूल के प्रिंसिपल थे। काम से इतनी दिलचस्पी रखते कि रिटायरमेंट के बाद भी वह बच्चों को रोज पढ़ाने कॉलेज पहुंच जाते।

24 अक्टूबर 2016...शाम का वक्त। रमेश छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे। वह अभी स्कूल से करीब 500 मीटर दूर ही पहुंचे होंगे कि सामने 2 लड़के खड़े दिखते हैं। वह अचानक साइकिल के आगे आ गए। रमेश हड़बड़ाकर साइकिल रोक देते हैं। वह कुछ समझ पाते इसके पहले ही दोनों ने पिस्टल निकाली रमेश के सीने में एक के बाद एक दो गोलियां दाग दीं। रमेश जमीन पर गिरे और तड़पने लगे। कुछ देर बाद उनकी सांस थम गई।

गोली की तेज आवाज सुनकर वहां मौजूद लोग रमेश की तरफ भागे। लेकिन तब तक हमलावर वहां से फरार हो चुके थे। उधर, खून से लथपथ रमेश को किसी तरह पास के कांशीराम हॉस्पिटल पहुंचाया गया। जहां इलाज से पहले ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सरेआम एक रिटायर्ड टीचर की मौत के बाद 7 महीने तक पुलिस हत्यारों को खोजती रही। कुछ पता नहीं चला। हत्या के 200 दिन बाद एनआईए यानी नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया- 'रमेश बाबू को मारने वाले कोई आम अपराधी नहीं बल्कि आईएसआईएस के आतंकी आतिफ मुजफ्फर और मोहम्मद फैसल हैं।' 4 सितंबर 2023 को एटीएस और एनआईए की विशेष अदालत ने रमेश बाबू की हत्या के मामले में आतंकी आतिफ और फैसल को दोषी करार दिया है। आज सजा का ऐलान होना है। दोनों को सजा-ए-मौत मिलनी लगभग तय है। चलिए इस दर्दनाक हत्याकांड के पुराने पन्नों को पलटते हैं...

देश के सबसे बड़े गोल्ड लूटकांड के आरोपी की हत्या

हाजीपुर,11 सितंबर (एजेंसियां)। हाजीपुर में देश के सबसे बड़े गोल्ड लूट केस के आरोपी युसूफ कौशल उर्फ हनी राज की हत्या कर दी गई। गैंगवार में बदमाशों ने हनी राज का पीछा कर उसे ताबड़तोड़ 7 गोलियां मारी गईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

वीडियो में दिख रहा है कि हनी राज पैदल जा रहा था, तभी दो बाइक से 4 बदमाश पहुंचते हैं। उनके हाथ में गन है। उन्हें देखते ही वो भागता है, बाइक छोड़कर अपराधी उसका पीछा करते हैं। बदमाशों ने आरएन कॉलेज के सामने उस पर फायरिंग कर देते हैं।

बाग दुल्हन निवासी नियाज कौशल का बेटा युसूफ कौशल उर्फ हनी राज 55 किलो गोल्ड लूट केस में आरोपी था। वह 6 महीने पहले ही जेल से छूट कर घर आया था। हनी राज की बहन ने बताया कि उसने फोन कर कहा था कि घर आ रहा हूं, खाना खाने के लिए। लेकिन वो नहीं आया। बाद में उसके दोस्त पवन का कॉल आया।

उसने बताया कि तुम्हारे भाई को गोली लगी है। परिजन ने दोस्त पर हत्या का आरोप लगाया है।

नवादा में प्रेमी की जमकर पिटाई...हाथ पर मारा चाकू

45 किलोमीटर दूरी तय कर प्रेमिका से मिलने पहुंचा था, रास्ते में ही हो गई धुनाई

नवादा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नवादा में प्रेमिका से मिलने के लिए पहुंचे प्रेमी की जमकर पिटाई की गई। घायल अवस्था में आपातकालीन सेवा की पुलिस ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया। बिहार शरीफ से नवादा आए एक युवक के साथ जमकर मारपीट की गई है। भगाने के दौरान युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराकर इलाज कराया है। यहां घायल युवक की पहचान बिहार शरीफ के रहने वाले संजीव कुमार के रूप में की गई है। वहीं पुलिस ने संजीव को इलाज करने के बाद नवादा के नगर थाना के हवाले कर दिया है। संजीव कुमार ने बताया कि नवादा हम अपने प्रेमिका से मिलने के लिए पहुंचे थे। लेकिन जैसे ही संकट मोचन के पास ई रिक्शा से उतरे, इस दौरान मेरे साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। हमें कुछ समझ में नहीं आया।

सोनिया अख्तर का मामला पीएम मोदी तक पहुंचा

वकील एपी सिंह बोले- बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना ने मोदी को सौंपा सोनिया का पत्र

नोएडा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने वीडियो जारी करके दावा किया कि सोनिया अख्तर का मामला पीएम मोदी तक पहुंच गया है। बांग्लादेश से बेटे को पिता का हक दिलाने नोएडा आई सोनिया अख्तर को न्याय की आस जगी है। उनके वकील एपी सिंह के मुताबिक, जी-20 में शामिल होने आई बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोनिया का पत्र पीएम मोदी को सौंपा है। इसके साथ ही सोनिया को न्याय दिलाने की अपील की है।

एपी सिंह ने एक वीडियो जारी किया है। इसमें वह सोनिया के साथ बैठे हुए नजर आ रहे हैं। इसमें वह कह रहे हैं कि जी-20 में एक महत्वपूर्ण मामले पर संज्ञान लिया गया। बांग्लादेश से आईं प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेशी उच्चायोग के माध्यम से सोनिया अख्तर का प्रार्थना पत्र दिया गया। इस पर संज्ञान लेते हुए शेख हसीना ने पीएम मोदी को पत्र सौंपा है।

पत्र में लिखा है कि ₹सोनिया अख्तर अपने पति सौरभकांत तिवारी को पाने के लिए 16 महीने के बेटे के साथ भटक रही हैं। लेकिन सौरभकांत इन्हें अपनाने को तैयार नहीं है।

सोनिया अख्तर से सौरभकांत तिवारी ने बांग्लादेश में साल 2021 में धर्मांतरण के बाद निकाह किया था।

सुप्रीम कोर्ट की महिला वकील का कत्ल

हत्या के बाद 24 घंटे तक स्टोर रूम में छिपा रहा पति, कोठी में ऐसा था मंजर

नोएडा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे नोएडा के सेक्टर 30 स्थित डी-40 कोठी में सुप्रीम कोर्ट की महिला वकील की लाश मिलने के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने आरोपी पति को पकड़ लिया है। आरोपी ने पूछताछ में चौंकने वाला खुलासा किया है। आरोपी हत्या के बाद कोठी के स्टोर रूम में छिपकर बैठा था। करीब 24 घंटे तक वहीं छिपा रहा। पुलिस ने देर रात तीन बजे उसे वहां से निकाला और हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो मामले का खुलासा हुआ। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की 61 वर्षीय महिला वकील रेणु सिन्हा का शव रविवार शाम नोएडा स्थित घर के बाथरूम में संदिग्ध हालात में मिला। उनके सिर पर चोट के निशान मिले थे। भाई की सूचना पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

भाई ने आशंका जताते हुए पुलिस को शिकायत दी थी कि रेणु की हत्या उसके पति ने की है। घटना के बाद से ही पति नितिन नाथ सिन्हा फरार हो गया था। बिहार के पटना की रहने वाली रेणु पति के साथ सेक्टर 30 में रहती थीं। वह कैंसर से पीड़ित थीं। उनका बेटा अमेरिका में रहता है। रेणु दो दिन से भाई का फोन नहीं उठा रही थी। तब भाई ने कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर घर के अंदर घुसी। वॉशरूम में वकील का खून से लथपथ शव पड़ा हुआ था। पुलिस ने भी शुरुआती जांच में ज्यादा खून बहने से मौत होने की आशंका जताई थी। वहीं, परिजनों ने भी रेणु के पति पर हत्या का आरोप लगाया था।

पुलिस जांच में पता चला है कि घर में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर नहीं था। आशंका है, वारदात के बाद नितिन डीवीआर निकालकर ले गया। पुलिस अब कोठी के आसपास लगे कैमरों की फुटेज देख रही है। बता दें कि नोएडा के सेक्टर-30 निवासी वकील रेणू सिन्हा (61) के दो दिन से फोन नहीं उठाने पर भाई को अनहोनी की आशंका हुई। रविवार को उन्होंने पुलिस को सूचना दी। रेणू के भाई के सामने पुलिस दरवाजा तोड़कर घर में घुसी तो वॉशरूम में महिला का शव मिला। पुलिस ने इसका वीडियो भी बनाया है। प्राथमिक जांच में लग रहा है कि वॉशरूम में धक्का दिया गया था। रेणू सेक्टर के डी ब्लॉक स्थित कोठी में पति नितिन नाथ सिन्हा के साथ रहती थीं। अमेरिका में रहने वाला उनका बेटा साल में एक से दो बार भारत आता है। दो दिन से फोन नहीं उठने के बाद रेणू के भाई उनके घर पहुंच गए। घर में ताला लगा था और लाइट जल रही थी। अनहोनी की आशंका जताते हुए उन्होंने पुलिस को सूचना दी। रेणू के भाई का आरोप है कि उनका जीजा नितिन बहन को परेशान करता था। उन्होंने जीजा पर ही हत्या की आशंका जताई है।

पति-पत्नी में रहता था मनमुटाव

पुलिस को पड़ोसियों से पता चला कि पति-पत्नी में मनमुटाव रहता था। कई बार झगड़े हुए हैं। अमेरिका से आने पर बेटा पिता से बात नहीं करता था। पड़ोसियों के मुताबिक, घर में दोनों अलग-अलग रहते थे। घटना के बाद से पति का भी कुछ पता नहीं है।शव एक से दो दिन पुराना होने की बात कही जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। रेणू के भाई ने पुलिस को बताया कि जब उसने जीजा को कॉल की तो उसने खुद को लोदी रोड, दिल्ली में होने की बात कही। इसके बाद से उसका नंबर बंद आ रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना परिवार के लोगों और उनके बेटे को दी गई है। बेटा यूएसए से नोएडा आने की तैयारी में है। महिला कैंसर से पीड़ित थीं।

ममता बनर्जी ने मंत्रिमंडल में किया फेरबदल

बाबुल सुप्रियो का विभाग बदला; केंद्र सरकार को चेतावनी भी दी

कोलकाता, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ने मंत्रिमंडल में फेरबदल कर दिया है। उन्होंने बाबुल सुप्रियो का विभाग बदल दिया है। बाबुल को पर्यटन विभाग से हटाकर आईटी और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक अन्य गायक-राजनेता और तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग के राज्य मंत्री इंद्रनील सेन को पर्यटन विभाग का स्वतंत्र प्रभार दिया गया है।

वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को सार्वजनिक उद्यम और औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। दुबई और स्पेन की यात्रा पर रवाना होने की पूर्व संध्या पर ममता बनर्जी ने यह फेरबदल किया। इससे पहले ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर बदले की राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर महात्मा गांधी की जयंती पर राजघाट पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति दी गई तो उनकी पार्टी के लोग राजघाट पर प्रार्थना करेंगे। ममता ने कहा कि केंद्र को बंगाल की बकाया मनरेगा राशि जारी करनी चाहिए, यह बेहद गरीब लोगों को दी जानी है। उन्होंने भतीजे और टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से भेजे गए समन की भी निंदा की और इसे एक युवा नेता को डराने-धमकाने की कोशिश बताया। अपनी विदेश यात्रा पर ममता ने कहा कि मैं 5 साल बाद विदेश जा रही हूं। पहले विदेश यात्रा के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई थी, जबकि मेरे पास कई निमंत्रण थे। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी भी बदले की राजनीति से प्रेरित प्रतीत होती है। 13 सितंबर को ईडी के सामने पेश होंगे अभिषेक

अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को बताया कि वह केंद्रीय एजेंसी के समन पर 13 सितंबर को ईडी के सामने पेश होंगे। उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी ने पूछताछ के लिए 13 सितंबर को पेश होने के लिए नोटिस दिया था।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा बोले : पार्टी में कलह नहीं, मैं हूं सीएम पद का दावेदार

करनाल, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा यहां आयोजित जन मिलन समारोह में शामिल हुए. मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कई मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी. इसके साथ ही हुड्डा ने सीएम पद के लिए अपनी दावेदारी भी जताई. मुख्यमंत्री पद के कांग्रेस के उम्मीदवार के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि 'हां मैं कांग्रेस के लिए मुख्यमंत्री के लिए प्रबल दावेदार हूं.' लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर उनका उत्तर था कि 'लड़ूंगा तो पता चल जाएगा, नहीं लड़ूंगा तो भी पता चल जाएगा, मैं हाइपोथेटिकल स्वालों के जवाब नहीं देता।'

ऑब्जर्वर मीटिंग के दौरान लगाए गए नारों को लेकर भी उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधा. 'बापू बेटे की नहीं चलेगी' नारे पर जब हुड्डा से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि शरारती तत्व हैं, जो ये नारा लगा रहे हैं. कांग्रेस की गुटबाजी, रणदीप सिंह सुरजेवाला और कुमारी शैलजा के मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक है, कोई कलह नहीं है, कांग्रेस के नेता हैं वो इसलिए मिल लिए. शमशेर सिंह गोगी के बयान पर हुड्डा ने कहा कि उदयभान आएंगे तो गोगी से बात कर लेंगे. उल्लेखनीय है कि गोगी ने कहा था उदयभान प्रदेश अध्यक्ष की हैसियत से काम नहीं करते हैं. उन्होंने कहा कि 8 अक्टूबर को जींद में जन मिलन समारोह है, उसके बाद हर विधानसभा में जाएंगे और कार्यक्रम करेंगे।

हरियाणा सरकार सिर्फ घोषणा करती है

हरियाणा सरकार के कामकाज को लेकर उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार विफल है. सरकार की परफॉर्मेंस जीरो है. यह सरकार काम नहीं करती, सिर्फ घोषणा करती है. इंडिया शब्द पर चल रहे बवाल पर अपनी राय रखी और कहा कि संविधान में लिखा हुआ है इंडिया. बीजेपी और जेजेपी के गठबंधन पर कहा कि ये स्वार्थ का गठबंधन है, अलग अलग बयान आते हैं उनके, नीतियों का गठबंधन नहीं है. वहीं हरियाणा को फिर से नंबर 1 बनाने की बात की।

टिप्पर खाई में गिरा, तीन मजदूरों की मौत और पांच घायल

रोहड़ू, 11 सितंबर (एजेंसियां)। शिमला जिले के रोहड़ू उपमंडल के चिड़गांव में एक टिप्पर के खाई में गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हैं। हादसा रविवार शाम खशधार में हुआ। मृतक व घायल लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार के पास काम करने वाले मजूदर हैं। ये सभी नेपाली मूल के हैं। मृतकों की शिनाख्त जय बहादुर (48), दिल बहादुर (36) और चालक दिनेश बहादुर (19) के रूप में हुई है। इनमें जय बहादुर और दिल बहादुर की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हुई जबकि चालक दिनेश बहादुर ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ये सभी काम निपटाकर टिप्पर (एचपी 63-7198) में सवार होकर अपने निवास स्थानों को जा रहे थे कि खशधार में चालक ने नियंत्रण खो दिया और टिप्पर खाई में लुढ़क गया।

राज्य में बढ़ रहे तेजी से डेंगू के मामले

एक ही शहर में चार हजार से अधिक केस; सीएम ने दिए निर्देश

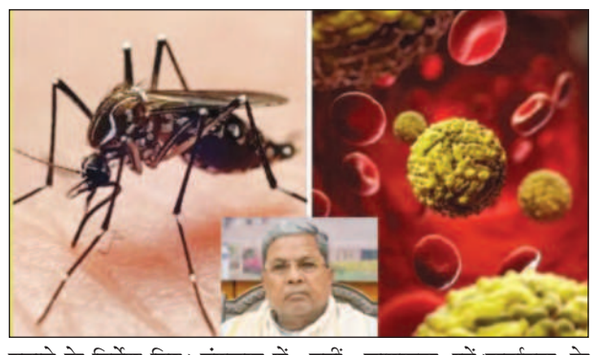

बैंगलूरू, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में लगातार डेंगू के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इन पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार ने अब कमर कस ली। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अधिकारियों को पानी से जनित बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लोगों से आग्रह किया है कि सभी अपने आसपास स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

सीएम ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि पिछले कुछ दिनों में राज्य भर में सात हजार से अधिक डेंगू के मामले सामने आए हैं। इनमें से चार हजार से अधिक मामले अकेले बंगलूरू शहर से थे। सिद्धारमैया ने कहा कि डेंगू के तेजी से फैलने के बारे में संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात की। उन्हें सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। बंगलूरू में मच्छरों पर नियंत्रण के लिए दवाओं के छिड़काव, पानी जमा होने वाले स्थानों की पहचान करने और उन्हें साफ करने सहित प्रभावी उपाय अपनाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं जनता से अनुरोध करता हूं कि वे घर के आसपास साफ-सफाई को प्राथमिकता दें और मच्छरों के काटने से सावधान रहें। डेंगू से डरें नहीं, जागरूक रहें।कर्नाटक के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने शुक्रवार को डेंगू की प्रभावी निगरानी और रोकथाम के लिए एक रोग निगरानी डैशबोर्ड और एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया। डैशबोर्ड, एक रोग पूर्वानुमान सॉफ्टवेयर, नीति निर्माताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों को तैयारी में सहायता करने और प्रकोप व रोग नियंत्रण गतिविधियों के प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग, बंगलूरु नगर निगम और भारतीय विज्ञान संस्थान में एआई और रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी पार्क के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। अधिकारियों ने कहा था कि फिलहाल, डैशबोर्ड और मोबाइल एप दोनों डेंगू पर केंद्रित हैं। हालांकि, इसका उद्देश्य भविष्य में अतिरिक्त बीमारियों का विस्तार करना है। अधिकारियों ने कहा कि डैशबोर्ड तक अभी तक केवल स्वास्थ्य कार्यकर्ता और स्वास्थ्य अधिकारी ही पहुंच सकते हैं और जल्द ही इसे जनता के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, मोबाइल एप भी डैशबोर्ड से जुड़ा हुआ एप्लिकेशन है, लेकिन यह स्वतंत्र रूप से कार्य करता है। अभी तक, मोबाइल एप को बीबीएमपी क्षेत्राधिकार में संचालित किया गया है।

मुंबई में 40वीं मंजिल से कंस्ट्रक्शन लिफ्ट गिरी

7 मजदूरों की मौत-केबल टूटने से हादसा होने की आशंका

मुंबई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में रविवार शाम को एक निर्माणाधीन इमारत में 40वीं मंजिल से कंस्ट्रक्शन लिफ्ट गिर गई। हादसे में लिफ्ट में सवार 7 मजदूरों की मौत हो गई। ठाणे म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन की डिजास्टर मैनेजमेंट सेल के प्रमुख यसीन तड़वी ने बताया कि सभी मजदूर वॉटर प्रूफिंग का काम करने के बाद 40वीं मंजिल पर लिफ्ट में घुसे। तभी लिफ्ट अचानक से टूट गई और अंडरग्राउंड पार्किंग में आकर गिरी।

माना जा रहा है कि लिफ्ट की केबल के टूटने के चलते यह हादसा हुआ। ये एक आम लिफ्ट नहीं, बल्कि कंस्ट्रक्शन लिफ्ट थी। ऐसी लिफ्ट का इस्तेमाल बिल्डिंग के बनने के दौरान किया जाता है।

लिफ्ट कैसे खराब हुई, इसका पता लगाया जाएगा

हादसे की सूचना मिलने के बाद रीजनल डिजास्टर मैनेजमेंट सेल और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बेसमेंट पार्किंग से मजदूरों को बाहर निकाला। यसीन तड़वी ने बताया कि लिफ्ट कैसे खराब हुई, इसका पता लगाया जाएगा। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान महेंद्र चौपाल (32), रूपेश कुमार दास (21), हारुन शेख (47), मिथलेश विश्वकर्मा (35), कारी दास (38) और नवीन विश्वकर्मा के रूप में हुई है। सातवें मृतक की पहचान अभी नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

डीएसपीई कानून के प्रावधान को रद्द करने का फैसला पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगा

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि संयुक्त सचिव और उससे ऊपर के पद के अधिकारियों को गिरफ्तारी से छूट देने वाले दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (डीएसपीई) अधिनियम, 1946 के एक प्रावधान को रद्द करने का उसका 2014 का आदेश पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगा।

धारा 6ए(1) को करार दिया था अमान्य

उच्चतम न्यायालय ने मई 2014 को दिए अपने फैसले में कानून की धारा 6ए(1) को अमान्य करार दिया था, जिसके तहत भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत किए ऐसे किसी भी कथित अपराध की जांच के लिए केंद्र की अनुमति की आवश्यकता होती है, जिसमें संयुक्त सचिव तथा उससे ऊपर के पद के केंद्र सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ आरोप हो।

पांच सदस्यीय पीठ का फैसला

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस मामले पर अपना फैसला दिया कि क्या गिरफ्तारी से छूट देने वाले प्रावधान को रद्द करने का संविधान के अनुच्छेद 20 के तहत संरक्षित अधिकारों के मद्देनजर पूर्वव्यापी प्रभाव पड़ेगा।संविधान का अनुच्छेद 20 अपराधों की दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण देता है। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति ए एस ओका, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी भी शामिल रहे। पीठ ने कहा कि सुब्रमण्यम स्वामी के मामले में संविधान पीठ द्वारा (मई 2014 में) दिया फैसला पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगा। डीएसपीई कानून की धारा 6(ए) को इसे सम्मिलित किए जाने की तारीख से लागू नहीं माना जाएगा जो कि 11 सितंबर 2003 है।

21 करोड़ रुपये कीमत की 2.5 किलो हेरोइन जब्त, तीन गिरफ्तार

गुवाहटी, 11 सितंबर (एजेंसियां)। गुवाहटी के बाहरी इलाके में पुलिस ने तीन लोगों को उनके आवास से 21 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त करने के बाद गिरफ्तार किया है। एक खुफिया सूचना मिलने के बाद पुलिस ने रविवार की रात आरोपियों के पास से 2.527 किलो नशीला पदार्थ जब्त किया।

आरोपियों ने नशीला पदार्थ 198 साबुन के डिब्बों के अंदर छिपाया था, जिसे पुलिस ने जोराबाट क्षेत्र में जब्त किया। गिरफ्तार किया गया आरोपी मणिपुर का रहने वाला है। पिछले दो दिनों में पुलिस द्वारा नशीली पदर्थों की यह दूसरी सबसे बड़ी जब्ती है। पुलिस द्वारा इन दो दिनों में दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की हेरोइन से भरी 21 साबुन के डिब्बे बरामद किया गया है।

'कोटा फुलप्रूफ हो, हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेंगे'

सर्वदलीय बैठक से पहले सीएम का बड़ा बयान

मुंबई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इन दिनों मराठा कोटा को लेकर सियासत तेज है। इस बीच, आज सरकार ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए मुंबई में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक से पहले सीएम एकनाथ शिंदे ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार मराठा समुदाय को कोटा देना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि ये कोटा फुलप्रूफ होगा और कानूनी जांच में खरा उतरेगा।

हालांकि, सरकार इसे लेकर जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि सरकार किसी को धोखा नहीं देना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार को यह बताना है कि मराठा समुदाय सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा है। साथ ही यह आम सहमति भी बनानी है कि इससे अन्य समुदायों का कोटा प्रभावित नहीं होगा। इस दौरान सीएम से सर्वदलीय बैठक के बारे में भी सवाल किए गए। इन सवालों के बारे में पूछे जाने के बारे में सीएम शिंदे ने कहा कि मराठा आरक्षण की मांग एक सामाजिक मुद्दा है, न कि राजनीतिक। मुझे उम्मीद है कि विपक्षी दल कुछ सुझाव देंगे और इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने से बचेंगे।

तमिलनाडु में भीषण सड़क हादसा

7 महिलाओं की मौत, लॉरी में वैन ने मारी टक्कर

तिरुपत्तूर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुपत्तूर जिले में सोमवार सुबह एक लॉरी ने सड़क पर खड़ी एक वैन को पीछे से टक्कर मार दी, जिसके बाद वैन कम से कम सात महिलाओं को कुचलने के बाद पलट गई. हादसे में सातों महिलाओं की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. ये महिलाएं कर्नाटक से लौट रही थीं.

पुलिस ने बताया कि हादसे के वक्त ये महिलाएं सड़क किनारे बैठी थीं. हादसे में 13 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें स्थानीय सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, घायल हुए लोग वेल्लोर जिले में अंबुर के निकट ओनांगुट्टई गांव के उस समूह का हिस्सा थे, जो आठ सितंबर को कर्नाटक के धर्मशाला की यात्रा पर गया था. पीड़ित दो वैन में घर लौट रहे थे, तभी बेंगलुरु-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर नटरामपल्ली में एक वाहन का टायर फट गया, जिससे यात्री बीच मार्ग में फंस गए.

उन्होंने कहा, 'पर्यटकों को उतरने के लिए कहने के बाद वैन चालक मरम्मत कार्य में जुट गया था. तभी अचानक बेंगलुरु से आ रही एक तेज रफ्तार लॉरी ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी और टक्कर के कारण वैन सात महिलाओं को कुचलते हुए पलट गई.' पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान मीरा, देइवानई, सीताम्मल उर्फ सेल्वी, देवकी, सावित्री, कलावती और गीतांजलि के रूप में की गई है. वैन से यात्रा करने वाले 10 लोग और लॉरी में सवार तीन लोग घायल हुए हैं और उन्हें तिरुपत्तूर एवं वानियमबाडी सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. नटरामपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करते हुए प्रत्येक प्रभावित परिवार को एक-एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की. उन्होंने एक बयान में कहा कि घायलों के इलाज के लिए मुख्यमंत्री जन राहत कोष से 50-50 हजार रुपये का भुगतान किया जाएगा.

चप्पलों के अंदर छिपाकर ला रहा था सोने की ईंट त्रिची एयरपोर्ट पर पकड़ा गया यात्री

चेन्नई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडू के त्रिची एयरपोर्ट पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने 10 सितंबर को सिंगापुर से वापस आने वाले एक यात्री के पास से सोने की ईंट जब्त की है। यात्री अपने चप्पल के भीतर 24कैरेट शुद्धता वाली 209 ग्राम सोने को छिपाकर ले जा रहा था। इसकी कीमत लगभग 12.50 लाख रुपये होगी। खुफिया जानकारी के आधार पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने यात्री के पास से सोने की ईंट जब्त की।

दोहा की विमान में सवार होने वाले यात्री के पास मिला विदेशी मुद्रा

दोहा की उड़ान में सवार होने वाले यात्री सलमान सुल्तान खान के पास जांच के दौरान सऊदी अरब, अमेरिक मुद्रा पाई गई। यात्री के पास से कुल 21450 सऊदी रियाल और 8100 यूएस डॉलर सहित कुल 11.44 लाख रुपये बरामद किया गया। सीआईएसएफ के जवान ने बताया कि यात्री को आरजीआईए कस्टम को सौंप दिया गया है।

डिवाइडर से टकराने के बाद कार में लगी आग, दो भाइयों की मौत

मुंबई, 11 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में सोमवार की सुबह एक कार में आग लगने की वजह से दो भाईयों की मौत हो गई तो वहीं तीन अन्य लोग इस घटना में घायल हो गए हैं। यह घटना सुबह के चार बजे मतुंगा इलाके में बीए रोड के पास घटी। कार में सवार यात्री पार्टी करने के बाद बाहर घूमने निकले थे, तभी उनकी सीएनजी कार डिवाइडर से टकरा गई, जिसके बाद तुरंत कार में आग लग गई। इस दौरान यात्रियों को कार से बाहर निकलने का समय नहीं मिल पाया। कुछ स्थानीय लोगों दमकल विभाग को इस घटना की जानकारी दी। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

उत्तराखंड में एक बार फिर मानसूनी बारिश का दौर, येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी

देहरादून, 11 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में एक बार फिर मानसूनी बारिश का दौर जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक फिलहाल बारिश से राहत के आसार नहीं है। प्रदेश में अगले 72 घंटे भारी बारिश को लेकर येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक. सोमवार 11 सितंबर को पहाड़ से लेकर मैदान तक भारी बारिश की संभावना है जिसको लेकर मौसम विभाग ने राज्य के सभी 13 जनपदों में गरज चमक के साथ वर्षा के तीव्र से अति तीव्र दौर की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक प्रदेश के देहरादून, चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर, टिहरी, पौड़ी, बागेश्वर, चमोली, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी, हरिद्वार और बागेश्वर जिले में कहीं कहीं तेज गर्जन के साथ मूसलाधार बारिश की संभावना है जिसको लेकर इन जिलों में यलो अलर्ट जारी कर ऐतिहात बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी पूर्वानुमान के मुताबिक प्रदेश में अगले तीन-चार दिन मूसलाधार बारिश की संभावना है जिसको लेकर मौसम विभाग ने 14 सितंबर तक येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉक्टर विक्रम सिंह के मुताबिक राज्य में एक बार फिर मानसून की गतिविधियां तेज हुई हैं। उन्होंने बताया इस सप्ताह प्रदेश के अनेक हिस्सों में अच्छी बारिश देखने को मिलेगी। मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी एडवाइजरी के मुताबिक, अगले 72 घंटे लगातार बारिश के चलते संवेदनशील इलाकों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम भूस्खलन की संभावना है। निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। नदी-नालों का जलस्तर बढ़ सकता है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। वहीं, मौसम विज्ञान केंद्र के इस सप्ताह मानसून की एक्टिविटी तेज रहेगी संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक फिलहाल मानसून की विदाई सामान्य समय सितंबर अंत तक ही होने की उम्मीद है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 12 सितंबर- 2023

मोदी की मुरीद बनी पूरी दुनिया, माना विश्वगुरु

सुरेश गांधी

फिरहाल, भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है। इसी के साथ ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डीसिलल्वा को जी-20 की अध्यक्षता सौंप दी गयी और 'नई दिल्ली लीडर्स समिट डिक्लेरेशन' (नई दिल्ली घोषणापत्र) पर सहमति भी बन गयी। घोषणापत्र पर ना तो रूस यूक्रेन विवाद का साया पड़ा और ना ही चीन की पैंतरेबाजी काम आई। भारत रूस- यूक्रेन के विवादास्पद मुद्दे पर जी20 देशों के बीच एक अप्रत्याशित सहमति बनाने में कामयाब रहा, जिसमें ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं ने सफलता तक पहुंचने में अग्रणी भूमिका निभाई। जी-20 नेताओं ने इस सम्मेलन में कई गंभीर चुनौतियों पर चर्चा करने के बाद कई फैसले लिए। इसमें मिडिल ईस्ट यूरोप कनेक्टिविटी, कॉरिडोर लॉन्च और अफ्रीकी यूनियन की एंट्री पर मुहर लगी, तो वहीं दूसरे दिन भी ग्रुप में शामिल सभी देशों के बीच सबकी सहमित से इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर लॉन्च का सबसे बड़ा फायदा ये होगा कि इन्फ्रा डील से शिपिंग समय और लागत कम होगी, जिससे व्यापार सस्ता और तेज होगा। इसे चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना के विकल्प के रूप में पेश किया जा रहा है। इस कॉरिडोर का उद्देश्य संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, जॉर्डन और इजराइल से होते हुए भारत से यूरोप तक फैले रेलवे मार्गों और बंदरगाह लिंकेज को एकीकृत करना है। इस समिट की सबसे खास बात यह है कि इसके जरिए सनातन धर्म की जबरदस्त ब्रांडिंग की गयी है। नटराज की विशाल मूर्ति, कोणार्क और ननालंदा का झलक, कंट्री प्लेट पर 'इंडिया' नाम की बजाय भारत और साबरमती आश्रम की बैकग्राउंड में लगी तस्वीरे इस बात का संकेत है कि आने वाला दिन सनातन धर्म की ही है। रेल लिंक से भारत और यूरोप के बीच व्यापार करीब 40 फीसदी तक तेज हो सकता है। भारत के इस प्रस्ताव पर देशों की रजामंदी, चीन के लिए बड़े झटके से कम नहीं है। इस ऐलान से चीन के प्रोजेक्ट बीआरआई को तगड़ा झटका लगा है, जिसका भारत पहले से विरोध करता रहा है। खासकर ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस की लॉन्चिग से टिकाऊ बायोफ्यूल का इस्तेमाल बढ़ेगा। बायोफ्यूल पेड़-पौधों, अनाज, शैवाल, भूसी और फूड वेस्ट से बनने वाला ईंधन होता है और इसे कई तरह के मायोमास से निकाला जाता है। इसमें कार्बन की कम मात्रा होती है। अगर इसका इस्तेमाल बढ़ेगा तो दुनिया में पारंपरिक ईंधन पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम होगी और पर्यावरण प्रदूषण भी कम होगा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने 'वन अर्थ' पर जी20 समिट में पर्यावरण और जलवायु अवलोकन के लिए जी20 सैटेलाइट मिशन शुरू करने का भी प्रस्ताव रखा और नेताओं से ग्रीन क्रेडिट पहल पर काम शुरू करने का आग्रह किया। जो आने वाले दिनों में काफी फायदेमंद होने वाला है। इसके अलावा भारत ने अफ्रीकन यूनियन को जी-20 का स्थायी मेंबर बनाने का प्रस्ताव रखा था। जिसे बतौर अध्यक्ष सभी देशों की सहमति से पीएम मोदी द्वारा पारित किए जाने से अफ्रीका में चीन का प्रभाव बढ़ेगा। ऐसे में भारत का कदम अफ्रीकी महाद्वीप पर चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए काफी अहम होगा। अफ्रीका को देखे तो सबसे तेजी से विकास करने वाले 12 देशों में 6 अफ्रीका से है।

इसलिए, अगर दुनिया को उस तरफ बढ़ना है तो आपको उन्हें एक हिस्सा बनाने की जरूरत है। दूसरी ओर भारत और अफ्रीका के बीच व्यापार और शिक्षा से लेकर हेल्थ और तकनीकी तक सहयोग का एक लंबा इतिहास है। जी-20 में अफ्रीकी यूनियन को शामिल करने के समर्थन की पहल दोनों देशों के बीच इसी साझेदारी का प्रतीक भी है। भारत और अमेरिका के बीच 6जी टेक्नोलॉजी को डेवलप करने पर भी सहमति बनी है। इसके लिए जो अलायंस और एमओयू तैयार हुआ है, वह सिर्फ टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट करने पर ही नहीं, बल्कि उसकी सप्लाई चेन विकसित करने पर भी केंद्रित है। ये चीन के कनेक्टिविटी डिवाइस सेक्टर में बाहुबल को कम करेगा। अभी 5जी के मामले में चीन का दुनिया के बाजार में दबदबा है। यह अपनी तरह का पहला आर्थिक गलियारा होगा, इसमें भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका को शामिल किया गया है। इस कॉरिडोर के जरिए शिपिंग और रेलवे लिंक समेत कनेक्टिविटी और बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर एक ऐतिहासिक पहल की गई है। कहा जा सकता है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जी20 सम्मेलन की मेजबानी कामयाबी की नई कहानी गढ़ रहा है। यह मोदी की जादू का ही कमाल है कि पूरी दुनिया इस सुपर आयोजन के लिए भारत को विश्व गुरु के रुप में देख रही है। मोदी की सफल कूटनीति का ही परिणाम हे कि चीन के कॉरिडोर का चैप्टर क्लोज हो गया। जी20 मीटिंग के दौरान नई दिल्ली घोषणापत्र में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस चर्चित बयान को भी जगह दी गई है जिसमें उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिर पुतिन से कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। भारत की इसे बड़ी कूटनीतिक जीत इसलिए भी मानी जा रही है क्योंकि घोषणा पत्र में धरती, यहां के लोग, शांति, समृद्धि वाले खंड में चार बार यूक्रेन युद्ध की चर्चा की गई लेकिन रूस के नाम का एक बार भी उल्लेख नहीं किया गया फिर भी भारत ने इस पर आम सहमति बना ली। यहां यह जान लेना जरूरी है कि भारत-और रूस के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं और दोनो देशों में गहरी दोस्ती है।

विषम परिस्थितियों में रूस ने कई बार भारत की मदद भी की है। यह कॉरिडोर सीधे तौर पर चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को चुनौती देगा। इसके साथ ही आर्थिक गलियारे की मदद से एशिया, यूरोप और अफ्रीका को जोड़ा जाएगा और व्यापार और इन्फ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क को स्थापित किया जाएगा। इस कॉरिडोर की मदद से एशिया, यूरोप और अफ्रीका को जोड़ा जाएगा और व्यापार और इन्फ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क को स्थापित किया जाएगा। इस कॉरिडोर की मदद से अतिरिक्त एशियाई देशों को आकर्षित करने की कोशिश रहेगी। इससे क्षेत्र में मैन्यूफैक्चरिंग, फूड सिक्योरिटी और सप्लाई चेन को बढ़ावा मिलेगा। व्हाइट हाउस की तरफ से भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को लेकर एक फैक्ट लेटर में जानकारी दी गई। इसमें बताया कि कॉरिडोर के जरिए यूरोप, मिडिल ईस्टऔर एशिया के बीच रेलवे और समुद्री नेटवर्क स्थापित करना शामिल है। इस महत्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य कमर्शियल हब को कनेक्ट करना, क्लीन एनर्जी का विकास और एक्सपोर्ट का सपोर्ट करना, समुद्र के नीचे केबल बिछाना, एनर्जी ग्रिड और दूरसंचार लाइनों का विस्तार करना, क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना और कम्युनिटी के लिए इंटरनेट रीच बढ़ाना, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बैठक के दौरान यूक्रेन युद्ध के मामले में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और महासभा में अपनाए गए प्रस्तावों को दोहराया गया और कहा गया कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप ही काम करना चाहिए। इस घोषणा पत्र के जरिए रूस को संदेश दिया गया कि किसी भी देश की अखंडता, संप्रुभता का उल्लंघन और इसके लिए धमकी या बल के प्रयोग से बचना चाहिए। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी देना अस्वीकार्य है। बीते साल रूस द्वारा पश्चिमी देशों को परमाणु हमले की धमकी के संदर्भ में भी इस बयान को देखा जा रहा है। नई दिल्ली घोषणापत्र को इसलिए भी भारत की बड़ी जीत के तौर पर देखा जा रहा है कि राजधानी में आयोजित जी20 समिट में शुरुआत में यूक्रेन युद्ध और जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों को शामिल किए जाने पर रूस और चीन ने आपत्ति जताई थी।

गिरफ्तारी पर सियासत

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायुडू की अलसुबह हुई गिरफ्तारी के बाद राजनीति में तूफान खडा हो गया है। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि यह बदले की नीयत से की गई कार्रवाई है। फिरभी जब किसी तरह की अनियतता के मामले में कोई बडा नेता गिरफ्तार होता है तो लोगों में पता नहीं कहां से इतना भरोसा आ जाता है कि हो न हो इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। लेकिन बीते सालों में भ्रष्टाचार के मामलों में जितने भी राजनेताओं की गिरफ्तारी हुई उसे अक्सर सियासी रंग देकर सरकार को ही घेर लिया जाता है। ऐसे मामलों में पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ जाते हैं। जाहिर है, नेताओं के इस हरकत से भ्रष्टाचार को लेकर आम लोगों में भ्रम की स्थिति बनती है। नेताओं की इस तरह की राजनीति को लेकर भरोसेमंद लड़ाई को पलीता लग जाता है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को लेकर भी अब ऐसा ही माहौल बन गया है। विपक्षी पार्टियां सत्तारूढ़ दल पर बदले की भावना से काम करने का आरोप लगा रही हैं। जबकि तेलुगु देशम पार्टी के कार्यकर्ता इसके विरोध में आंदोलन पर उतर आए हैं। उन्होंने सोमवार को आंध्र प्रदेश बंद का आहवान करते हुए कई जगह सडक जाम की कोशिश भी की। सडकों पर टायर जलाकर रास्ता रोकने का प्रयास किया गया। बता दें कि चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास घोटाले के आरोप में वहां की सीआइडी की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि करीब सात साल पहले चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री रहते बेरोजगार युवाओं में कौशल विकास के लिए एक योजना शुरू की थी, जिसके लिए तीन हजार तीन सौ करोड़ रुपए की परियोजना तैयार की गई। यह काम एक निजी कंपनी को दिया गया, जिसे इसमें पैसे लगाने थे और कुल लागत का केवल दस फीसद राज्य सरकार को खर्च करना था। मगर कंपनी ने पैसे नहीं लगाए और सरकार ने फर्जी कंपनियों को करीब ढाई सौ करोड़ रुपए दे दिए। बता दें कि करीब दो साल पहले सीबीआइ ने इस मामले की जांच की थी, जिसमें पच्चीस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उसमें चंद्रबाबू नायडू का नाम नहीं था। लेकिन इस साल मार्च में जब जांच का जिम्मा सीआइडी को सौंपी गई तो उसने अपनी छानबीन में पाया कि इसमें गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और उनमें खुद चंद्रबाबू शामिल हैं। उसने चंद्रबाबू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। चूंकि सीआइडी राज्य सरकार के अधीन काम करती है, इसलिए विपक्षी दलों के लिए यह आरोप लगाना आसान हो गया है कि उसने राज्य सरकार के इशारे पर यह कार्रवाई की है। पिछले कुछ समय से चंद्रबाबू नायडू जगनमोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ जमकर विरोध कर रहे थे, इसलिए यह कहा जा रहा है कि उसी का बदला लेने की नीयत से राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। इस तरह से कौशल विकास घोटाला भी राजनीति की भेंट चढ़ता नजर आने लगा है। देखा जाए तो यह पहला मामला नहीं है, जब भ्रष्टाचार के खिलाफ हुई किसी कार्रवाई को सत्तापक्ष की बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता कर हकीकत पर परदा डालने का प्रयास किया जा रहा है। इसके पहले दिल्ली में शराब घोटाले, महाराष्ट्र में भूमि खरीद घोटाला, पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला आदि में भी राजनेताओं की गिरफ्तारियों और सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय आदि जांच एजेंसियों की अनेक नेताओं से पूछताछ को लेकर भी इसी तरह की सियासी सरगर्मी दिखती रही है। अब तो यह भी नहीं छुपा है कि सरकारें जांच एजेंसियों का अपने सियासी नफे-नुकसान की दृष्टि से दुरुपयोग करती रही हैं। बहुत सारे मामलों में यह स्पष्ट भी है। लेकिन हर मामले को सियासी रंग से खारिज कर देने से लोगों में भरोसा कमजोर होता है।

मानवीय संस्कृति के पुनरुत्थान का पर्व - पर्युषण

मुनि चैतन्य कुमार अमन

जैन परम्परा में अत्यन्त प्राचीन काल से पर्यूषण पर्व आध्यात्मिक अनुभूति कराने वाला महत्त्वपूर्ण पर्व है। प्रतिवर्ष आने वाला यह महापर्व सात्विक जीवन शैली के अभ्यास का पर्व है। मानवीय संस्कृति के पुनरुत्थान का पर्व है। मर्यादित, संस्कारित और जीवन पद्धतिको सुव्यवस्थित तथा मानवीय आचार संहिता के निर्माण का उत्प्रेरक पर्व है। मानवीय सद्गुणों का अर्जन, दिव्यता और भव्यता का सृजन तथा आत्मा के परिमार्जन का पर्व है। पर्वों का राजा कहलाने यह पर्वाधिराज चेतना के अभ्युदय का पर्व है। अलौकिक महिमा सम्पन्न संयम और क्षमा की भावना को पुष्ट करने वाला यह पर्व प्रकाश के अवतरण का पर्व है। आत्मावलोकन - आत्मालोचन मैत्री भाव के विकास, क्षमा का आदान-प्रदान कराने वाला, भूलों को सुधारने तथा प्रमादभाव से मुक्त करने वाला यह पर्व आत्मिक हिसाब-किताब मिलाने के लिए आता है। आध्यात्मिक उद्देश्य को लिए हुए यह पर्व मुर्च्छाजनित मानवीय स्वभाव में क्षमा, समता, संयम, करुणा, वत्सलता आदि का प्रवेश होना आवश्यक है। इसके आठ दिन त्याग-तपस्या, खाथ संगम, स्वाध्याय दिवस, सामाविक दिवस, जप दिवस ध्यान दिवस, अणुव्रत चेतना दिवस, मौन दिवस के रूप में आयोजित करके मनाए जाते है। इस अवसर पर उपवास आदि लम्बी-लम्बी तपस्या आदि निर्विघ्न रूप से सम्पादित कर कर्म निर्जरा की जाती है। साधु-साध्वियां के द्वारा प्रवचनो, कार्यक्रमों का आयोजन कर धर्मस्थानों में आकर श्रावक तथा श्राविकाओं को सम्बोधित करते है। इस अवसर पर धर्मस्थानों में आना अनिवार्य रूप से माना गया है। पर्युषण पर्व मानवीय मूल्यों का प्रायोगिक पर्व है। सहिष्णुता, कोमलता, सरलता, सौहार्द, स्नेहभाव को संचार करने वाला यह पर्व स्वयं में स्थिरता, भीतर मे रमण करने का इन्द्रियों पर नियंत्रण रखने का सन्देश देता है। सद्भाव और सौजन्य का निर्मित वातावरण परस्पर में वैमनस्य कटुता और शत्रुता के भावों को समाप्त कर व्यक्ति की वृत्तियों और संस्कारों को परिमार्जित करता है। पारीवारिक सामाजिक समस्याओं का समाधायक अपने ढंग से निराला पर्व है। भारतीय परम्परा में चलने वाले अनेक पर्व आमोद-प्रमोद तथा मनोरंजन के होते है किन्तु इस पर्व में त्याग भाव को बढ़ावा दिया गया है। दिगम्बर सम्प्रदाय में पर्युषण पर्व को दशलक्षण के रूप में मनाया जाता है जिसमें उत्तम क्षमा, आर्जव, मार्दव सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, अकिंचन- इन दश धर्मों की आराधना की जाती है। श्वेताम्बर समाज में अष्टदिवस के बाद क्षमापना तो दिसम्बर समाज में दस दिन के बाद क्षमावाणी के रूप में परस्पर वर्ष भर में जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए क्षमा याचना की जाती है। अपने अहंकार और आग्रह से मुक्त होकर बेझिझक अपनी गल्तियों को सुधारने का मौका यह पर्युषण पर्व देता है।

क्षमायाचना में सभी चौरासी लाख जीवायोनि से वैर भाव मिटाकर मैत्री भाव स्थापित की जाती है। क्षमा याचना करना और क्षमा प्रदान करना अन्तर आत्मा से जोड़कर विरोध भाव को शान्त-प्रशांत करने का एक अलभ्य अवसर है। नकारात्मक विचारों को समाप्त कर सकारात्मक सोच को विकसित करने से सफलता का शिखर नजदीक किया जा सकता है। अतः इस पर्युषण पर्व को आत्म चिंतन, आत्म मंथन, आत्मावलोकन कर मनाने से ही सार्थकता सिद्ध हो सकती है। पर्युषण पर्व की आराधना करना सहनशीलता की प्रेरणा देता है। एक मात्र सहनशीलता का भाव पुष्ट होने पर परिवार टूटने से बच सकते है। समाज के विवाद समाप्त हो सकते है और राष्ट्र में अमन चैन स्थापित हो सकता है। जो कि बहुत ही वांछनीय है। अपेक्षित ही नहीं अनिवार्य है। अतः सहन करो सफल बनो।

क्या भाजपा-जेडीएस का गठबंधन फायदेमंद रहेगा ?

अशोक भाटिया

इस समय देश में तीन दिन से G.20 की धूम मची हुई है । सभी अखबारें व टी वी चैनल उस धूम को अपने यहाँ कवरेज देने में लगे हुए है. ऐसे में ऐसा लगता है कि देश में राजनीतिक हलचल थम सी गई है पर ऐसा नहीं है. देश में राजनीतिक गतिविधियां जोर शोर से चालू है । अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जहां विपक्षी दल एक होकर भारतीय जनता पार्टी को घेरने की तैयारी में लगे हैं, वहीं भाजपा भी फिर से सत्ता में आने के लिए तमाम कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में कर्नाटक से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। चर्चा है कि इस बार लोकसभा चुनाव में जनता दल (एस) भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। चर्चा को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के उस बयान से और बल मिला है जिसमें उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (एस) के बीच 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए समझौता हो गया है हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह अंतिम नहीं है , इस पर आगे चर्चा की जाएगी और राज्यसभा सांसद लहर सिंह को इस मुद्दे पर बातचीत करने के लिए अधिकृत किया गया है। इससे पहले येदियुरप्पा ने कहा था कि जे. डी . एस . चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी और यह समझौता हमें 25 या 26 सीटें जीतने में मदद करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जेडीएस मांड्या, हसन, बेंगलुरु (ग्रामीण) और चिकबल्लापुर सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है हालांकि पिछले चुनाव में उसने सिर्फ हसन पर जीत दर्ज की थी। वहीं, भाजपा ने 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में अपने दम पर 25 सीटें जीतीं थीं। भारतीय जनता पार्टी जेडीएस के साथ गठबंधन इसलिए भी कर सकती है क्योंकि विधानसभा चुनाव में उसे यहां हार मिली है। इस नतीजों से पहले वह सत्ता में थी और लोकसभा चुनाव में भी उसने अच्छा प्रदर्शन किया था, पर पांच साल में समीकरण बदल गया है। हालांकि सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के कुछ नेता इस गठबंधन के पक्ष में नहीं हैं। इसकी वजह है जेडीएस का इस साल हुए विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन। इसके अलावा विपक्ष के गठबंधन इंडिया जिसमें कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, शिवसेना यूबीटी और कई अन्य शामिल हैं, उनके पास कुछ न कुछ वोट शेयर है। अगर वोटों के समीकरण को देखें तो जेडीएस और भाजपा का गठबंधन इसलिए भी खेल बदल सकता है क्योंकि कर्नाटक की आबादी में लिंगायत समुदाय लगभग 17 फीसदी है। बीएस येदियुरप्पा भी लिंगायत समुदाय से हैं। वोक्कालिगा समुदाय की संख्या करीब 15 फीसदी है। वोक्कालिगा परंपरागत रूप से जेडीएस का वोटर माना जाता है। जेडीएस प्रमुख एचडी देवगौड़ा वोक्कालिगा समुदाय से ही हैं। ऐसे में दोनों पार्टियों में गठबंधन होता है तो यहां एनडीए का वोटर बेस लगभग 32 प्रतिशत तक हो सकता है। गौरतलब है कि जेडीएस के विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक से दूर रहने के बाद ही यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह पार्टी लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ जा सकती है। भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य येदियुरप्पा का कहना है कि चुनावी तालमेल के तहत जद(एस) कर्नाटक में 28 संसदीय क्षेत्रों में से चार पर चुनाव लड़ेगी। उनका मानना है कि भाजपा और जेडीएस के बीच तालमेल होगा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जेडीएस को चार लोकसभा सीट देने के लिए राजी भी हो गए हैं।' येदियुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहना था कि इसने हमें काफी ताकत दी है और इससे साथ मिल कर हमें 25-26 लोकसभा सीट जीतने में मदद मिलेगी। इससे पहले जेडीएस प्रमुख देवेगौड़ा ने हाल में कहा था कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। भाजपा ने कर्नाटक में 2019 के लोकसभा चुनावों में 25 सीट पर जीत हासिल की थी, वहीं भाजपा समर्थित एक निर्दलीय उम्मीदवार ने एक सीट पर जीत हासिल की थी। कांग्रेस और जद(एस) ने एक-एक सीट पर जीत हासिल की थी। फिलहाल राज्य में भाजपा और जेडीएस के सियासी ताकत की बात करें तो जेडीएस के मुकाबले भाजपा काफी आगे दिखती है। राज्य में 28 लोकसभा सीटों में से सबसे ज्यादा 25 सीटें भाजपा के पास हैं। इसके अलावा एक-एक सांसद कांग्रेस-जेडीएस और एक जेडीएस समर्थक निर्दलीय सांसद है। जब कर्नाटक की बात आती है तो जेडीएस के साथ भाजपा के रिश्ते को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि एक साथ जाने से दोनों पार्टियों को मदद मिलेगी, दूसरों का कहना है कि भाजपा के लिए संभावित मामूली लाभ गठबंधन के लायक नहीं हो सकता है। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और जेडीएस के बीच गठबंधन की ओर इशारा किया जाता है, जब दोनों पार्टियां केवल एक-एक सीट ही जीत सकीं।अब भाजपा-जेडीएस गठबंधन पर बातचीत के साथ एक सवाल यह है कि क्या दोनों पार्टियां एक-दूसरे को वोट ट्रांसफर कर सकती हैं। हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 36 फीसदी और जेडीएस का 14 फीसदी था लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में अकेले भाजपा को 52 फीसदी वोट मिले थे। जेडीएस को जहां भाजपा की जरूरत है, वहीं इसको क्षेत्रीय पार्टी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में जेडीएस को साथ लेने के लिए भाजपा की ओर से गंभीर प्रयास भी किए जा रहे हैं। सतही तौर पर यह एक अच्छा समीकरण दिखता है लेकिन जमीनी स्तर पर कई बड़े मुद्दे हैं, जिन्हें सुलझाना बाकी है। लोकसभा चुनाव से पहले बीबीएमपी और जिला पंचायत चुनाव हैं। कोई भी गठजोड़ को इन दो चुनावों में कमाल दिखाना होगा और गठबंधन के काम करने के लिए दोनों पार्टियों के बीच की केमिस्ट्री भी होनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने सोमवार को यह दावा कर सबको चौका दिया है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले गिर जाएगी क्योंकि करीब 25 विधायक सत्तारूढ़ दल को छोड़ने के लिए तैयार हैं। बीजापुर (विजयपुरा) शहर से विधायक ने यह भी उम्मीद जताई कि भाजपा एक बार फिर से सत्ता में आएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां भीड़ को संबोधित करते हुए दावा किया था कि कांग्रेस कहती है कि उसने 135 सीटें जीती हैं लेकिन वे सो नहीं पा रही है।

भारत के वैभव और समृद्ध इतिहास का प्रदर्शन करता कोणार्क का चक्र

रामस्वरूप रावतसरे

भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित जी 20 समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहाँ सभी विदेशी राष्ट्राध्यक्षों का स्वागत किया, वहाँ पीछे ओडिशा में स्थित कोणार्क सूर्य मंदिर के चक्र की प्रतिमूर्ति बनी हुई थी। इसने सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया। असल में जी 20 के जरिए मोदी सरकार ने भारत की संस्कृति का भी प्रचार-प्रसार किया और उसके तहत ही ऐसा किया गया था। एक तरह से अब कोणार्क का चक्र, पहिया, अब वैश्विक हो गया है और इसे एक बड़ी पहचान मिली है, सम्मान मिला है। ओडिशा के कोणार्क में स्थित इस मंदिर को पूर्वी गंगवंश के राजा नरसिंहदेव ने 13वीं शताब्दी के मध्य में बनवाया था। इसे इसकी संरचना और कलाकृतियों के लिए जाना जाता है। 19वीं शताब्दी के इतिहासकार जेम्स फ़ग्र्यूशन ने कहा था कि जितने मंदिर शेष भारत में हैं, उससे ज्यादा अकेले ओडिशा में हैं। कोणार्क के सूर्य मंदिर के ऊपरी हिस्सा अब नहीं है, लेकिन फिर भी इसकी भव्यता कम नहीं हुई है। कोणार्क नाम के पीछे भी एक कारण है। जहाँ 'अर्क' का अर्थ सूर्य है, वहीं 'कोण' का मतलब अंग्रेजी वाला एंगल। यूरोप से आने वाले यात्रियों ने इस मंदिर को 'काला पैगोडा' कहा था। एशिया में बड़ी-बड़ी धार्मिक संरचनाओं को 'पैगोडा' कहा जाता था। कोणार्क में भव्य मंदिर भले ही बाद में बना हो, इसका महत्व पुराणों में भी वर्णित है। ब्रह्म पुराण में लिखा है कि कोणादित्य (कोणार्क) उत्कल (ओडिशा) में भगवान सूर्य के भक्तों के लिए एक पवित्र स्थल है। एक और कहानी है सूर्य उपासना की, जो भविष्य पुराण और साम्ब पुराण में वर्णित है। भगवान श्रीकृष्ण और जाम्बवती का एक बेटा था, साम्ब। भगवान श्रीकृष्ण की पत्नियाँ जब स्नान कर रही थीं, तब नारद जी के कहने पर साम्ब वहाँ पहुँच गया था। इस कारण श्रीकृष्ण ने उसे कुष्ठ रोग से ग्रसित होने का श्राप दिया। साम्ब ने स्वयं के निर्दोष होने की बात साबित की, लेकिन श्राप वापस नहीं लिया जा सकता था। अतः, उसे भगवान सूर्य की आराधना करने को कहा गया। सूर्य को चर्मरोग का हरण करने वाला माना जाता है। आज विज्ञान भी मानता है कि सूर्य के प्रकाश से चमड़े की कई बीमारियों में लाभ हो सकता है। साम्ब को मित्रवन में चंद्रभागा नदी के तट पर तपस्या करने के लिए कहा गया। 12 वर्षों के बाद सूर्यदेव की कृपा से जब उसकी बीमारी ठीक हुई, तब उसने सूर्य मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। हालाँकि, स्थानीय ब्राह्मणों के इनकार के बाद उसने शकद्वीप (ईरान/पर्शिया) से पारसी पुजारियों को लेकर आना पड़ा, जिसे मागी कहते हैं। भगवान सूर्य की तस्वीर में बूट्स देख सकते हैं आप यहाँ, जो मध्य एशियाई निर्माण कला का प्रभाव है। मध्य एशिया से प्रवासी यहाँ पहली शताब्दी में ही आए थे। साम्ब के तपस्या का जो स्थल है, उसे साम्बपुर के नाम से जाना गया। ये जगह अभी पाकिस्तान में स्थित मुल्तान में है। चंद्रभागा नदी, चेनाब का ही प्राचीन नाम था। वहीं कोणार्क में समुद्र द्वारा बनाया गया एक झील भी है, जिसे 'चंद्रभागा' नाम से जाना गया। जगन्नाथपुरी का इतिहास समेटे ओडिशा के प्राचीन ताड़पत्र वाले दस्तावेज 'मदल पंजी' में लिखा है कि राजा पुरंदर केसरी ने कोणार्क मंदिर बनवाया। केसरी वंश को हराने वाले गंग वंश ने भी कोणार्क देवता के सामने अपना सिर झुकाया। नरसिंहदेव (1238-64) ने यहाँ भव्य मंदिर बनवाया। 16वीं शताब्दी तक इस मंदिर की लोकप्रियता कई सीमाओं को पार कर चुकी थी। बंगाल के वैष्णव संत चैतन्य महाप्रभु भी यहाँ पहुँचे थे। वो पुरी भी तीर्थयात्रा के लिए गए थे। अकबर के दरबारी अबुल फ़ज़ल तक ने लिखा है कि कैसे ये इतना भव्य मंदिर है कि जो देखता है वो बस देखता ही रह जाता है। जेम्स फ़ग्र्यूशन ने शिखर की ऊँचाई 45.72 मीटर होने का अंदाज़ा लगाया था। मुख्य मंदिर की बात करें तो इसे एक विशाल रथ के रूप में बनवाया गया था, जिसमें 12 चक्के हैं। साथ ही इसमें 7 सजे-धजे घोड़ों को दौड़ते हुए दर्शाया गया है। मंदिर में कई कलाकृतियाँ हैं, जिनमें भगवान सूर्य और अन्य देवी-देवताओं के साथ-साथ नृत्यांगनाओं, पक्षियों और जानवरों तक को दिखाया गया है। शेर, हाथी और घोड़ों की मूर्तियाँ हैं दीवारों में। जिराफ, ऊँट, हिरन, बाघ, सूअर, बन्दर और बैल भी हैं। इन पहियों का बड़ा महत्व है। इस चक्र में 8 बाहरी और 8 भीतरी तीलियाँ हैं। 12 जोड़े पहिये साल के 12 महीनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। साथ ही 8 तीलियाँ दिन के 8 पहर को दिखाती हैं। सूर्य की स्थिति के हिसाब से समय बताने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता था। इसे ऐसे तैयार किया गया था कि सूर्य का प्रकाश भी इससे पास हो और जो छाया बनती थी, उसका इस्तेमाल समय देखने के रूप में किया जाता था। पृथ्वी, सूर्य और चन्द्रमा की गतियों को ध्यान में रखते हुए इसे बनाया गया था, एक 'नदकपंस' के रूप में।

इंडिया नहीं भारत कहो !

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

घर में टाइम्स ऑफ इंडिया आता है। इंडिया उसमें लगा लगाया आता है, मुझे पता नहीं था कि इतने दिनों से मैं पैसे देकर देश को गिराने वाला काम कर रहा हूँ। आज जाकर पता चला कि हमारे देश का नाम इंडिया नहीं भारत है। इसलिए मेरे मन में इंडिया के प्रति घृणा पैदा होने लगी है। सच कहूँ तो मुझे भारत पसंद है। हिंदी बोलना मुझे अच्छा लगता है। अंग्रेजी से नफरत है, इसलिए नहीं कि वह मुश्किल है बल्कि मुझे आती नहीं है। इसलिए हिंदी कपड़े जैसे धोती-कुर्ता,अंगोछा, कुर्ता, पायजामा पहनता हूँ। सूट-बूट पहनने से परहेज करता हूँ। इन्हें पहनने से इंडिया की फीलिंग आती है। ऐसा करना भारत के प्रति धोखा करने जैसा लगता है। कपड़े धोबी धोता है। लाउंड्री वाला धोता तो वह इंडिया के आयरन से मेरे कपड़े के भीतर का भारत निकाल बाहर करता। कुछ दिन पहले तक इंडिया के प्रति आदर भाव हुआ करता था। किंतु इधर बाबा गिरगिटलाल ने रंग बदलने का अजीब सा मंत्र सिखा दिया है। इसी के चलते जो चीज सुबह तक पसंद आती थी, वह शाम होते-होते नापसंद हो जाती थी। रंग बदलने का यह कोर्स आजकल व्हाट्सप विश्वविद्यालय में धड़ल्ले से चल रहा है। इस क्रैश कोर्स में करोड़ों आँख, कान, मुँह वाले लोग प्रवेश लेते हैं और कोर्स पूरा होने के बाद बाबा गिरगिटलाल का अंधाधुध पालन करने लगते हैं। वे अगर सुबह को रात, पानी को आग और इंडिया को भारत कहें तो हमें वही सही लगता है। वे इतने परमज्ञानी है कि उन्होंने इंटर के बाद प्लस टू का कोर्स किया है। ऐसे बाबा के मार्ग पर चलकर भुखमरी, लाचारी, बेरोजगारी, बलात्कार, भ्रष्टाचार जैसे बेफिजूल के मामलों से मुक्ति मिलती है। मेरा महत्वपूर्ण योगदान यह है कि मैं गिरगिटलाल के आदेशों का पालन करता हूँ। उनके खिलाफ बोलने वाले को कुत्ते से भी तेज काटने को दौड़ता हूँ। आजकल कुत्ते मुझे देखकर डरने लगे हैं। निस्संदेह मुझसे बड़ा कुत्ता उनकी नजर में कोई नहीं होगा। मैं तो आई एन डी आई ए जैसे अक्षर एक साथ देख लेता हूँ, तो मुझे फिट्स (दौरे) आने लगते हैं। इसलिए भारत शब्द लिखा रुमाल अपने पास रखता हूँ। इसे सूँघ-सूँघकर इंडिया की बदबू से दूर होने का प्रयास करता हूँ। परसों तक मैं नोट से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में से इंडिया शब्द रबड़ से रगड़-रगड़कर मिटाने की कोशिश में कई नोट फाड़ डाले। वह तो भला हो पड़ोसी का जिसने मुझे बताया कि तुम्हें इतनी जहमत उठाने की जरूरत नहीं है। बाबा गिरगिटलाल फिर से लाइन में खड़ा करने वाले हैं। अब आइये घर के बाहर का भी कुछ बताता चलूँ आपको, वरना कहोगे कि अधूरी जानकारी दी।

भाद्रपद का भौम प्रदोष व्रत आज

बन रहे सर्वार्थ सिद्धि समेत 3 शुभ योग

12 सितंबर को भौम प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 06 बजकर 30 मिनट से है।

इस वर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को भौम प्रदोष व्रत रखा जाएगा। भौम प्रदोष व्रत के दिन सर्वार्थ सिद्धि समेत 3 शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। इसमें शिव योग और सिद्ध योग भी शामिल हैं। यह हिंदी माह भाद्रपद और अंग्रेजी माह सितंबर का पहला प्रदोष व्रत है। इस बार प्रदोष काल में शिव पूजा के लिए आपको दो घंटे से अधिक का समय प्राप्त होगा। भौम प्रदोष व्रत को करने से रोगों से मुक्ति मिलती है। भगवान शिव के आशीर्वाद से व्यक्ति निरोगी रहता है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ। गणेश मिश्र से जानते हैं कि भाद्रपद का भौम प्रदोष व्रत कब है? शिव पूजा का शुभ मूहूर्त क्या है? भौम प्रदोष व्रत 2023 किस दिन रखा जाएगा?

पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 11 सितंबर दिन सोमवार की रात 11:52 पी एम से प्रारंभ हो जाएगी। यह तिथि 13 सितंबर दिन बुधवार को 02:21 ए एम तक मान्य है। उदयातिथि के आधार पर भाद्रपद का भौम प्रदोष व्रत 12 सितंबर मंगलवार को रखा जाएगा।

3 शुभ योगों में है भौम प्रदोष व्रत

भौम प्रदोष व्रत के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और सिद्ध योग बन रहे हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 06:04 ए एम से रात 11:01 पी एम तक है। वहीं शिव योग प्रातःकाल से लेकर 13 सितंबर को 01:12 ए एम तक है, उसके बाद से सिद्ध योग लग जाएगा। भौम प्रदोष व्रत की पूजा सर्वार्थ सिद्धि योग में ही होगी। उस दिन अश्लेशा नक्षत्र सुबह से लेकर रात 11:01 पी एम तक है।

भौम प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

12 सितंबर को भौम प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 06 बजकर 30 मिनट से है। आप शिव आराधना रात 08 बजकर 49 मिनट तक कर सकते हैं। उसके बाद से पूजा मुहूर्त नहीं है। सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ शुभ मुहूर्त में पूजा करने से आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

भौम प्रदोष व्रत का महत्व

दिन के अनुसार प्रदोष व्रत का महत्व होता है। उस दिन के नाम पर ही प्रदोष व्रत का भी नाम पड़ता है। सितंबर का पहला प्रदोष व्रत मंगलवार को है, मंगल को भौम कहते हैं, इसलिए इसे भौम प्रदोष कहा जाता है। जो व्यक्ति किसी रोग से पीड़ित है, उसे भौम प्रदोष व्रत के दिन शुभ मुहूर्त में शिव पूजा करनी चाहिए। यदि वह ऐसा करने में सक्षम नहीं है तो उसके परिवार का कोई अन्य सदस्य यह व्रत और पूजा कर सकता है। वह इस व्रत के पुण्य को रोगी को दे सकता है। भौम प्रदोष व्रत और शिव कृपा से रोग दूर हो जाता है। उसे उत्तम सेहत की प्राप्ति होती है।

दो दिन रहेगी भादौ मास की अमावस

नदी स्नान, तीर्थ दर्शन और पितृ के लिए धूप-ध्यान करने का पर्व है भाद्रपद की अमावस्या

भाद्रपद अमावस्या तिथि की शुरुआत 14 सितंबर 2023 को सुबह 04।48 मिनट पर होगी और इसकी समाप्ति 15 सितंबर 2023 को सुबह 07।09 मिनट पर होगी।

14 और 15 सितंबर को भाद्रपद की अमावस्या रहेगी। इसे कुशग्रहणी अमावस कहते हैं। पुराने समय में इस पर्व को काफी अधिक महत्व दिया जाता था, क्योंकि भाद्रपद की अमावस पर सालभर के लिए कुश नाम की घास इकट्ठा की जाती थी। धर्म-कर्म में इस घास का इस्तेमाल अनिवार्य रूप से किया जाता था। इस घास के बिना धर्म-कर्म अधूरे माने जाते थे। माना जाता है कि कुश घास की अंगूठी पहनने से व्यक्ति पूजा-पाठ करने के लिए पवित्र हो जाता है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, भाद्रपद की अमावस्या पर पितरों के लिए श्राद्ध कर्म, धूप-ध्यान भी जरूर करना चाहिए। इस तिथि के स्वामी पितर देवता ही माने गए हैं। घर-परिवार के मृत सदस्यों की याद में अमावस्या पर धूप-ध्यान, दान-पुण्य आदि शुभ काम किए जाते हैं।

सवाल- अमावस्या पर धूप-ध्यान कब करें?

जवाब- पितरों के लिए धूप-ध्यान करने का सबसे अच्छा समय दोपहर 12 बजे के आसपास का रहता है। दरअसल, सुबह और शाम के समय में देवी-देवताओं की पूजा करनी चाहिए, जबकि दोपहर में पितरों के लिए धूप-ध्यान, श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान आदि शुभ किए जाते हैं।

सवाल- पितरों को धूप कैसे दें?

जवाब- धूप देने के लिए गाय के गोबर से बने उपले यानी कंडे का इस्तेमाल करना चाहिए। कंडे जलाएं और जब कंडों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब कंडे के अंगारे पर गुड़ और घी डालकर धूप देना चाहिए। कुछ लोग अंगारों पर खीर-पूड़ी भी अर्पित करते हैं। धूप देते समय पितरों का ध्यान करते रहना चाहिए। धूप देने के बाद हथेली में जल लें और अंगूठे की ओर से पितरों को अर्पित करें। ये धूप देने की सामान्य विधि है।

सवाल- भाद्रपद अमावस्या पर कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं?

जवाब- इस अमावस्या पर नदियों में स्नान करने की और तीर्थ दर्शन करने की भी परंपरा है। अगर नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर ही सभी तीर्थों का और नदियों का ध्यान करते हुए स्नान करना चाहिए। पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। ऐसा करने से भी घर पर ही तीर्थ स्नान के समान पुण्य मिल सकता है। स्नान के बाद अपने शहर के या किसी अन्य पौराणिक महत्व वाले मंदिर में दर्शन-पूजन जरूर करें।

पूजा-पाठ के साथ ही इस दिन दान-पुण्य भी जरूर करें। जरूरतमंद व्यक्ति को धन, वस्त्र, जूते-चप्पल और अनाज का दान जरूर करें।

किसी गौशाला में हरी घास और गायों की देखभाल के लिए अपनी श्रद्धा के अनुसार धन दान करें।

शिवलिंग पर तांबे के लोटे से चढ़ाएं और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करते रहें। चांदी के लोटे से कच्चा दूध शिवलिंग पर चढ़ाएं। इसके बाद फिर से शुद्ध जल चढ़ाएं। शिवलिंग का श्रृंगार करें। तिलक लगाएं, बिल्व पत्र, धतूरा, फल-फूल चढ़ाएं। मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

इस मंदिर में महिलाओं की एंट्री है बैन, प्रवेश करते ही खो देती है आपा

छतरपुर। वरट गांव, जो जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। इस मंदिर में महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। इस गांव के तालाब किनारे स्थित बटेश्वर महादेव के मंदिर को स्थानीय लोग चंदेल काल का मंदिर भी कहते हैं, और यहां पर भगवान शिव की प्रतिमा पार्वती जी के साथ स्थापित है।

मंदिर में प्रवेश करने वाली महिलाएं हो जाती हैं पागल!

वरट गांव के स्थानीय लोग इस मंदिर के प्रति गहरी आस्था रखते हैं, और वे मानते हैं कि महिलाएं इस मंदिर में प्रवेश करने का प्रयास करने पर मानसिक तौर पर रोगी हो जाती हैं। वरट गांव के पूर्व सरपंच जगदीश राजपूत ने बताया कि यह चंदेल काल का मंदिर है, और इसकी उम्र लगभग 500 से 1000 साल पुरानी है। लोगों के अनुसार, इस मंदिर में महिलाओं का प्रवेश विशेष रूप से निषिद्ध है, और जो महिलाएं इसके खिलाफ जाती हैं, वे मानसिक तौर पर विक्षिप्त हो जाती हैं। इसके प्रमाण के रूप में, कुछ महिलाएं हैं जिन्होंने मंदिर में प्रवेश किया है, और उन्हें अब मानसिक बीमारी हो गई है।

मंदिर में खजाना छुपे होने की अफवाह

वरट गांव के तालाब किनारे स्थित मंदिर में एक और रहस्य भी छिपे होने की अफवाह पूरे क्षेत्र में एक चर्चा का विषय है। तालाब किनारे स्थित शिव योगिनी मंदिर बटेश्वर महादेव का यह मंदिर अपने आप में अत्यंत रहस्यमई है। मंदिर का गुंबद क्षतिग्रस्त है और गुंबद के नीचे के एक चौकोर भाग में सभी को जाने की मनाही है। इसके अलावा, वरट गांव के तालाब के निकट मंदिर में एक अथाह खजाना छुपे होने की चर्चा भी हो रही है, जो कि स्थानीय लोगों के बीच में एक अफवाह के रूप में प्रसिद्ध है।

वरट गांव के तालाब किनारे स्थित मंदिर का रहस्यमई चरम है, और इसकी कहानी भी उसी तरह से रहस्यमयी है। इस मंदिर की दीवारों पर हनुमान जी और गणेश जी की मूर्तियां बनी हुई हैं, जो वाकई इस मंदिर के चारों ओर और भी अधिक रहस्यमयी बना देती हैं। क्योंकि मंदिर के एक कोने पर स्थित शिव पार्वती की मूर्ति तक पहुंचने के लिए भगवान गणेश की मूर्ति को लांघकर जाना पड़ता है, जिससे यह एक अनोखा और रहस्यमयी ताकद और महिमा प्राप्त करता है।

दर्शन करने दूर-दूर से आते हैं लोग

चंदेल कालीन इस रहस्यमई मंदिर के दर्शन करने लोग दूर-दूर से आते हैं। हमारी टीम भी जब इस मंदिर की खोज करते हुए पहुंची, तो हमनें देखा कि वहां पर कई लोग मौजूद थे जो इस मंदिर के रहस्य को जानने के लिए उत्सुक दिखे। एक दर्शनार्थी ने बताया कि हमें इस मंदिर की जानकारी लगी थी, इसलिए हम यहां दर्शन करने आए हैं।

कुंडली में है अकाल मृत्यु, तो पितृ पक्ष में इन पौधों को लगाकर करें इस विधि से पूजा

सनातन धर्म में पितृ पक्ष का बहुत महत्व माना जाता है। हिंदू पंचांग के मुताबिक प्रत्येक वर्ष भाद्रपद माह के पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष की शुरुआत होती है, जो अश्विन माह के अमावस्या तिथि पर समाप्त होता है। इन 15 दिनों में सनातन धर्म को मानने वाले लोग अपने पितृ का आशीर्वाद बना पाने के लिए पितृ दान करते हैं, तर्पण करते हैं अथवा श्राद्ध करते हैं।

इस साल पितृ पक्ष की शुरुआत 29 सितंबर से शुरू हो रही है। इतना ही नहीं ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक अगर जातक पितृ दोष से परेशान हैं, तो पितृपक्ष में कुछ उपाय करने से पितृ दोष से मुक्ति भी मिलती है।कई बार ऐसा होता है कि जब किसी जातक की कुंडली में पितृ दोष लगा हो और उसके जीवन में असफलता मिल रही हो सेहत समृद्धि धन दौलत दोनों से हाथ धोना पड़ रहा हो, तो ऐसी स्थिति में पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष में आपको कर उन चमत्कारी पौधे के बारे में जानना चाहिए और उससे जुड़ी कुछ उपाय करनी चाहिए। जिससे आप पितरों को प्रसन्न कर सकते हैं और पितृदोष से मुक्ति मिल सकती है।

जानिए कैसे पाएं पितृदोष से मुक्ति

अयोध्या के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम कहा है कि पितृ पक्ष के दौरान पितृदोष की मुक्ति के लिए लोग कई तरह के उपाय करते हैं, लेकिन अगर पितृपक्ष में कुछ पेड़ पौधे लगाए जाएं और नियमित रूप से कुछ उपाय किया जाए तो निश्चित है पितृ दोष से मुक्ति मिलेगी।

बरगद

अगर आपकी कुंडली में पितृ दोष है और आप पितृ दोष से परेशान हैं, तो आपको पितृपक्ष के दौरान बरगद का पेड़ लगाना चाहि। इतना ही नहीं बरगद के पेड़ की परिक्रमा करनी चाहिए ऐसा करने से जल्द ही पितृ दोष से मुक्ति मिलेगी।

बेलपत्र

अगर आप पितृपक्ष में बेल का पौधा लगते हैं तो इससे महादेव जल्द प्रसन्न होते हैं। क्योंकि महादेव को बेलपत्र बहुत प्रिय है। पितृपक्ष में बेलपत्र का पौधा लगाने से पितृ के आत्मा को भी शांति मिलती है और पितृ दोष से भी मुक्ति मिलती है।

तुलसी

धार्मिक मान्यता के मुताबिक तुलसी के पौधे में माता तुलसी का वास माना जाता है। कहा जाता है एक तुलसी का पत्ता जन्म जन्मांतर के बंधन से मुक्ति करके बैकुंठ तक पहुंचना है। पितृपक्ष के दौरान अगर आप तुलसी का पौधा लगाते हैं तो निश्चित ही पितरों को मुक्ति मिल जाती है साथ ही अकाल मृत्यु से भी मुक्ति मिलती है।

पीपल

सनातन धर्म में पीपल के पेड़ को बहुत पवित्र माना जाता ह। कहा जाता है इस पेड़ पर देवी देवताओं का वास होता है फिर पक्ष के दौरान अगर आप पीपल के पेड़ की पूजा करते हैं तो आपको मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। शायद ही वजह है कि पितृपक्ष के दौरान पीपल के पेड़ पर जल अर्पित करने से और शाम के समय दीपक अर्पित करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है ।

आपने भी पहन रखा है मोती, पहनने से पहले जान लें खास बातें

आजकल फैशन के तौर पर रत्न धारण करना काफी ट्रेंडिंग हो गया है, परंतु रत्न शास्त्र और ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शौकिया तौर पर रत्न धारण नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए बेहतर होगा कि रत्न धारण के पहले ज्योतिष शास्त्र के जानकार से इस विषय में परामर्श अवश्य लें। कई लोग तो सामान्य जानकारी के आधार पर मोती धारण कर लेते हैं परंतु क्या आप जानते हैं मोती भी हर व्यक्ति के लिए फलित नहीं होता। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्ति सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं मोती किसे और कैसे धारण करना चाहिए। साथ ही जानेंगे इसे धारण करने की विधि।

खंडित ना हो मोती

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कोई भी रत्न धारण करने से पहले इस बात का विशेष ध्यान रखें कि वह टूटा-फूटा या खंडित ना हो। इसी प्रकार मोती भी खंडित नहीं होना चाहिए। इसलिए जब भी खरीदारी करें बेहद ध्यान पूर्वक अपने लिए रत्न का चुनाव करें। यदि गलती से खंडित मोती आ गया है तो उसे भूल कर भी धारण न करें, खंडित मोती धारण करने से आपको फायदे की जगह नुकसान हो सकता है।

किस तरह धारण करें सफेद मोती

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सफेद मोती को चंद्रमा का कारक माना जाता है। जो भी व्यक्ति से धारण करता है उसे मानसिक शांति प्राप्त होती है। मोती धारण करने

के लिए सबसे अच्छा दिन सोमवार माना जाता है। इसे धारण करने से एक रात पहले दूध, गंगाजल, शहद, गोमूत्र और चीनी के मिश्रण में डुबोकर रख दें। अगले दिन सुबह के समय धूप दीप दिखाकर इसको अपनी कनिष्ठिका उंगली में धारण करें। मोती को हमेशा चांदी की धातु में ही धारण करना चाहिए। इस अंगूठी को धारण करने के बाद आपके जीवन में आ रही अनेक तरह की समस्याएं धीरे-धीरे कम होने लगेंगे।

मोती पहनने की वजह

ज्योतिष शास्त्र में मोती को चंद्र का रत्न माना गया है, यदि किसी व्यक्ति को मानसिक शांति और त्वचा संबंधी रोगों से मुक्ति पाना है तो उनके लिए मोती शुभ माना गया है। जिन लोगों को बेहद गुस्सा आता है यदि वह मोती धारण करते हैं तो इसकी वजह से उनका गुस्सा नियंत्रित हो जाता है। परंतु मोती धारण करने के पहले विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

मोती पहनने के फायदे

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जो व्यक्ति बेहद तनाव में रहता है या जिसे अधिक गुस्सा आता है वह मानसिक शांति और गुस्से को नियंत्रित करने के लिए सफेद रंग के मोती को धारण कर सकता है। इसके अलावा जिन व्यक्ति को त्वचा संबंधी समस्या है वे भी मोती धारण करके लाभान्वित हो सकते हैं। जो व्यक्ति मोती धारण करता है उसे धन और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

बॉलीवुड के टाइगर को पसंद आई शाहरुख खान की 'जवान', एक्टर ने किंग खान की तारीफ में पढ़े कसीदे

'जवान' को कई बड़े स्टार्स से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। एसएस राजामौली, महेश बाबू और महेश भट्ट के बाद, टाइगर श्रॉफ ने जवान पर प्रतिक्रिया दी और शाहरुख की सराहना की है। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की हालिया रिलीज फिल्म 'जवान' बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए इतिहास रच रही है। एटली कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने महज चार दिनों में 287.06 करोड़ का कलेक्शन किया है। टिकट खिड़की पर शाहरुख खान, नयनतारा और विजय सेतुपति स्टारर इस फिल्म को दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है। 'जवान' को कई बड़े स्टार्स से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। एसएस राजामौली, महेश बाबू और महेश भट्ट के बाद, टाइगर श्रॉफ ने जवान पर प्रतिक्रिया दी और शाहरुख की सराहना की है।

टाइगर ने 'जवान' के बारे में अपने विचार एक्स (ट्विटर) पर साझा करते हुए लिखा, ₹बार उठाया और बार तोड़ दिया! सर को एक और ऐ ति हा सि क सफलता के लिए बधाई, ढेर सारा प्यार। रविवार को शाहरुख ने टाइगर के इस ट्वीट का जवाब दिया और उनसे मजाकिया अंदाज में कहा, क्या करूं टाइगर... कोई भी बार इतनी ऊंची नहीं होती!! मैं तुम्हें कलाबाजी दिखाते देखने का इंतजार कर रहा हूं... हा हा... लव यू और थैंक यू।"

'बड़े मियां छोटे मियां' में आएंगे नजर

वर्कफ्रंट की बात करे तो टाइगर जल्द ही एक्शन फिल्म 'गणपथः पार्ट वन' में नजर आएंगे। उनकी यह फिल्म 20 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा एक्टर अगले साल अक्षय कुमार के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आएंगे।

बॉक्स ऑफिस पर 'जवान' ने रचा इतिहास

किंग खान की फिल्म 'जवान' सात सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। किंग खान की इस फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक समीक्षा मिली है। रिलीज के तीन दिनों के भीतर ही फिल्म ने हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं से घरेलू स्तर पर 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण का कैमियो अवतार फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

रजनीकांत की अगली फिल्म 'थलाइवर 171' का एलान

'लियो' के निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ मिलाया हाथ

सुपरस्टार रजनीकांत हाल ही में तमन्ना भाटिया के साथ फिल्म 'जेलर' में नजर आए थे। यह फिल्म उनके प्रशंसकों के बीच जबर्दस्त हिट रही। फिल्म और सुपरस्टार के अभिनय की प्रशंसा दर्शकों समेत कई फिल्मी सितारों ने भी की। वहीं अब सभी की निगाहें उनकी अगली फिल्म पर टिकी हैं। अब रजनीकांत के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। आधिकारिक तौर पर उनकी अगली फिल्म की घोषणा हो चुकी है।

सोशल मीडिया पर रजनीकांत की अगली फिल्म की घोषणा की गई, जो लोकेश कनगराज के जरिए लिखित और निर्देशित है। एक ओर जहां निर्देशक कनगराज, साउथ सुपरस्टार दलपति विजय के साथ 'लियो' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, वहीं रजनीकांत भी 'जेलर' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। अब कनगराज और रजनीकांत अपनी अगली फिल्म के लिए साथ आए हैं। सन पिक्चर्स ने आज सोमवार को एक्स (ट्विटर) पर उनकी अगली फिल्म की घोषणा की। कलानिधि मारन द्वारा प्रस्तुत, फिल्म का नाम अस्थायी रूप से 'थलाइवर 171' रखा गया है, जो एक अभिनेता के रूप में रजनीकांत की 171वीं फिल्म है। सन पिक्चर्स द्वारा की गई घोषणा में कहा गया है, "हमें सुपरस्टार रजनीकांत की 'थलाइवर 171' की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। लोकेश कनगराज द्वारा लिखित और निर्देशित है। लोकेश को कुछ मेगा-सफल फिल्मों का निर्देशन करने के लिए जाना जाता है, जैसे 2023 में विजय और तृषा कृष्णन अभिनीत 'लियो', 2022 में कमल हासन और विजय सेतुपति अभिनीत 'विक्रम' और कार्ती अभिनीत 'कैथी' फ्रेंचाइजी। उन्होंने 2023 की फिल्म 'भोला' के लिए बॉलीवुड स्टार अजय देवगन के साथ भी काम किया है। वहीं, बात करें रजनीकांत की तो 10 अगस्त को रिलीज हुई 'जेलर' बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई। सन पिक्चर्स के बैनर तले कलानिधि मारन द्वारा निर्मित और नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बनी 'जेलर' में रजनीकांत के साथ राम्या कृष्णन, योगी बाबू, विनायकन, तमन्ना भाटिया और मास्टर ऋत्विक जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, फिल्म में मोहनलाल, शिव राजकुमार और जैकी श्रॉफ कैमियो रोल में हैं।

गदर-2 और कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्मों की पॉपुलैरिटी देखना डिस्टर्बिंग

17 साल बाद डायरेक्टोरियल कमबैक कर रहे नसीरुद्दीन शाह

एक्टर नसीरुद्दीन शाह के निर्देशन में बनी शॉर्ट फिल्म 'मैन वुमन मैन वुमन' जल्द ही रिलीज होने वाली है।

इस फिल्म के जरिए नसीर 17 साल बाद डायरेक्शन फील्ड में कमबैक कर रहे हैं। इसी बीच अपने तीखे बयानों के लिए पहचाने जाने वाले नसीर ने 'द कश्मीर फाइल्स', 'द केरला स्टोरी' और 'गदर-2' जैसी सक्सेसफुल फिल्मों की पॉपुलैरिटी पर सवाल उठाए हैं।

सदमे से बाहर निकल रहा था

फ्री प्रेस जर्नल को दिए एक इंटरव्यू में जब नसीर से पूछा गया कि उन्होंने बतौर डायरेक्टर कमबैक करने के लिए 17 साल क्यों लगे तो वे बोले, 'मैं अपने निर्देशन में बनाई पिछली फिल्म के सदमे से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। वो उस तरह से निकलकर नहीं आई जिस तरह से मैंने सोचा था।

इरफान वाली स्टोरी में कमियां थीं

मुझे लगा कि मैंने सभी अच्छे कलाकारों को एकत्रित कर लिया है और अब वो अपना काम करेंगे। स्क्रिप्ट तो मेरे पास अच्छी थी ही। पर एडिटिंग के दौरान मुझे महसूस हुआ कि स्क्रिप्ट में कुछ कमियां हैं। खास तौर पर इरफान खान वाली स्टोरी में।

यह मेरे लिए बहुत ही खराब अनुभव था। मैंने कभी नहीं सोचा कि मैं दोबारा कोई फिल्म बनाऊंगा क्योंकि यह बहुत मेहनत वाला काम है। आपको सबका इगो और शेड्यूल समेत सब कुछ हैंडल करना पड़ता है।'

कुछ फिल्ममेकर्स हिम्मत नहीं हारते

वहीं जब नसीर से पूछा गया कि क्या उन्हें बॉलीवुड में फिल्ममेकिंग के ऑब्जेक्ट में बदलाव नजर आता है? तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल, यह देखना बहुत डिस्टर्बिंग हैं कि 'द केरला स्टोरी' और 'गदर-2' जैसी फिल्में पॉपुलर हैं। वहीं सच पेश करने वाली सुधीर मिश्रा, हंसल मेहता और अनुभव सिन्हा जैसे डायरेक्टर्स की फिल्में देखी नहीं जाती। हालांकि, अच्छी बात यह है कि ये फिल्ममेकर्स अपनी हिम्मत नहीं हारते और लगातार अच्छी कहानियां सुनाते हैं।'

17 साल बाद करेंगे डायरेक्टोरियल कमबैक

बतौर डायरेक्टर आखिरी बार नसीर ने 2006 में रिलीज हुई फिल्म 'यूं होता तो क्या होता' बनाई थी। अब वे 17 साल बाद शॉर्ट फिल्म 'मैन वुमन मैन वुमन' डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में नसीर के बेटे विवान और ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद मेन लीड रोल में नजर आएंगे।

'जवान' को लेकर प्रियामणि का बड़ा खुलासा, 'जिंदा बंदा' की शूटिंग के दौरान किंग खान ने कही थी यह बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की हालिया रिलीज फिल्म 'जवान' बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए इतिहास रच रही है। एटली कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने महज चार दिनों में 287.06 करोड़ का कलेक्शन किया है। टिकट खिड़की पर शाहरुख खान, नयनतारा और विजय सेतुपति स्टारर इस फिल्म को दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है। इस बीच फिल्म की एक्ट्रेस प्रियामणि ने एक साक्षात्कार के दौरान किंग खान को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

एक मीडिया संस्थान से बातचीत करते हुए प्रियामणि ने खुलासा किया कि वह 'जवान' को अपनी फिल्मोग्राफी में सबसे ऊपर रखेंगी, क्योंकि यह उनकी पहली 200 करोड़ रुपये की फिल्म है। उन्होंने कहा, मैं बहुत गर्व से कह सकती हूं कि यह मेरी पहली 200 करोड़ी फिल्म है। मैं बहुत खुश और उत्साहित हूं कि मैं ऐसी अद्भुत फिल्म का हिस्सा हूं, जहां महिला को अधिक शक्ति दी गई है।

जवान से पहले शाहरुख और प्रियामणि ने रोहित शेट्टी की चेन्नई एक्सप्रेस में काम किया था। प्रियामणि ने डांस नंबर '1 2 3 4 गेट ऑन द डांस फ्लोर' के साथ ब्लॉकबस्टर कॉमेडी में एक कैमियो किया। रोहित की फिल्म में उनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी को सराहा गया और गाना चार्टबस्टर रहा।

इंटरव्यू में प्रियामणि ने बताया कि जवान के गाने जिंदा बंदा की शूटिंग के दौरान कोरियोग्राफर ने उन्हें शाहरुख खान के पीछे रखा था, लेकिन शूटिंग से पहले शाहरुख ने अपनी 'डांस टीचर' प्रियामणि को अपने पास लाकर एक बड़ा बदलाव लाया।

उन्होंने कहा, हम गाने की रिहर्सल कर रहे थे और मुझे एसआरके के पीछे खड़ा किया गया था। उन्होंने इधर-उधर देखा, मुझे देखा और तुरंत पूछा 'तुम मेरे पीछे क्या कर रहे हो?' मैंने कहा कि मुझे उसके पीछे रखा गया था।

उन्होंने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझे अपने बगल में खड़ा किया और सोभी (पॉलराज, कोरियोग्राफर) और एटली से कहा, 'मैं चाहता हूं कि यह मेरे बगल में खड़ी हो। मुझे परवाह नहीं है कि कोरियोग्राफी क्या है। वह चेन्नई एक्सप्रेस से मेरी डांस टीचर है। अगर मैं गलत होता हूं, तो मैं उसे देखूंगा और स्टेप करना सीखूंगा।"

प्रभास ने फिर विष्णु के लिए ली 100 करोड फीस अब इस फिल्म में बनेंगे भगवान शिव

प्रभास इन दिनों सालार और कल्कि जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं. ये दोनों ही बड़े वजह की फिल्में हैं और इनसे अभिनेता के फैंस को बड़ी उम्मीदें हैं. इसी बीच प्रभास की एक और नई फिल्म को लेकर अपडेट आया है. दिलचस्प बात ये है कि आने वाली फिल्म में भी प्रभास को महादेव के किरदार निभाने को मिल रहा है.

जी हां, कई दिनों के इंतजार के बाद प्रभास के प्रशंसकों के लिए एक खुशी की घोषणा होने वाली है. इससे पहले विष्णु मांचू ने पुष्टि की कि अभिनेता उनकी अगली बड़ी फिल्म कन्नप्पा का हिस्सा होंगे. कहा जा रहा है कि पीरियड ड्रामा में प्रभास भगवान शिव का किरदार निभा रहे हैं. हालांकि उन्होंने प्रभास के कैरेक्टर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई लेकिन उनके कैप्शन 'हर हर महादेव' ने प्रशंसकों को विश्वास दिला दिया है कि अभिनेता को भगवान शिव के रूप में देखा जाएगा.

मालूम हो कि इससे पहले अभिनेता ने आदिपुरुष में भगवान राम की भूमिका निभाई थी, जो दुर्भाग्य से दर्शकों के साथ बहुत अच्छी तरह से जुड़ नहीं पाई थी. ओम राउत

की फिल्म पर करोड़ों रुपए पानी की तरह बहाए गए और क्रिएटिविटी के नाम पर मेकर्स ने इसके जरिए दर्शकों की भावनाओं को आहात किया. हाल ही में ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने प्रभास और मांचू की एक तस्वीर पोस्ट की और उनके कन्नप्पा के लिए एक साथ आने के बारे में लिखा, '#ब्रेकिंग न्यूज : विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, रेबेल स्टार #प्रभास अभिनेता #विष्णुमांचू के ड्रीम प्रोजेक्ट #कन्नप्पा - ए ट्रू एपिक इंडियन टेल में एक प्रमुख महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे!' उन्हें जवाब देते हुए, फिल्म निर्माता ने लिखा, 'हर हर महादेव #कन्नप्पा' और दिल वाला इमोजी भी कैप्शन में एड किया.

फिल्म जल्द ही फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है. हाल ही में टीम द्वारा कन्नप्पा के लिए एक पूजा समारोह का आयोजन किया गया था. इसमें प्रभास के साथ कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन नजर आएंगी. कन्नापा से पहले प्रभास की अगली फिल्म सालार पार्ट 1: सीजफायर है जिसमें श्रुति हासन भी लीड रोल में होंगी. पहले ये फिल्म सितंबर में रिलीज होने वाली थी लेकिन फिर इसे पोस्टपोन कर दिया गया है. फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने हाल ही में पोस्ट किया कि फिल्म अब नवंबर में रिलीज होगी. हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक नई रिलीज़ डेट की घोषणा नहीं की है.

तेलुगु स्टार के पास दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और अन्य के साथ पाइपलाइन में कल्कि 2898AD भी है जो भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है. बहुभाषी 'माइथो साइंस-फाई फिल्म' नाग अश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित है. निर्देशक नाग अश्विन ने पहले एक बयान में कहा था, 'भारत अब तक लिखी गई कुछ महानतम कहानियों और सुपरहीरो का घर है. हमें लगता है कि हमारी फिल्म इसे सामने लाने और दुनिया के साथ साझा करने का एक प्रयास है. और कॉमिक-कॉन हमें अपनी कहानी को वैश्विक दर्शकों के सामने पेश करने के लिए सही मंच देता है.' बता दें कि प्रभास कल्कि में भगवान विष्णु की भूमिका में नजर आएंगे.

सिनेमाघरों में लौट रहीं देव आनंद की ये चार क्लासिक फिल्में, 30 शहरों में होगा प्रदर्शन

हिंदी सिनेमा के सदाबहार अभिनेता देव आनंद का 26 सितंबर को सौवां जन्मदिन मनाने की तैयारियां अलग-अलग शहरों में अलग संगठन अभी से शुरू कर चुके हैं। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन ने इस जश्न के लिए देव आनंद की कुछ नायाब फिल्मों के सिनेमाघरों में प्रदर्शन की योजना बनाई है। ये फिल्में देश के 30 शहरों के 55 सिनेमाघरों में दिखाई जाएंगी।

26 सितंबर 1923 को जन्मे देव आनंद के सौवें जन्मदिन के अवसर पर फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन देव आनंद के प्रशंसकों के लिए ब्लॉकबस्टर फेस्टिवल 'देव आनंद @100 फॉरएवर यंग' का आयोजन कर रहा है। 23 और 24 सितंबर को होने वाले इस फेस्टिवल में पीवीआर नामक सिनेमाघरों की श्रृंखला भी साझेदारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक फाउंडेशन ने देव आनंद की चार फिल्मों 'सीआईडी' (1956), 'गाइड'(1965), 'ज्वेल थीफ' (1967) और 'जॉनी मेरा नाम' (1970) के नए डिजिटाइज्ड प्रिंट पुणे स्थित भारतीय फिल्म संग्रहालय से इसी सिलसिले में हासिल किए हैं।

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन की तरफ से इससे पहले हिंदी सिनेमा के मेगास्टार अमिताभ बच्चन और हिंदी सिनेमा के बुलंद सितारों में से एक दिलीप कुमार के सम्मान में फेस्टिवल का आयोजन किया जा चुका है। जिसमें अमिताभ बच्चन और दिलीप कुमार के करियर की सर्वश्रेष्ठ फिल्में दिखाई गई थीं।

फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के संस्थापक शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर कहते हैं कि यह महोत्सव भारतीय सिनेमा के महान अभिनेताओं को पर्दे पर वापस लाने का एक खास अवसर है। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन इस उपलब्धि के जश्न को मनाने के लिए सिनेमाघरों में उनकी फिल्मों के फेस्टिवल को सेलिब्रेट करने से बेहतर कोई और तरीका नहीं सोच सकता।

भारतीय सिनेमा के सदाबहार अभिनेता देव आनंद की फिल्मों के महोत्सव 'देव आनंद @ 100 फॉरएवर यंग' के तहत मुंबई के पीवीआर सिनेमाघरों के अलावा दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद से लेकर अहमदाबाद, सूरत, बड़ौदा, रायपुर, कानपुर, कोल्हापुर, प्रयागराज और इंदौर जैसे 30 शहरों के सिनेमाघरों में ये फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी।

'टिप टिप बरसा पानी' गाने की शूटिंग के दौरान रवीना टंडन ने झेला दर्द, लगवाना पड़ा था इंजेक्शन

डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 3' के स्पेशल एपिसोड में गेस्ट के तौर पर रवीना टंडन शामिल हुईं. एपिसोड के दौरान, कंटेस्टेंट शिवांशु सोनी और कोरियोग्राफर विवेक चाचेरे ने 'टिप टिप बरसा पानी' पर परफॉर्म किया, जिसके बाद उन्होंने इस गाने की शूटिंग के दौरान का वो किस्सा सुनाया, जिससे आज तक हर कोई अंजान था.

रवीना टंडन ने यूं तो कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है. लेकिन साल 1994 में आई फिल्म 'मोहरा' के पॉपुलर गाने 'टिप टिप बरसा पानी' के लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है. क्या आप जानते हैं कि इस गाने की शूटिंग के बाद रवीना टंडन को इंजेक्शन लगवाने पड़े थे. क्या थी उसकी वजह इसका खुलासा हाल ही में खुद एक्ट्रेस ने किया.

डांस के मंच पर याद आया गुजरा कल

रवीना टंडन हाल ही में डांस रियलिटी शो के मंच पर पहुंचीं, जहां उन्होंने इस फिल्म और गाने को लेकर एक ट्रीविया शेयर किया. दरअसल, 'इंडियाज बेस्ट डांसर 3' के मंच पर कंटेस्टेंट शिवांशु की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, यह यूनिक स्टाइल है. यह सेंसुअल सॉन्ग है और इसे इस रोबोटिक स्टाइल में देखकर मैं दंग रह गयी. यह एक्ट इतना शानदार है कि मैं आप पर से नजरें नहीं हटा सकी.

आप क्लासिकल डांसर हैं लेकिन जब आपने इस रोबोटिक डांस में ट्रांसफॉर्म किया, तो ऐसा लगा मानो आप एक पूरी तरह से अलग कलाकार में बदल गए हों. इसे देखने के बाद, मुझे लगता है कि किसी को भी दोबारा इस गाने का प्रयास नहीं करना चाहिए, और यहां तक कि आपकी खूबसूरत प्रस्तुति को देखने के बाद मैं इसे करने के बारे में भी नहीं सोचूंगी.'

क्यों लगवाना पड़ा था इंजेक्शन

गाने के बारे में बात करते हुए, वह पुरानी यादों में खो गईं और उन्होंने कहा, 'हम कंस्ट्रक्शन साइट पर शूटिंग कर रहे थे, और मैं नंगे पैर थी, वहां कीलें पड़ी गुई थी, जिससे मुझे खरोंच आई. मुझे टिटनेस का इंजेक्शन लेना पड़ा और दो दिन बाद बारिश के कारण मैं बीमार पड़ गयी.'

ग्लैमर छिपा देता है पर्दे के पीछे की अनकही कहानियां

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'जो ग्लैमर आप स्क्रीन पर देखते हैं, वह पर्दे के पीछे की अनकही कहानियों को छिपा देता है. रिहर्सल के दौरान चोट लगना आम बात है, फिर भी हम सभी उन्हें सहते हैं. लेकिन शो चलते रहना चाहिए, चाहे स्क्रीन पर हो या मंच पर, दर्द सहने के बावजूद किसी की अभिव्यक्ति और मुस्कान कभी कम नहीं होनी चाहिए. ये वो संघर्ष हैं जो सभी कलाकार और कोरियोग्राफर पर्दे के पीछे सहते हैं.

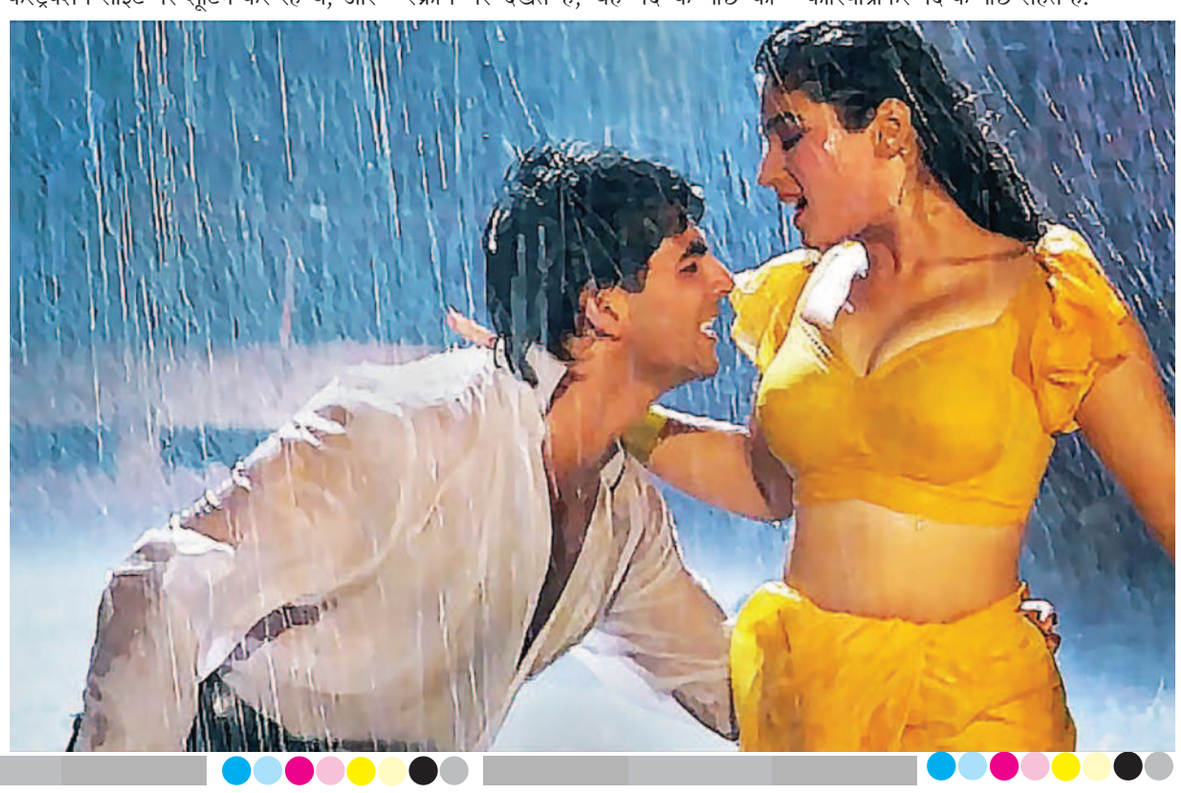

डॉक्टर्स बोले- पूरी तरह से ठीक नहीं हो सकता डायबिटीज, रोगियों के लिए क्या है सलाह

डायबिटीज, गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिसका साल-दर-साल वैश्विक जोखिम काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिकों ने चिंता जताई है कि जिस गति से पिछले कुछ वर्षों में इस रोग के मामले बढ़ते हुए देखे गए हैं, ऐसे में आशंका है कि साल 2050 तक दुनियाभर में रोगियों की संख्या 130 करोड़ से अधिक हो सकती है। आनुवांशिकता के साथ-साथ लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा बढ़ता जा रहा है, ऐसे में सभी लोगों को इस रोग से बचाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

डायबिटीज की समस्या में लंबे समय से यह सवाल रहा है कि क्या इसे पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है? ज्यादातर वैज्ञानिकों का कहना है कि एक बार डायबिटीज हो जाने के बाद इसके पूरी तरह से ठीक होने की संभावना कम होती है, इलाज और लाइफस्टाइल में बदलाव के माध्यम से इसके लक्षणों और जटिलताओं को बस कम करने के प्रयास किए जा सकते हैं।

आइए जानते हैं कि डायबिटीज रोगियों के लिए विशेषज्ञों की क्या सलाह है?

डायबिटीज को सिर्फ कंट्रोल कर सकते हैं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज का वैसे तो कोई इलाज नहीं है, लेकिन अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ लोगों में इसे रिवर्स जरूर किया जा सकता है। आहार में बदलाव और वजन घटाने के माध्यम से ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है।

टाइप-2 डायबिटीज के लक्षणों को कंट्रोल करने का सबसे कारगर तरीका है कि आप अपने वजन को कंट्रोल रखें। कुछ किलो वजन कम करने से आपको मधुमेह का प्रबंधन करने में मदद मिल सकती है, यह मधुमेह के कारण होने वाली स्वास्थ्य जटिलताओं को भी कम करने में भी सहायक है।

अध्ययन में क्या पता चला?

इंग्लैंड के अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि मधुमेह के रोगियों को वजन कम करने के अलावा जिस एक बात पर ध्यान रखना बहुत जरूरी माना जाता है वो है- लो कैलोरी वाले आहार का सेवन। अधिक कैलोरी वाली चीजों का सेवन करने से न सिर्फ ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा रहता है साथ ही इसके कारण आपका वजन भी बढ़ सकता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों ने 2-5 महीनों के लिए प्रतिदिन 625-850 कैलोरी या इससे कम का सेवन किया, उनके लिए शुगर के लेवल को कंट्रोल करना अधिक आसान था। लो कैलोरी डाइट के साथ वजन को कंट्रोल करना आपके मधुमेह के स्तर को नियंत्रित करने में काफी सहायक हो सकता है।

डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए करें उपाय

डायबिटीज को कैसे कंट्रोल किया जाए इसको लेकर किए गए एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रतिदिन 10,000 कदम चलने और सप्ताह में कम से कम ढाई घंटे के मध्यम स्तरीय व्यायाम करने से न सिर्फ शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है साथ ही यह हृदय रोगों के जोखिमों को कम करने में भी आपके लिए लाभकारी हो सकती है। शारीरिक सक्रियता को बढ़ाना शरीर को स्वस्थ रखने और इसके कारण होने वाली जटिलताओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

अगर आपको डायबिटीज की समस्या नहीं भी है तो भी इसे कंट्रोल करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए क्योंकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण इस रोग का खतरा सभी लोगों में बना हुआ है।

लिवर को डिटॉक्स करके शुगर को कंट्रोल रखने का ये है रामबाण तरीका

हमारे घरों में कई ऐसी चीजें आसानी से उपलब्ध होती हैं, जिन्हें वर्षों से सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। घरेलू उपायों वाली ऐसी कई चीजों को मेडिकल साइंस ने भी प्रमाणित किया है।

नीम की पत्ती ऐसी ही एक अत्यंत फायदेमंद औषधि है जिसे संक्रामक रोगों से बचाव के लिए प्रयोग में लाया जाता रहा है। तमाम अध्ययनों में भी शोधकर्ताओं ने प्रमाणित किया है कि अगर रोजाना नीम की कुछ पत्तियों का सेवन किया जाए तो इससे पूरे शरीर को कई प्रकार से लाभ हो सकता है।

हम अक्सर अपने माता-पिता और दादा-दादी को इन पत्तियों के औषधीय गुणों के बारे में बात करते हुए सुनते आ रहे हैं, पर क्या आप जानते हैं कि यह किस-किस प्रकार से हमारी सेहत के लिए फायदेमंद है?

आइए खाली पेट नीम की पत्तियों के सेवन से जुड़े स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानते हैं।

त्वचा की बीमारियां होती हैं दूर

नीम की पत्तियों में कई ऐसे

औषधीय गुणों के बारे में पता चलता है जो इसे त्वचा की बीमारियों और संक्रमण को कम करने में कारगर बनाती है।

नीम में एंटी-इंफ्लामेटरी, जीवाणुरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो इसे त्वचा की विभिन्न समस्याओं जैसे मुंहासे से राहत दिलाने और त्वचा में इंफ्लामेशन को कम करने के लिए प्रभावी बनाते हैं।

नीम के तेल में त्वचा की लोच और चमक बनाए रखने के लिए एंटी-रिंकल और एंटी-एजिंग प्रभाव वाले आवश्यक फैटी एसिड और विटामिन भी होते हैं।

संक्रामक रोगों से मिलती है सुरक्षा

नीम का एक महत्वपूर्ण चिकित्सीय उपयोग रक्त शोधक के रूप में है। यह फ्री रेडिकल्स को खत्म करने, हार्मोन को नियंत्रित करने और प्रतिरक्षा को बढ़ाकर समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए भी कारगर पाया गया है। नीम का उपयोग विभिन्न हर्बल फॉर्मूलेशन में रक्त प्रवाह से विषाक्त पदार्थों को हटाने और लिवर को ठीक रखने के लिए भी किया जाता रहा है। नीम बार-बार होने वाले संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकती है।

लिवर और किडनी के लिए लाभ

नीम में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण भी होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में आपके लिए लाभकारी है, इससे लिवर और किडनी के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। लिवर की विषाक्तता को कम करने और इससे संबंधित संक्रमण और बीमारियों के जोखिमों से बचाव के लिए भी नीम की पत्तियों के सेवन को शोधकर्ताओं ने लाभकारी पाया है।

नीम का सेवन करने वाले लोगों में लिवर डैमेज का खतरा भी कम हो सकता है।

डायबिटीज रहता है कंट्रोल

अगर आपका अक्सर ब्लड शुगर बढ़ा हुआ रहता है तो आप नीम के सेवन से लाभ पा सकते हैं। पशुओं पर किए गए अध्ययनों से संकेत मिलता है कि नीम की पत्ती का अर्क मधुमेह की नई दवाओं के लिए एक भी एक नया अवयव हो सकता है। नीम का अर्क उन कोशिकाओं को पुनर्जीवित करने में मददगार पाया गया है जो इंसुलिन का उत्पादन करती हैं। हालांकि मानवों पर इसके अध्ययन का अभाव है।

ऐसे लक्षणों का मतलब बढ़ गया है यूरिक एसिड

यूरिक एसिड, हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण रसायन है जो प्यूरीन नामक पदार्थों के ब्रेक डाउन होने पर निर्मित होता है। प्यूरीन आमतौर पर शरीर में होता है और कुछ खाद्य और पेय पदार्थों में भी पाया जाता है। मैकेरल, सूखे बीन्स, मटर आदि में इसकी मात्रा अधिक होती है। वैसे तो शरीर में यूरिक एसिड की सामान्य मात्रा को नुकसानदायक नहीं माना जाता है पर इसका बढ़ना कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हाई यूरिक एसिड की स्थिति में गठिया, उंगलियों में दर्द, किडनी स्टोन जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए आहार और लाइफस्टाइल को ठीक रखते हुए इसे कंट्रोल में रखना बहुत आवश्यक हो जाता है।

यदि आपका शरीर बहुत अधिक यूरिक एसिड बनाता है या यदि आपकी किडनी ठीक से काम नहीं कर रही है, तो यूरिक एसिड रक्त में जमा हो सकता है। समय के साथ यूरिक एसिड के क्रिस्टल बन सकते हैं और जोड़ों में इकट्ठा होने लगते हैं।

यूरिर एसिड बढ़ने की समस्या

यूरिक एसिड का बढ़ना शरीर में कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकता है। यदि आपके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक रहती है तो यह हाइपरयुरिसीमिया का कारण बन सकती है। हाइपरयुरिसीमिया के कारण यूरिक एसिड तेजी से क्रिस्टल में एक साथ चिपक जाता है। ये क्रिस्टल आपके जोड़ों में जमा होकर गठिया और गाउट की समस्या को बढ़ाने वाले हो सकते हैं साथ ही इससे किडनी में स्टोन होने और किडनी की अन्य समस्याओं का भी जोखिम हो सकता है।

प्यूरीन वाली चीजों का कम करें सेवन

प्यूरीन ऐसे यौगिक हैं जो कुछ खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं। शरीर प्यूरीन को तोड़ता है, यह यूरिक एसिड का उत्पादन करता है।

वजन को कंट्रोल रखें

शराब और शर्करा युक्त पेय पदार्थों से बचें

बच्चों में कितने अलग होते हैं डेंगू के लक्षण और इसकी गंभीरता?

दिल्ली-एनसीआर में मच्छर जनित रोग डेंगू का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। पिछले एक महीने के दौरान अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है, हालांकि ज्यादातर लोग आसानी से ठीक होकर घर वापस लौट रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, राजधानी दिल्ली में इस बार डेंगू के सबसे संक्रामक स्ट्रेन DEN-2 के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, जिसके कारण रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा अधिक हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं सभी लोगों को मच्छरों के काटने से बचाव के लिए उपाय करते रहने की आवश्यकता है, डेंगू का खतरा सभी उम्र के लोगों में हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू वैसे तो सभी लोगों के लिए गंभीर हो सकता है पर बच्चों को इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है। सभी माता-पिता को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को मच्छरों के काटने से सुरक्षित रखें। आइए जानते हैं कि बच्चों में डेंगू के किस प्रकार के लक्षण हो सकते हैं और यह किस प्रकार की जटिलताओं का कारण बन सकता है?

डेंगू के कारण होने वाली समस्याएं

डॉक्टर बताते हैं, डेंगू के मच्छर अक्सर दिन के समय में ज्यादा काटते हैं, इस दौरान बचाव के लिए उपाय करना बहुत आवश्यक हो जाता है। डेंगू संक्रमण की

स्थिति में तेज बुखार की समस्या के साथ सिरदर्द, शारीरिक में दर्द-थकावट और पेट में दर्द की समस्या होने का जोखिम रहता है। डेंगू के हल्के से मध्यम लक्षणों में फ्लू जैसी बीमारी होती है हालांकि इसकी गंभीर स्थिति में डेंगू शॉक सिंड्रोम और रक्तस्रावी बुखार विकसित होने का खतरा रहता है।

डेंगू के गंभीर मामलों में तेजी से ब्लड प्लेटलेट्स भी कम होने लगते हैं।

बच्चों में डेंगू के जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों में डेंगू के लक्षण हल्के या गंभीर दोनों हो सकते है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें यह बीमारी पहली बार हो रही है या वह इसके पहले भी डेंगू के शिकार रहे हैं। हालांकि वयस्कों की तुलना में बच्चों में डेंगू के लक्षण थोड़े अलग हो सकते हैं। बच्चों में उल्टी और पेटीसिया की शिकायत होती है जबकि वयस्कों में मतली और आंखों के पीछे दर्द जैसे लक्षण अधिक आम हैं।

हालांकि डेंगू की गंभीर स्थिति में प्लेटलेट्स कम होने या रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा दोनों में अधिक होता है।

जानलेवा भी हो सकता है ये संक्रमण

डॉक्टर बताते हैं, डेंगू के कुछ मामले गंभीर लक्षणों वाले और जानलेवा भी हो सकते हैं, बच्चों में इसके गंभीर मामलों को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। ब्लड प्लेटलेट्स की मात्रा कम होने की स्थिति में गंभीर रोग का खतरा अधिक होता है। ये स्थिति इंटरनल ब्लीडिंग और यहां तक की मौत का भी कारण बन सकती है।

बच्चों में अगर तीन दिनों से अधिक समय तक बुखार की दिक्कत बनी हुई है और सामान्य उपचार के माध्यम से इसमें आराम नहीं मिल रहा है तो इसकी समय रहते जांच और इलाज कराया जाना जरूरी हो जाता है।

संक्रमण से बचाव की करें उपाय

बच्चों में डेंगू के गंभीर लक्षणों की समय रहते पहचान की जानी चाहिए। बुखार के साथ पेट में तेज दर्द, दवाओं का असर न होना और शरीर में पानी जमा होना (पेट और पैरों में सूजन) संकेत है कि बच्चे को तुरंत आपातकालीन चिकित्सा की आवश्यकता है।

ध्यान देने वाली बात ये है कि डेंगू बुखार का अब तक कोई ज्ञात इलाज नहीं है। इसमें लक्षणों को कम करने वाले तरीकों को प्रयोग में लाया जाता है। यही कारण है कि निरंतर मच्छरों के काटने से बचाव करें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें और घर के आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

खांसी जुकाम के कारण गला बैठ गया

प्रश्न : खांसी जुकाम के कारण गला बैठ गया है। बोलने में तकलीफ होती है। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- मदन गोपाल त्रिवेदी, हैदराबाद

उत्तर : सर्दी - जुकाम को आयुर्वेद में 'प्रतिश्याय' के नाम से जाना जाता है। प्रतिश्याय के चलते संक्रमण स्वरयंत्र तक पहुंच जाता है । और स्वरयंत्र के प्रभावित होने के कारण गला बैठ जाता है। आवाज बदल जाती है। ऐसे में नमक के पानी से गरारे करने से राहत मिलती है। खदिरादि वटी के चूसने से स्वर ठीक होने लगता है। इसमें ऊंझा लवंगादि वटी या यष्टिमधु घनवटी के चूसने से भी आराम मिलता है। ऊंझा कंठ सुधार वटी गले के बैठने की स्थिति में उपयोगी है। इसमें यष्टिमधु मिला रहने से यह कफ को भी आसानी से निकाल देता है। मुलैठी के टुकड़े या मुलैठी घन को चूसने से भी राहत मिलती है। हल्का ज्वर रहने की स्थिति में ऊंझा संशमनी वटी, कफकुठार रस और चौंसठ प्रहरी पिपर लेने से लाभ होता है।

गला बैठने की स्थिति में किसी भी प्रकार का मीठा, मिठाई, नमकीन, तले पदार्थ, ठंडे पेय, आइसक्रीम, कुल्फी व फ्रिज में रखे पदार्थ ना खाएं। दही व बासी भोजन से परहेज करें। हर भोजन के बाद कुल्ली अवश्य करें। सीधा-साधा, गर्म, ताजा, सुपाच्य भोजन ही करें। ज्यादा बोलने और जोर से बोलने से भी बचें। ऐसा करने से अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 24 वर्ष है । काफी कमजोरी आ गई है। हमारे वैद्यजी कहते हैं की पांडु रोग हो गया है। यह क्या है? और इसको दूर करने के उपाय क्या है? कृपा कर बताएं।

- चंद्रबाबू रेड्डी, सिकंदराबाद

उत्तर : पांडु वह रोग है जिसमें रक्त में रक्त कणिकाओं की गुणात्मक और मात्रात्मक कमी होने से रोगी का रंग पीताभ हो जाता है। इसके पूर्व रूप में हृदय में अत्यधिक स्पंदन,(पल्पिटेशन) मुख का सूखना , पसीना कम आना, और शरीर में थकावट होना आदि होते हैं ।

इसके प्रमुख लक्षणों में : पीतभासता, भोजन के पचाने की शक्ति में कमी, भोजन में अरुचि, अत्यधिक लालास्राव, थकावट , कमजोरी, शरीर की

कांति का ह्रास, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, ज्वर, ठंडे पदार्थों से अरुचि, हाथ पैरों में दर्द व ऐंठन, शरीर में भारीपन, श्रम पर श्वासकष्ट आदि मिलते हैं । मोटी भाषा में इसे ₹एनीमिया₹ या खून की कमी भी का सकते हैं ।

ऊंझा मंडूर भस्म को शहद में मिलाकर चाटने से लाभ होता है। ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया, धात्री लोह टिकिया , आमलकी रसायन, लोहासव, पंचासव आदि का भोजन के बाद वैद्यकीय संरक्षण में प्रयोग खून की कमी को दूर करता है।

खट्टे व नमकीन पदार्थ, पचने में भारी भोजन , बहुत अधिक पानी पीना , धूप में फिरना, बहुत ज्यादा मेहनत करना ,अधारणीय वेगों का धारण करना आदि का पाण्डुरोग में निषेध है।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले 2 साल से आंव की शिकायत है। पेट में दर्द रहता है, सुस्ती व कमजोरी रहती है । स्वभाव चिड़चिड़ा हो गया है। कृपया आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- केशव शर्मा, वरंगल

उत्तर : आपकी ये सारे लक्षण संग्रहणी से मिलते हैं। इसमें मंदाग्नि और अपच की तकलीफ रहती है। खाया हुआ अच्छी तरह से पचता नहीं है, इसी कारण कमजोरी और सुस्ती रहती है। आप सुबह शाम ऊंझा कुटजघन वटी एवं औरा ट्रायोगान टेबलेट भोजन के बाद पानी से लेवे। भोजन के बाद ही ऊंझा बिल्वासव 20 मिलीलीटर की मात्रा में 50 मिलीलीटर गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन करने के बाद लेवें। गरिष्ठ भोजन, तले हुए पदार्थ, मैदा व बेसन के बने पदार्थ, मसालेदार व्यंजन का सेवन बंद कर दें। यह चिकित्सा कम से कम 2 मंडल तक करें। एक मंडल 40 दिन का होता है। आपको अवश्य आराम मिलेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

चीनी की जगह खाएं ये 'फायदेमंद चीज', पाचन की समस्या से लेकर इम्युनिटी बढ़ाने तक में इसके लाभ

चीनी के अधिक सेवन को स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से हानिकारक माना जाता है, इससे न सिर्फ ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने का खतरा रहता है साथ ही वजन बढ़ने, मेटाबॉलिज्म की सेहत और हृदय रोगों का भी इससे खतरा हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी लोगों को कम से कम मात्रा में चीनी का सेवन करने की सलाह देते हैं। अगर आप चीनी को पूरी तरह से छोड़ देते हैं, तो यह सेहत को ठीक रखने के लिए सबसे बेहतर माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपकी भी मीठा खाने की आदत रही है और लाख कोशिशों के बाद भी मीठा नहीं छोड़ पा रहे हैं, तो आपको चीनी के स्वस्थ विकल्पों की तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है। गुड़ खाना इसमें आपके लिए सबसे लाभकारी हो सकता है। कई अध्ययनों में विशेषज्ञों ने पाया कि गुड़ न सिर्फ

आपको मीठा स्वाद देता है साथ ही इससे कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ भी हो सकते हैं।

गुड़ खाने के फायदे

अध्यनकर्ताओं ने पाया कि चीनी की जगह गुड़ खाना अच्छा विकल्प हो सकता है, इससे आप कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ भी पा सकते हैं। साल 2015 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, परिष्कृत सफेद चीनी की तुलना में गुड़ अधिक पौष्टिक विकल्प है। गुड़ के सेवन से शरीर के लिए प्रोटीन और पोटेशियम जैसी चीजों की भी पूर्ति की जा सकती है, जिसकी हमारे शरीर को आवश्यकता होती है। इसके अलावा डायबिटीज रोगियों के लिए भी यह अच्छा विकल्प माना जाता है।

डायबिटीज रोगी खा सकते हैं गुड़?

डायबिटीज में गुड़ खाना चाहिए या नहीं, यह लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गुड़ का सेवन चीनी से बेहतर है, डायबिटीज की स्थिति में इसका कम मात्रा में सेवन किया जा सकता है। चीनी की तरह इसके दुष्प्रभाव नहीं हैं, साथ ही यह पाचन और इम्युनिटी को ठीक रखने में भी आपके लिए मददगार है, जो डायबिटीज रोगियों के लिए हमेशा से बड़ी समस्या रही है। हालांकि गुड़ का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक (84) होता है ऐसे में इसका अधिक मात्रा में सेवन करना सेहत के लिए कई प्रकार से दुष्प्रभावों वाला हो सकता है।

बेहतर पाचन में मिलती है मदद

गुड़ खाना आपके पाचन स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से लाभकारी हो सकता है। आयुर्वेद विशेषज्ञों का कहना है कि यह पाचन में मदद करता है और मल त्याग को भी बढ़ावा दे सकता है। कब्ज को रोकने के लिए इसे एक अच्छे विकल्प के तौर पर भी जाना जाता है। भारतीय खाद्य परंपरा में पाचन को बढ़ावा देने के लिए सभी लोगों को भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में गुड़ खाने की सलाह दी जाती है।

एनीमिया की रोकथाम में भी इसके लाभ

एनीमिया गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। भारत में महिलाओं में इसका जोखिम अधिक देखा जाता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि गुड़ खाना आपको एनीमिया के खतरे से बचाने में मददगार हो सकता है।

गुड़ में प्रति 100 ग्राम में लगभग 11 मिलीग्राम आयरन होता है, हालांकि हमेशा ध्यान रखें बहुत अधिक मात्रा में गुड़ का सेवन नहीं किया जाना चाहिए। आयरन के साथ-साथ गुड़ खाना शरीर के लिए और भी कई प्रकार के पोषक तत्वों की पूर्ति करने में सहायक है, ऐसे में इसे सेहत के लिए बेहतर विकल्प माना जा सकता है।

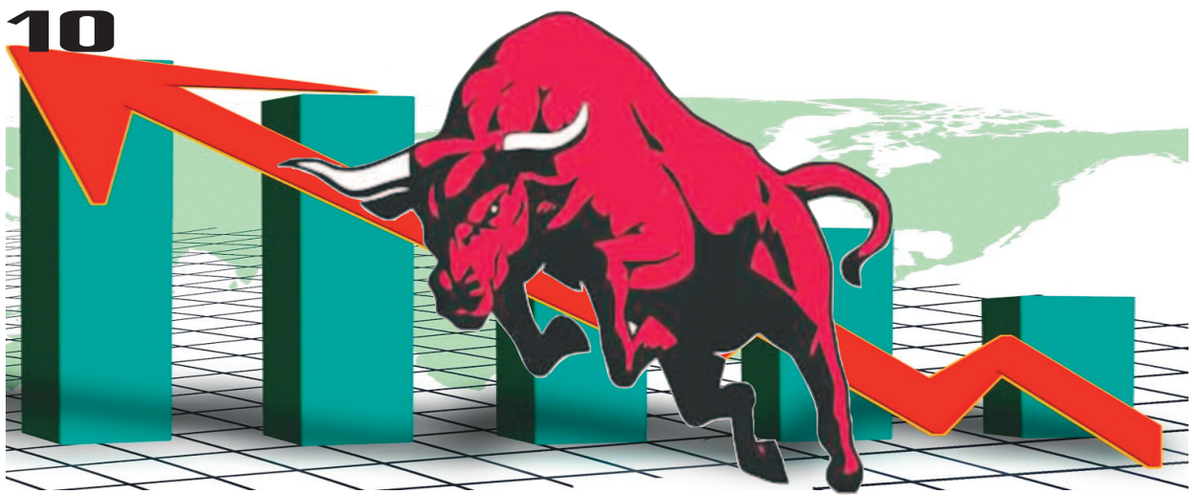

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का एलान

भारत और ब्रिटेन जल्द से जल्द एफटीए को अंतिम रूप देने में जुटे

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत-यूके संबंधों पर सोमवार को अपना पक्ष रखा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी उभरती तकनीकों के साथ वित्तीय सेवाओं को हम फिर से परिभाषित कर रहे हैं। भारत के नए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के साथ, दोनों देशों के लिए सुरक्षित और समावेशी वित्तीय मध्यस्थता के ढांचे पर सहयोग करने के पर्याप्त अवसर माजूद हैं। भारत-यूके ग्रीन ग्रोथ इक्विटी फंड की सफलता बड़े पैमाने पर टिकाऊ वित्त को दिशा देने में सार्वजनिक-निजी भागीदारी का बड़ा उदाहरण है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, .. एफटीए (भारत और ब्रिटेन के बीच) पर निश्चित रूप से कुछ चर्चा हुई - इसके निवेश पहलुओं पर ... दोनों पक्षों का इरादा चर्चा में तेजी लाने का है ताकि कुछ त्वरित समझौतों से एफटीए पर अंतिम रूप से हस्ताक्षर किए जा सकें। हम निवेश वार्ताओं को वस्तु एवं सेवा व्यापार वार्ता के समानांतर चलाने पर सहमत हुए हैं। दोनों पक्षों की उत्सुकता इसे जल्द से जल्द समाप्त करने की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, आज हमने यूके-इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग ब्रिज भी लॉन्च किया है। यह नीति आयोग और सिटी ऑफ लंदन कॉर्पोरेशन के सह-नेतृत्व में एक सहयोगी उद्यम है, जिसका उद्देश्य प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें लागू करने में सामूहिक विशेषज्ञता का उपयोग करना है। हम चुनौतियों से निपटने और दोनों देशों के लिए आने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए सहयोग, विचार-विमर्श और नवाचार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान ब्रिटेन वित्त मंत्री जेरेमी हंट ने कहा, 'हम विशेष रूप से भारत द्वारा पहली पुष्टि के साथ एक बड़ा कदम आगे बढ़ाते हुए खुश हैं कि वह भारतीय कंपनियों की सीधी लिस्टिंग के लिए लंदन स्टॉक एक्सचेंज को एक अंतरराष्ट्रीय गंतव्य के रूप में इस्तेमाल करेगा। इसके साथ-साथ, एक नई पेंशन और बीमा साझेदारी, ज्ञान और विशेषज्ञता-साझाकरण की स्थापना और नए यूके इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग ब्रिज और विकासात्मक गिफ्ट सिटी से जुड़ी एक गहरी साझेदारी भी हुई है। इसलिए, हम वास्तव में संबंधों को मजबूत करने के लिए एक-दूसरे की योजनाओं का समर्थन कर सकते हैं।

इसका अगला कदम एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता और द्विपक्षीय निवेश संधि है।

सैन फ्रांसिस्को जा रहे एअर इंडिया विमान में तकनीकी गड़बड़ी

उड़ान को अलास्का की ओर डायवर्ट किया गया

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू से अमेरिका के सेन फ्रांसिस्को जा रहे एअर इंडिया के विमान को तकनीकी गड़बड़ी के कारण अमेरिकी राज्य अलास्का के एक शहर की ओर डायवर्ट कर दिया गया। विमान में 280 से अधिक यात्री सवार थे। विमानन कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि एयर इंडिया की ओर से अब तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयानजारी नहीं किया गया है। अधिकारी ने बताया कि गड़बड़ी को दूर किए जाने के बाद उड़ान संख्या एआई 175 गंतव्य की ओर रवाना हुई और विमान सोमवार को भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न करीब 10 बजे सेन फ्रांसिस्को पहुंचा।

इस उड़ान का संचालन बी777 विमान के जरिए किया गया था, जिसमें सेन फ्रांसिस्को जाते समय कोई तकनीकी गड़बड़ी पैदा हो गई, जिसके कारण इसे अलास्का के एक शहर एंकोरेज की ओर मोड़ दिया गया। विमान में 280 से अधिक लोग सवार थे और बाद में विमान तय समय से करीब चार घंटे की देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचा। आम तौर पर, बंगलूरू से सेन फ्रांसिस्को तक उड़ान की अवधि करीब 16 घंटे होती है।

सोना और चांदी के दाम में उछाल

जानिए आपके शहर में कितनी बढ़ी कीमत

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। अगर आप सोमवार को सोना और चांदी खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है. मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज यानी वायदा बाजार में सोना और चांदी दोनों ही हरे निशान पर कारोबार रहे हैं. सबसे पहले सोने की बात करें तो यह आज सुबह 58,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला था. इसके बाद इसकी कीमत में कुछ गिरावट आई है और दिन में 12 बजे तक यह 103 रुपये यानी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 59,001 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है. वहीं पिछले कारोबारी हफ्ते की बात करें तो सोना शुक्रवार को एमसीएक्स पर 58,898 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

चांदी के लेटेस्ट रेट -

गौरतलब है कि सोने के साथ-साथ चांदी की कीमत में भी आज बढ़त दर्ज की जा रही है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी आज 71,711 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर खुली है. इसके बाद इसकी कीमत में कुछ और बढ़त दर्ज की गई है और यह दोपहर 12 बजे तक 308 रुपये यानी 0.43 फीसदी बढ़त के साथ 71,871 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई है. पिछले कारोबारी हफ्ते में चांदी 71,653 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

क्या है इंटरनेशनल मार्केट में सोने-चांदी का हाल?

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत बात करें तो इसमें बढ़त का सिलसिला जारी है. इंटरनेशनल मार्केट में सोना 0.44 फीसदी की तेजी के साथ 1,927.10 डॉलर प्रति औंस पर है. वहीं चांदी बात करें तो यह भी कल के मुकाबले 0.79 फीसदी की तेजी के साथ 23.09 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।

प्रमुख शहरों में सोने-चांदी की कीमत-

दिल्ली- 24 कैरेट सोना 59,990 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रही है. मुंबई- 24 कैरेट सोना 59,830 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,000 रुपये प्रति किलोग्राम मिल रही है.कोलकाता- 24 कैरेट सोना 59,830 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रही है. चेन्नई- 24 कैरेट सोना 60,160 रुपये प्रति 10 ग्राम , चांदी 77,500 रुपये प्रति किलोग्राम मिल रहा है. जयपुर- 24 कैरेट सोना 59,990 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रही है।

एमईपी ने दिया चावल निर्यातकों को झटका

सस्ती दर पर किए गए सौदों पर भी संकट

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र ने विभिन्न देशों में भारत से निर्यात होने वाले बासमती चावल का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 1,200 डॉलर प्रति मीट्रिक टन तय कर दिया है। बासमती के नाम पर विदेश में बेची जाने वाली गैर-बासमती चावल पर रोक लगाने के लिए सरकार ने ऐसा किया है। कच्चे गैर-बासमती चावल पर रोक के बाद यह देशभर के चावल निर्यातकों के लिए दूसरा सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। इससे निर्यातकों के पहले से ही सस्ती दर पर किए गए सौदों पर भी संकट आ गया है। निर्यात में बड़ी गिरावट की भी आशंका उत्पन्न हो गई हैं। वहीं, घरेलू बाजार में चावल सस्ता होने की संभावना जताई जा रही है।

160 देशों में किया जाता है चावल निर्यात

देशभर में करनाल के केंद्रीय मृदा एवं लवणता अनुसंधान संस्थान की ओर से निकाली गई सीएसआर-30 बासमती को ही परंपरागत बासमती कहा जाता है। लेकिन, कुछ वर्षों से अन्य किस्मों का भी निर्यात तेजी से बढ़ा है। ये बासमती तो नहीं हैं, लेकिन काफी हद तक उसके जैसी जरूर हैं। यह बासमती चावल से सस्ता होता है। भारत से 160 देशों में बासमती चावल निर्यात होता है।

15 सितंबर के बाद सरकार करेगी समीक्षा

बासमती के नाम पर गैर-बासमती चावल का भी तेजी से निर्यात हो रहा है। विदेश में साख बनाए रखने और विदेशी मुद्रा का अर्जन बढ़ाने के लिए केंद्र ने अब न्यूनतम निर्यात मूल्य तय कर दिया है, जो 1,200 डॉलर प्रति मीट्रिक टन है। सरकार ने इसे 15 सितंबर तक के लिए लागू किया है। इसके बाद समीक्षा होगी। -डॉ.रितेश शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान।

त्योहारों से पहले फीका हुआ पकवानों का स्वाद, चीनी के बढ़ते दाम ने बिगाड़ा किचन का बजट

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पहले टमाटर, फिर प्याज और अब चीनी की कीमतों ने लोगों के किचन का बजट बिगाड़ दिया है। चीनी की कीमतें लगातार बढ़ रही है। वहीं अभी इसमें राहत मिलने की उम्मीद भी नहीं है। घरेलू चीनी की कीमतें बढ़ रही हैं और जानकारों की माने तो 2-3 महीनों तक ऊंची रहने की उम्मीद है , लोगों को राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। स्थानीय चीनी की कीमतें पिछले तीन हफ्तों में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। इसका कारण उत्पादन पर चिंता के साथ-साथ नाजुक बैलेंस शीट (30 सितंबर को 6 मिलियन टन स्टॉक बंद होने का अनुमान - त्योहार के महीनों में दो महीने की खपत के लिए मुश्किल से पर्याप्त) और देरी के कारण है।जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि त्योहारों में देरी (इसलिए श्रम की उपलब्धता) और मिलों द्वारा वसूली के स्तर को अनुकूलित करने के प्रयासों के कारण पेराई सीजन की शुरुआत से लेकर नवंबर के अंत (आमतौर पर मध्य अक्टूबर) तक यह बना रहेगा।भारत तीन वर्षों से दुनिया के अग्रणी निर्यातकों में से एक रहा है और भारत के चीनी उत्पादन अनुमान और नगण्य/शून्य निर्यात की संभावना पर चिंताओं के कारण वैश्विक चीनी कीमतें 12 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है,लेकिन निर्यात की कमी को देखते हुए इससे स्थानीय उत्पादकों को ज्यादा मदद नहीं मिलती है। साथ ही, किसी भी आयात की कमी को देखते हुए स्थानीय कीमतों का वैश्विक कीमतों के साथ कोई प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है, और सरकार अपने मासिक रिलीज तंत्र उपाय के माध्यम से स्थानीय कीमतों को प्रभावित करती है। पिछले महीने की शुरुआत में, इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) ने एसएस24 (अक्टूबर 23-सितंबर 24) के लिए 31.7एमएनटी का प्रारंभिक चीनी उत्पादन (शुद्ध) अनुमान लगाया है। लेकिन, अगस्त'23 पूरे देश में शुष्क अवधि रही है, विशेष रूप से महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों में (ये दोनों राज्य भारत के उत्पादन का 45-50 प्रतिशत हिस्सा हैं), इससे उत्पादन अनुमानों में और कटौती का खतरा पैदा हो गया है। हमारा अनुमान है कि एसए24ई के लिए भारत में चीनी का उत्पादन (शुद्ध उत्पादन, 4.5 मिलियन टन का डायवर्जन के बाद) 30 मिलियन टन होगा।

पीएमएलए अदालत में पेश किए गए जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल

बैंक से 538 करोड़ की धोखाधड़ी का है आरोप

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बैंक के साथ 538 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी गोयल को हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद मुंबई में विशेष पीएमएलए अदालत में ले गए। केनरा बैंक से 538 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने शुक्रवार (1 सितंबर) की देर रात गोयल को गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद 74 वर्षीय गोयल को शनिवार को मुंबई में विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया था। जहां ईडी ने उनकी हिरासत की मांग की थी और अदालन ने उन्हें 11 सितंबर तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया था।

गोयल ने लोन के पैसे से खरीदे फर्नीचर और आभूषण, ऐशो-आराम में उड़ाए पैसे : ईडी

इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिमांड की मांग करते हुए अदालत को बताया था कि गोयल ने उधार लिए गए पैसे का इस्तेमाल व्यक्तिगत लाभ और ऐशो-आराम में किया। इसके अलावा लोन राशि का दुरुपयोग नाजायज उद्देश्यों के अलावा फर्नीचर, परिधान और आभूषण जैसी चीजें खरीदने के लिए किया गया। जेआईएल के फंड का इस्तेमाल गोयल ने अपने आवासीय कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने और उनकी बेटी के स्वामित्व वाली एक उत्पादन कंपनी के परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए भी किया गया। इसके अलावा विभिन्न व्यक्तियों, संस्थाओं को पेशेवर और परामर्श शुल्क के भुगतान की आड़ में भी धन की हेराफेरी का दावा किया गया है।

जेट एयरवेज, नरेश गोयल, उनकी पत्नी अनीता गोयल और कंपनी के कुछ पूर्व अधिकारियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला केनरा बैंक से 538 करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी से जुड़ा है। इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने केनरा बैंक की शिकायत पर गोयल दंपती और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। ईडी ने मामले की जांच सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी मामले में गोयल, उनकी पत्नी अनिता और कंपनी के कुछ पूर्व अधिकारियों को आरोपी बनाया है। बैंक ने सीबीआई को शिकायत की थी कि उसने जेट एयरवेज लिमिटेड (जेएएल) को 848.86 करोड़ रुपये का कर्ज दिया था, जिसमें से 538.62 करोड़ रुपये अब भी बकाया हैं। इस खाते को 29 जुलाई, 2021 को फ्रॉड घोषित कर दिया गया था।

फोरेंसिक ऑडिट से खुलासा

बैंक का आरोप था कि कंपनी की फोरेंसिक ऑडिट से पता चला कि गोयल ने अपनी अन्य कंपनियों को 1410.41 करोड़ रुपये कमीशन के रूप में भुगतान किया और जेट का पैसा बाहर भेजा। सहयोगी कंपनियों को कर्ज और अन्य निवेश के जरिये भी भुगतान किया गया।

जी20 की बैठक के नतीजों ने शेयर बाजार में भरा जोश

पहली बार निफ्टी 20,000 के पार, सेंसेक्स 528 अंकों के उछाल के साथ बंद

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए आज के दिन बेहद ऐतिहासिक है. नेशल स्टॉक एक्सचेंज का इंडेक्स निफ्टी पहली बार 20,000 के आंकड़े को पार करने में सफल रहा है. निफ्टी को 19,000 से 20,000 के आंकड़े को छूने में कुल 52 ट्रेंडिग सेशन लगे हैं. अडानी समूह के स्टॉक्स और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के चलते निफ्टी ने माइलस्टोन हासिल किया है. वहीं बीएसई सेंसेक्स एक बार फिर 67,000 के पार जाने में सफल रहा है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 550 अंकों के उछाल के साथ 67,156 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 180 अंकों के उछाल के साथ 20,000 के लेवल पर बंद हुआ है।

निफ्टी पहली बार 20,000 के पार

शेयर बाजार में देसी विदेशी निवेशकों की जोरदार खरीदारी के चलते निफ्टी में जैसे ही 180 अंकों की तेजी निफ्टी 20,000 के ऐतिहासिक आंकड़े को पार करने में सफल हो गया। निफ्टी 20008 अंकों तक जा पहुंचा।निफ्टी को 19,000 से 20,000 के आंकड़े को छूने में कुल 52 ट्रेंडिग सेशन लगे हैं।

सेक्टर का हाल

आज शेयर बाजार में मीडिया छोड़कर सभी सेक्टर्स के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुआ। बैंकिंग स्टॉक्स में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली है। बैंक निफ्टी 414 अंकों के उछाल के साथ 45,570 अंकों पर बंद हुआ। वहीं आईटी, ऑटो, एनर्जी, एफएमसीजी, मेटल्स, फार्मा, हेल्थकेयर, जैसे सेक्टर के शेयर हरे निशान में बंद हुए. मिड कैप स्टॉक्स में फइर जोरदार खरीदारी देखने को मिली है जिसके चलते निफ्टी का मिड कैप इंडेक्स 466 अंकों के उछाल के साथ 41,444 अंकों पर बंद हुआ है। स्मॉल कैप इंडेक्स 170 अंकों के उछाल के साथ 12,982 अंकों पर क्लोज हुआ है. निफ्टी के 50 शेयरों में 45 शेयर तेजी के साथ जबकि 5 शेयर गिरकर बंद हुए. जबकि सेंसेक्स के 30 शेयरों में 28 शेयर तेजी के साथ और केवल दो गिरकर बंद हुए।

मार्केट कैप ऐतिहासिक लेवल पर

शेयर बाजार में जोरदार तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में भारी इजाफा देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 324.25 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले ट्रेंडिंग सेश में 320.92 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेडिंग सेशन में मार्केट कैप में 3.33 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

मल्टी एसेट फंड निवेश के लिए आकर्षक, रिटर्न में जोखिम का समायोजन

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)। यर बाजार फिर से 66,000 के पार है। ब्याज दरें भी ऊंची बनी हुई हैं। सोने की कीमतें 60 हजार प्रति 10 ग्राम के आस पास । विश्लेषकों का मानना है कि यह तीनों निवेश के साधन आगे और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। निफ्टी इस साल जहां 20,500 के पार हो सकता है, वहीं सोना भी 63-65 हजार के दायरे में रह सकता है। ब्याज दरें दिसंबर तक ऊंची ही रहेंगी।

में मल्टी एसेट फंड निवेश के लिए बेहतर साधन है। यह एक ऐसा फंड है जो आपके 100 रुपये के निवेश को इन तीनों साधनों में लगाता है। इसमें सबसे ज्यादा निवेश इक्विटी में किया जाता है। कई संपत्तियों में निवेश से लंबे समय में बेहतर जोखिम समायोजित रिटर्न मिलता है। मल्टी-एसेट इक्विटी फंड डेट और सोने में निवेश करता है। इन तीन परिसंपत्तियों में होने वाली हलचलों का संबंध एक-दूसरे से नहीं होता है, क्योंकि उनके काम अलग-अलग हैं। मल्टी-एसेट दृष्टिकोण अपनाया जाता है तो पोर्टफोलियो विविधीकरण और सही संपत्तियों में निवेश होता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 06-07 सूर्य अस्त- 18-17
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 02 -21 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष , मंगलवार 12 September
नक्षत्र - आश्लेषा - 23-01 -तक उपरान्त मघा
योग - शिव - 01 - 10 - तक उप सिद्ध
करण- गर - 13 -06 - तक उप- वणिज
विशेष:- भौम प्रदोष व्रत-उपवास
व्रत -त्योहार - पर्युषण पर्व प्रारंभ

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	04-22 बजे
चंद्र-	कर्क में	कन्या..	06-28 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	08-33 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	10-42 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	12-58 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	15-03 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	16-54 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-31 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-08 बजे
		वृष--	21-52 बजे
		मिथुन..	23-54 बजे
		कर्क...	02-05 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:16 से 16:48 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:07 - 07:37 अशुभ	काल.	18:17 - 19:48 अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:09 अशुभ	लाभ	19:48 - 21:16 शुभ
चंचल	09:09 - 10:40 शुभ	उत्पात	21:16 - 22:44 अशुभ
लाभ	10:40 - 12:12 शुभ	शुभ.	22:44 - 00:12 शुभ
अमृत	12:12 - 13:44 शुभ	अमृत	00:12 - 01:41 शुभ
काल	13:44 - 15:16 अशुभ	चंचल	01:41 - 03:09 शुभ
शुभ	15:16 - 16:48 शुभ	रोग	03:09 - 04:37 अशुभ
रोग	16:48 - 18:17 अशुभ	काल	04:37 - 06:07 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है जिससे आपको सफलता मिलेगी। लेकिन आपको ऐसी किसी भी चीज़ से बचना चाहिए जो आपकी ताकत को नष्ट करे। प्राचीन वस्तुओं और गहनों में निवेश लाभ और समृद्धि लाएगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना सुखद रहेगा।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपका झगड़ालू स्वभाव आपके शत्रुओं की सूची में शामिल हो सकता है। किसी को भी आपको इतना गुस्सा न करने दें कि आप बाद में पछताएं। बिना उचित सलाह के निवेश करने से हानि होने की संभावना है। यदि आप सभी की मांगों का ध्यान रखने की कोशिश करेंगे तो आप कई अलग-अलग दिशाओं में बिखर जाएंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप पार्टी में हीन भावना से ग्रसित हो सकते हैं। इसके बिना सकारात्मक सोच से खुद को इससे उबरने के लिए प्रोत्साहित करें- आप आत्मविश्वास नहीं रख पाएंगे। दिनभर के लिए जीने और मनोरंजन पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने की अपनी प्रवृत्ति पर ध्यान दें। अगर आप उनके साथ समय नहीं बिताएंगे तो प्रियजन नाराज़ हो सकते हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के बीच ख़ुशियाँ तलाशने की ज़रूरत है। आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन या किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते समय आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपकी कम जीवन शक्ति सिस्टम में पुराने ज़हर की तरह काम करेगी। बेहतर होगा कि आप खुद को किसी रचनात्मक काम में लगाएं और बीमारी से लड़ने के लिए प्रेरित करते रहें। अपने अतिरिक्त पैसे को एक सुरक्षित स्थान पर रखें जो आने वाले समय में आपको रिटर्न देने का वादा करेगा।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

भागदौड़ भरे दिन के बावजूद सेहत उत्तम रहेगी। संपत्ति के सौदे फलीभूत होंगे और शानदार लाभ देंगे। कोई ऐसा व्यक्ति जिसके साथ आप रहते हैं, आपके आकस्मिक और अप्रत्याशित व्यवहार से निराश और परेशान हो सकता है। सिर्फ खुद को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने पार्टनर से झगड़ सकते हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अपनी लंबी बीमारी को ठीक करने के लिए स्माइल थेरेपी का प्रयोग करें क्योंकि यह सभी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा एंटीडोट है। निवेश करने और सट्टा लगाने के लिए दिन अच्छा नहीं है। आपके लुक्स में किए गए कुछ बदलाव परिवार के सदस्यों को नाराज़ कर सकते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

काम का दबाव और घर में अनबन कुछ तनाव दे सकती है। लंबित मुद्दे अस्पष्ट हो जाते हैं और ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाते हैं। दोस्त निजी जीवन को लेकर आपको अच्छी सलाह देंगे। अपने प्रिय की वफादारी पर शक न करें। ऐसा लगता है कि कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ आज फरिश्तों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप अपने परिवार की खातिर अपनी खुशियों का त्याग करेंगे। लेकिन यह किसी भी रुचि और अपेक्षाओं से रहित होना चाहिए। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था उन्हें आज आर्थिक नुकसान हो सकता है। आज आपके पास सीमित धैर्य होगा- लेकिन सावधान रहें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपका उदार रवैया भेष में एक आशीर्वाद होगा क्योंकि आप संदेह, बेवफाई, अवसाद, विश्वास की कमी, लालच, मोह, अहंकार और ईर्ष्या जैसे कई दोषों से मुक्त होने की संभावना रखते हैं। जमीन-जायदाद और आर्थिक लेन-देन के लिए दिन शुभ है। परिवार के सदस्यों का हँसमुख स्वभाव घर के वातावरण को हल्का करेगा।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

गर्भवती माताओं के लिए विशेष देखभाल का दिन। दिन के उत्तरार्ध में आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज कोई ऐसा व्यक्ति जिसके मन में आपके प्रति दुर्भावना थी, वह मामले को सुलझाने की कोशिश करेगा और इसे आप तक पहुचायेगा। आपके प्रेमी या प्रेमिका आज पारिवारिक परिस्थितियों के कारण नाराज़ रह सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

मानसिक भय आपको परेशान कर सकता है। सकारात्मक सोच और उज्जवल पक्ष को देखने से यह दूर रहेगा। अचानक आए अप्रत्याशित ख़र्चों से आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। दोस्त आपको एक सुखद शाम के लिए अपने घर आमंत्रित करेंगे। पूरे ब्रह्मांड का परमानंद उन दोनों के बीच होता है जो प्यार में हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

जी20 समिट में बंदर भगाने की नौकरी, सैलरी 20 हजार

लंगूर से ट्रेनिंग ली, पीएमओ से बंदर भगाए, तो पूरे परिवार को मिल गया रोजगार

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'मेरे पास एक लंगूर था। मंगल सिंह नाम था उसका। वो सरकारी ऑफिसों से बंदर भगाता था, मुझे पैसे मिलते थे। 11 साल पहले सरकार ने बंदर भगाने के लिए लंगूर के इस्तेमाल पर रोक लगा दी। लगा जैसे मेरा काम छिन गया। मैं देखता था कि मेरा लंगूर कैसी आवाज निकालता है। मैं उसी की तरह आवाज निकालकर बंदर भगाने लगा। अफसरों ने मेरा हुनर देखा और मुझे यही काम दे दिया।'

ये गुल खान हैं। उम्र, 42 साल। 23 साल से दिल्ली में बंदर भगाने का काम कर रहे हैं। जी20 समिट के दौरान भी उन्हें यही जिम्मेदारी मिली। समिट के वेन्यू प्रगति मैदान के आसपास इंडिया गेट, लाल किला, कर्तव्य पथ और कनॉट प्लेस एरिया में काफी बंदर हैं। ये बंदर झुंड में घूमते दिख जाते हैं।

जी20 समिट के दौरान इनकी ड्यूटी जंतर-मंतर, संसद भवन, इंडिया गेट, लाल किला, चाणक्य पुरी, कनॉट प्लेस और सरदार पटेल मार्ग के आसपास थी। सभी बड़े मंत्रालय, सरकारी विभाग और वीवीआईपीज के घर इन्हीं इलाकों में हैं। एरिया के हिसाब से एक से तीन कलंदर तैनात किए गए। ड्यूटी का टाइम सुबह 8 से रात 8 बजे तक तय था। बंदर भगाने के इस काम को सरकार ने 'एसेंशियल सर्विस' माना।

चाणक्यपुरी और सरदार पटेल मार्ग के पास लंगूर के बड़े कटआउट भी लगाए गए। बंदर लंगूरों के कटआउट के पास नहीं आएंगे, क्योंकि वे उन्हें देखकर डर जाते हैं। बंदरों को हटाया नहीं जा सकता। उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता या मारा नहीं जा सकता। इसलिए ये तरीका अपनाया।' हालांकि, बंदर भगाने वाले 45 साल के अल्ताफ खान इसे गलत बताते हैं। वे कहते हैं कि बंदर कागज के पुतलों से नहीं डरते। जी20 समिट के दौरान अल्ताफ खान की ड्यूटी पीएमओ पर लगी थी।

गुल खान बताते हैं, 'मेरे अब्बू अकबर खान 40 साल पहले 1983 में लखनऊ से दिल्ली आए थे। हम बंजारा समुदाय से आते हैं। अब्बू बंदर और भालू का नाच दिखाते थे। मेरे दादा भी यही काम करते थे। लखनऊ में परिवार बढ़ा तो अब्बू को ज्यादा पैसों की जरूरत पड़ी। वे अम्मी और चार बच्चों के साथ दिल्ली आ गए।'

गुल खान कहते हैं, 'हम बहुत गरीब थे। सड़क पर जहां जगह मिलती, वहीं झुग्गी डालकर रहने लगते थे। अब्बू को देखकर मैं भी बंदर का खेल दिखाना सीख गया। तब मैं 17 साल का था। तब प्रधानमंत्री का काफिला सड़क से निकलता था, उसके बाद सभी पुलिसवाले एक साथ चाय की टपरी पर बैठते थे। वे बंदर का नाच देखने के लिए मुझे बुलाते थे। मैं उन्हें 5 मिनट खेल दिखाता, बदले में कभी 20 तो कभी 50 रुपए मिल जाते थे।'

गुल खान बताते हैं, 'साल 2000 की बात है। मेरी उम्र 18 साल थी। एक दिन पुलिसवालों को बंदर का खेल दिखा रहा था। तभी मुझे सब इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार मिले। उन्होंने पूछा कि दिल्ली से बंदरों को कैसे भगा सकते हैं? मैंने जवाब दिया- बंदर लंगूर से डरते हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि लंगूर ले आ। मैं तुझे किसी अफसर के ऑफिस में काम दिलवा दूंगा। मेरे पास लंगूर नहीं था, क्योंकि हम तो बंदर का नाच दिखाते थे।'

'मेरे समुदाय के लोग सपेरों, मछली पालने वालों और मधुमक्खी का छत्ता निकालने वालों के कॉन्टैक्ट में रहते हैं। लंगूर की डिमांड आई, तो मैं पटेल नगर गया। वहां एक योगी बाबा रहते थे। बाबाजी के पास मंगल सिंह नाम का लंगूर था। उन्होंने मुझसे कहा कि मैंने इसे बच्चे की तरह पाला है। यही मेरा परिवार है। बाबाजी बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके लिए लंगूर पालना मुश्किल था। उन्होंने वो लंगूर मुझे दे दिया।'

'अगले दिन मैं लंगूर लेकर एसआई राजेंद्र कुमार के पास गया। वे मुझे विदेश मंत्रालय ले गए। मुझे जॉइंट सेक्रेटरी और केयरटेकर से मिलवाया। दोनों ने मुझे डेमो दिखाने के लिए कहा। मंत्रालय की बिल्डिंग पर बंदरों का झुंड बैठा था। मैंने लंगूर की मदद से उन्हें भगा दिया। ये देखकर दोनों अफसरों ने मुझे काम दे दिया। 2000 के जनवरी महीने से मैं विदेश मंत्रालय में काम कर रहा हूं। इस एक मौके ने मेरे परिवार का जीवन बदल दिया। मेरे भाई फिरोज, अल्ताफ और अमजद भी मेरे साथ बंदर भगाने लगे।'

2012 में पर्यावरण मंत्रालय ने बंदरों को भगाने के लिए लंगूर के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी।

लंगूर रखने, खरीदने-बेचने या किराए पर देने पर तीन साल की सजा या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। गुल बताते हैं, 'नोटिस आने के बाद हमें भविष्य खतरे में दिखने लगा। मेरे परिवार के सभी लोग इसी पेशे में थे। अफसरों ने हमसे कहा कि अपने लंगूर दे दो, ताकि उन्हें चिड़ियाघर में रख सकें। हमने उन्हें लंगूर देने की बजाय जंगल में छोड़ दिए। मैंने 12 साल लंगूर पाला था।'

'लंगूरों पर बैन के बाद विदेश मंत्रालय में मुझे बुलाया गया। अफसरों ने कहा कि बंदरों से बहुत परेशानी हो रही है। मैंने कहा कि मैं बिना लंगूर के भी बंदरों को भगा सकता हूं। किसी ने मेरी बात पर भरोसा नहीं किया। मंत्रालय का स्टाफ ही डंडे-लाठियों से बंदर भगाने लगा था। मेरा काम बंद हो गया।' '4 महीने बाद मंत्रालय से केयरटेकर का फोन आया। उन्होंने कहा कि बंदर भाग नहीं रहे हैं। आकर दिखाओ, कैसे बंदर भगाओगे। मैं गया, चेहरे पर रुमाल बांधा और लंगूर की आवाज निकाली। मुझे देखकर बंदर भाग गए। अफसरों ने मुझे फिर काम पर रख लिया।'

'कुछ दिन बाद पीएमओ के एक कमरे में बंदर घुस गया। मुझे वहां बुलाया गया। लंगूर की आवाज निकालकर मैंने बंदर को बाहर निकाला। मेरा हुनर देखकर म्यूनिसिपल काउंसिल ने पीएमओ, साउथ ब्लॉक, नॉर्थ ब्लॉक, इंडिया गेट पर भी मेरे जैसे लोगों को बुलाने के लिए कहा। मैं अपने भाइयों को ले गया। तब जसवंत सिंह वित्त मंत्री थे। मेरा भाई अमजद उनके यहां काम करने लगा। ऐसे अलग- अलग विभागों और मंत्रालयों में डिमांड बढ़ने लगी।'

गुल खान का पूरा परिवार बंदर भगाने में एक्सपर्ट है। उनके परिवार के 250 से 300 लोग चंडीगढ़, लखनऊ, गाजियाबाद और दिल्ली में यही काम करते हैं। दिल्ली में एनडीएमसी उनके साथ एक साल का कॉन्ट्रैक्ट करता है, जो हर साल रिन्यू हो जाता है। दिल्ली में ही करीब 100 लोग ये काम करते हैं। ये लोग अलग-अलग मंत्रालयों और सेंट्रल

> हम बचपन से कुत्ता या बंदर पालते हैं। हमें उनकी आदतें पता होती हैं। वे कब बुरा मानते हैं, कब खुश होते हैं।
>
> **गुल खान**

दिल्ली में तैनात रहते हैं। बदले में 15 से 20 हजार रुपए महीना सैलरी मिलती है।

गुल खान के भाई अल्ताफ की ड्यूटी भी जी20 समिट में लगी थी। वे 23 साल से पीएमओ में बंदर भगाने का काम कर रहे हैं। अल्ताफ कहते हैं, 'मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं, जो मुझे जी20 का हिस्सा बनने का मौका मिला। हमारे हुनर ने हमें पहचान दी है। पुलिस की तरह हम भी देश की सेवा कर रहे हैं।'

'बंदर भगाने के लिए लंगूर की फोटो लगाई गई थीं, लेकिन जिंदा और फोटो में फर्क होता है। बंदर फोटो से नहीं डरते। जो हलचल करता है, उससे डरकर भागते हैं। इसीलिए हमें जी20 समिट के लिए रखा गया। गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर भी हमारी ड्यूटी लगती है।'

अल्ताफ बताते हैं, 'हमारा काम खानदानी है। मैं बचपन में पिता को देखता था। मैंने उनसे बंदर को ट्रेंड करना सीखा। मैं बंदर को नाचना सिखाता था। फिर विजय चौक पर तमाशा दिखाकर पैसे कमा लेता था। तभी उनकी बोली सीख ली। हमें बंदरों के साथ रहना आता है। उनसे डर नहीं लगता।'

अल्ताफ महीने के 15 हजार रुपए कमाते हैं। उनके 5 बच्चे हैं। अल्ताफ को देखकर कभी-कभी वे भी लंगूर की आवाज निकालने की कोशिश करते हैं। गुल खान की तरह अल्ताफ भी नहीं चाहते कि उनके बच्चे ये काम करें। वे कहते हैं, 'हम चाहते तो हैं कि बच्चे ये काम सीखें, लेकिन अब वक्त बदल गया है। इसलिए बच्चे पढ़ाई करें, आगे बढ़ें।'

45 साल के फिरोज खान प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के दफ्तर में बंदर भगाते थे। उनके पास अंजलि नाम की लंगूर थी। 8 साल काम करने के बाद फिरोज की तबीयत खराब रहने लगी। डॉक्टर ने किडनी में दिक्कत बताई। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इसलिए फिरोज के दोनों बेटे 25 साल के मुस्तफा और 24 साल के कबीर पिता का काम करने लगे।

10वीं पास मुस्तफा कहते हैं, 'हमारा परिवार भालू, बंदर, सांप और बिच्छू पकड़ने का काम करता था। इसलिए मैं बंदरों को भगाने से कभी डरा नहीं। मैं इसके लिए तैयार था। बंदर हमला करने वाले होते हैं, तो मैं उन्हें डराने के लिए आवाज निकालता हूं।'

8वीं तक पढ़े मुस्तफा के भाई कबीर बताते हैं, 'बचपन में मैं पापा के साथ पीएमओ जाता था। उन्हें देखकर मैं भी लंगूर की आवाज निकालना सीख गया। पहले मुझे डर लगता था।

सेंट्रल दिल्ली में लाल मुंह वाले बंदर बहुत हैं। ये खाना या कोई सामान छीन लेते हैं। घरों में तोड़फोड़ करते हैं। 2007 में दिल्ली के डिप्टी मेयर रहे 52 साल के एस.एस. बाजवा बंदरों को छड़ी से भगाते वक्त बालकनी से गिर गए थे। इससे उनकी मौत हो गई थी। 2017 में दिल्ली नगर निगम चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने घोषणा पत्र में कहा था कि यदि पार्टी जीती तो बंदरों से हो रही समस्या खत्म कर देगी। लंगूर पालने या खरीदने-बेचने पर लगी रोक के बाद न्यू दिल्ली म्यूनिसिपल काउंसिल ने बंदर भगाने वाले 30 लोगों के कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिए थे। तब गुल खान और उनके साथियों को हर महीने 10 हजार रुपए मिलते थे।

2012 में म्यूनिसिपल काउंसिल ने बंदर पकड़ने वालों को रखा था। उनके पास एक जालनुमा रस्सी होती थी, जिसे बंदरों पर डालकर उन्हें पकड़ लिया जाता था। पकड़े गए बंदरों को जंगल में छोड़ देते थे। वाइल्ड लाइफ एक्टिविस्ट के विरोध के बाद 6 महीने बाद ही सब बंद करना पड़ा।

ट्रेनें रद्द करने के खिलाफ आंदोलन कल

सीएम भूपेश बघेल बोले- केंद्र को सिर्फ कोयले से मतलब, आम जनमानस से नहीं

दुर्ग, 11 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रविवार शाम दुर्ग में कोरिया यादव समाज के सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे। पुराना बस स्टैंड में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने 13 सितंबर को होने वाले महा आंदोलन का शंखनाद किया। कहा कि केंद्र सरकार जिस तरीके से यात्री ट्रेनों को बंद करके सिर्फ गुड्स ट्रेनों को चला रही है, उसके विरोध में महा आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन में कांग्रेसी सहित आम जनमानस बड़ी संख्या में भाग लेगा। मुख्यमंत्री बघेल ने मीडिया से कहा कि, केंद्र सरकार सिर्फ कोयला ढुलाई पर ध्यान दे रही है। उसे आम लोगों की दिक्कतों से कोई वास्ता नहीं है। यह कारण है कि लगातार यात्री ट्रेनों को रद्द किया जा रहा है और गुड्स ट्रेनों को चलाया जा रहा है। लोगों की समस्या को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार से यात्री सुविधाओं के विस्तार की मांग की है।

खेलो झारखंड का एंथम और लोगो आया सामने

रांची, 11 सितंबर (एजेंसियां)। खेलो झारखंड में इस वर्ष स्कूल स्तर एवं प्रखंड स्तर पर खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ी है। राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में कई जिलों की टीम ने पहली बार भाग लिया है। हमने खेलो की संख्या को बढ़ा कर 28 किया है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी किसी एक खेल में जरुर भाग ले। इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए छात्र-छात्राओं को जागरूक करने एवं उन्हें प्रेरित करने के लिए खेलो झारखंड एंथम तथा राज्य के जिले, प्रमंडल, विभिन्न खेलों, ओलंपिक एवं देश प्रेम से जुड़ा प्रतीक चिन्ह का निर्माण किया है। परियोजना निदेशक किरण पासी ने शिक्षा परियोजना सभागार में खेलो झारखंड के लोगो और थीम सांग के लांचिंग के मौके पर उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा हमारा विभाग बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ खेल पर विशेष ध्यान दे रही है।

अपराधियों ने की बमबाजी

जीटी रोड के खालसा होटल में फोड़ा बम, रंगदारी के लिए घटना को अंजाम देने की आशंका

धनबाद, 11 सितंबर (एजेंसियां)। धनबाद के गोविंदपुर-रतनपुर जीडी रोड स्थित चर्चित लाइन होटल खालसा में अपराधियों ने बमबाजी की है। घटना सुबह तकरीबन नौ बजे की बतायी जा रही है। आशंका जतायी जा रही है कि अपराधियों ने रंगदारी मांगने को लेकर दहशत फैलाने के लिए घटना को अंजाम दिया है। बमबाजी की घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची। पुलिस सीसीटीवी फुटेज देख अपराधियों की धरपकड़ शुरू कर दी है। वहीं जांच भी जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक पर सवार होकर दो अपराधी आए और खालसा होटल के मुख्य दरवाजे पर बम पकट कर चलते बने। घटना की सूचना पाकर डीएसपी अमर कुमार पांडे एवं पुलिस इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार ने घटनास्थल पहुंचे। होटल में मौजूद कर्मचारियों से जानकारी ली।

इसके बाद सीसीटीवी की जांच की गयी। सीसीटीवी की जांच में अपराधियों के बाइक से आने की जानकारी मिली। पर सीसीटीवी में अपराधियों का चेहरा स्पष्ट नहीं दिख रहा। जो भी फुटेज उपलब्ध हैं, उसके आधार पर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

रायपुर से रवाना हुआ भाजपा का 'चुनावी' रथ

प्रदेश प्रभारी माथुर–जामवाल ने की पूजा, आज दंतेवाड़ा से परिवर्तन यात्रा, शाह दिखाएंगे हरी झंडी

रायपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी की परिवर्तन यात्रा का रथ सोमवार को प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर से दंतेवाड़ा और जशपुर के लिए रवाना हो गया। प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, संगठन महामंत्री पवन साय समेत पार्टी के अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में रथ का विधिवत पूजन कर रवाना किया गया।

12 सितंबर को दंतेवाड़ा और 16 सितंबर को जशपुर से बीजेपी की परिवर्तन यात्रा निकलेगी। जहां केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 12 सितंबर को दंतेवाड़ा से रथ यात्रा का शुभारंभ करेंगे। वहीं जशपुर से शुरू होने वाली परिवर्तन यात्रा के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 15 सितंबर को छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे। रथ के साथ एलईडी स्क्रीन वाले प्रचार वाहन भी तैयार किए गए हैं।

87 विधानसभा क्षेत्रों की 2,989 किलोमीटर की परिवर्तन यात्रा

पहली यात्रा का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और दूसरी यात्रा का नेतृत्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल करेंगे। जानकारी के मुताबिक 87 विधानसभा क्षेत्रों की 2,989 किलोमीटर की यात्रा बीजेपी करने वाली है। जिसमें केन्द्र सरकारी की उपलब्धियों और प्रदेश की भूपेश सरकार की

नाकामियों को बीजेपी लोगों तक पहुंचाने वाली है।

रथ के पोस्टर में इन नेताओं को मिली जगह

परिवर्तन यात्रा के लिए रथ में लगाए गए पोस्टर में बड़ा चेहरा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का है, इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह, सांसद सरोज पाण्डेय और लता उसेंडी की फोटो रथ में चस्पा की गई है। रथ में चढ़कर कार्यकर्ताओं का ओम माथुर का अभिवादन किया।

दंतेश्वरी मंदिर से होगी शुरुआत

पहली परिवर्तन यात्रा की शुरुआत दंतेवाड़ा में देवी दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना से होगी। दूसरी यात्रा जशपुर से निकलकर चंद्रपुर विधानसभा में मां चंद्रहासिनी देवी की दर्शन करते की जाएगी। यात्रा का अंतिम पड़ाव भी देवी-दर्शन के साथ बिलासपुर की महामाया मंदिर होगा।

लोगों को आरोप पत्र भी बांटेंगे

परिवर्तन यात्रा के दौरान भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ जारी आरोप पत्र भी घुमाने का निर्णय लिया है। यानी 108 पेज के आरोप पत्र का सारांश पत्रक लोगों को बांटा जाएगा। बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि इस परिवर्तन यात्रा के जरिए बीजेपी की योजनाओं को घर घर पहुंचाया जाएगा और कांग्रेस के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया जाएगा।

पहली यात्रा 12 को: इस दौरान 45 आम सभा, 32 स्वागत सभा और 5 रोड शो होंगे। यात्रा का संयोजक विधायक शिवरतन शर्मा और पूर्व मंत्री महेश गागड़ा को बनाया गया है। उनके साथ सहयोगी के रूप में निरंजन सिन्हा और सचिन बघेल रहेंगे।

दूसरी यात्रा 16 को: इसके संयोजक मोतीलाल साहू, सांसद गुहाराम अजगले और प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव होंगे। ये 12 दिन में 2 संभागों के 14 जिलों के 39 विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचकर 1,261 किमी का सफर तय करेगी। इस दौरान 39 आम सभा, 53 स्वागत सभा और 2 रोड शो होंगे।

दोनों ही यात्राओं का समापन बिलासपुर में होगा। पार्टी ने जो यात्रा का रोड मैप बनाया है, उसके तहत यात्रा प्रतिदिन औसत 3 विधानसभा के दौरे पर रहेगी। इसमें हर दिन एक बड़ी सभा का आयोजन भी किया जायेगा। यात्रा के दौरान हर दिन 6 स्वागत सभा, 3 छोटी सभा का आयोजन किया जाएगा।

एक नवंबर से प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदेगी सरकार

125 मीट्रिक टन खरीदी का लक्ष्य

रायपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इस साल राज्य सरकार प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदेगी। सरकार ने इस साल किसानों से 125 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने लक्ष्य रखा है। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर एक नवंबर से धान और मक्का खरीदी शुरू होगी। एक नवंबर से 31 जनवरी 2024 तक धान खरीदी की जाएगी। वहीं मक्का की 28 फरवरी 2024 तक खरीदी की जाएगी। इस साल धान खरीदी के लिए बायोमेट्रिक व्यवस्था की गई है। खाद्य मंत्री अमरजीत भगत की अध्यक्षता में धान खरीदी और कस्टममीलिंग नीति की समीक्षा कर सुझाव देने के लिए गठित मंत्रि-मंडलीय उप समिति की बैठक हुई। मंत्री अमरजीत भगत ने बताया कि छत्तीसगढ़ में इस साल बायोमेट्रिक आधारित धान खरीदी व्यवस्था की गई है। अभी तक प्रदेश के लगभग 5 लाख किसानों के पंजीयन का काम पूरा हुआ है। बाकी किसानों को पंजीयन का काम पूरा करने की अपील की गई है।

बैठक में जानकारी दी गई कि केंद्र सरकार की ओर से औसत अच्छी किस्म के धान और मक्का के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। धान कामन के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य 2183 रुपए प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान के लिए 2203 रुपए प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदी की जाएगी। इसी तरह मक्का प्रति क्विंटल 2090 रुपए के भाव से खरीदी की जाएगी।

मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक में प्रदेश में किसानों के धान विक्रय में सहुलियत को ध्यान में रखते हुए उपार्जनों केन्द्रों की संख्या लगातार वृद्धि की जा रही है। किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष और भी कुछ धान उपार्जन केंद्र खुलेंगे।

वर्तमान में 2617 धान उपार्जन केंद्र खोले गए हैं। पिछले साल राज्य के 24.96 लाख किसानों ने पंजीयन करवाया था, जिसका रकबा 32.15 है।

लाखों की अवैध शराब जब्त

पलामू, 11 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी के बाद झारखंड के कई रास्तों से होकर शराब बिहार में प्रवेश कर रही है। पलामू के शराब तस्कर शराब की बड़ी खेप बिहार भेजने के फिराक में थे। रविवार की रात शराब को बिहार पहुंचाया जाना था लेकिन इसके पहले ही बिहार पुलिस को इसकी भनक लग गई और शाम में ही लाखों रुपए का अवैध शराब जब्त कर लिया गया। शराब छतरपुर थाना क्षेत्र के चौखड़ा गांव में लल्लू यादव के घर में छिपाकर रखा गया था। बिहार पुलिस ने छतरपुर पुलिस की मदद से कार्रवाई की। शराब की तस्करी में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार भी किया गया। जिसमें मास्टरमाइंड लल्लू यादव फरार है। गिरफ्तार होने वालों में लल्लू यादव का बेटा, भाई और एक ड्राइवर शामिल है। छापेमारी में लल्लू यादव के घर से 345 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब, शराब से भरा हुआ एक कंटेनर और दो पिकअप वाहन बरामद किया गया है। गौरतलब हो कि शराब तस्करी का मास्टर माइंड लल्लू यादव दो साल पहले वर्ष 2021 के सितंबर माह में पकड़ा गया था। उस वक्त भी बिहार पुलिस ने पलामू पुलिस की मदद से लल्लू यादव के घर से 22 हजार चार सौ लीटर कच्चा स्प्रिट बरामद किया था। करीब एक करोड़ मूल्य का स्प्रिट शराब बनाने के लिए रखा गया था। जेल से छूटने के बाद फिर से लल्लू शराब की तस्करी में लग गया।

पुलिस का बड़ा एक्शन 112 बदमाश गिरफ्तार

रायपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर की पुलिस ने रविवार तड़के 5 बजे एक ऑपरेशन लॉन्च किया। 100 पुलिसवालों की टीमें शहर के कई संदिग्ध इलाकों में पहुंची। जहां पुलिस ने कई एरिया को घेरकर 112 गुंडे बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इन अपराधियों में कई चाकूबाजी, लूटपाट और मारपीट जैसे मामलों में आरोपी थे। जिसे अलग-अलग थाना इलाकों में पुलिस ने सर्चिंग कर धर दबोचा है। सर्चिंग ऑपरेशन में एक आईपीएस समेत 6 सीएसपी 22 टीआई शामिल थे। पुलिस के इस एक्शन में तड़के सभी आला अफसर इक्कठे हुए। फिर उन्होंने सूचना के आधार पर एक साथ कई इलाकों में रेड मारी। इस रेड कार्यवाही की लाइव मॉनिटरिंग खुद रायपुर एसएसपी प्रशांत अग्रवाल कर रहे थे। इस ऑपरेशन में नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक, विधानसभा, कोतवाली, उरला, पुरानी बस्ती,सिविल लाइन थाना अपनी टीम के साथ मौके में मौजूद थे। इस रेड कार्रवाई में 7 आरोपियों के पास से चाकू, 3 आरोपियों से गांजा और दर्जनों से अवैध शराब जब्त की गई। इसके अलावा 68 पुराने बदमाशों को भी पकड़ा गया। इस कार्रवाई में अलग-अलग मामलों में कुल 112 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रायपुर शहर के कई अलग-अलग थाना क्षेत्र में दबिश दी। जिसमें बी.एस.यू.पी कॉलोनी, देवराडेरा, नेहरू नगर, गोकुल नगर, कालीबाड़ी, बीरगांव, गाजीनगर, रामनगर, खमतराई बस्ती थे। इसके अलावा कई टीमें रेलवे स्टेशन और बस स्टैण्ड में भी भेजी गई।

अपराध में रांची अव्वल

रांची, 11 सितंबर (एजेंसियां)। रांची तेजी से विकसित हो रही है। पर, यहां अपराध भी उसी अनुपात में बढ़ रहा है। वर्ष 2023 में अब तक थानों में दर्ज केस के अनुसार सभी तरह के अपराधों में रांची पूरे राज्य में अव्वल है। हालांकि, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पुलिस अफसरों को क्राइम कंट्रोल करने के लिए सख्त कार्रवाई का निर्देश दे चुके हैं। लेकिन, अपराधी हर दिन वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। अपराध अनुसंधान विभाग के पिछले पांच साल के आंकड़े के अनुसार झारखंड में सबसे अधिक अपराध ठगी के हुए हैं। 19,383 लोग इसके शिकार हुए हैं। सिर्फ, रांची में सबसे अधिक 3,545 केस दर्ज हुए हैं। दूसरा नंबर जमशेदपुर का है। यहां 2,191 मामले दर्ज हुए। साइबर अपराध में भी रांची पहले स्थान पर है। पिछले पांच वर्षों में झारखंड में साइबर अपराध के 5,350 मामले सामने आए है।

कांग्रेस प्रत्याशियों को लेकर नए सिरे से पैनल

रायपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में प्रत्याशी चयन को लेकर लगातार बैठकें चल रही है। सीएम हाउस में रविवार को फिर बैठक रखी गई। जिसमें प्रत्याशी चयन को लेकर पैनल तैयार करने के लिए पार्टी के नेताओं के बीच देर रात तक चर्चा चलती रही। बैठक में तय हो गया है कि मंत्रियों की टिकट नहीं काटी जाएगी। हालांकि सूत्रों के मुताबिक दो मंत्रियों को लेकर अब भी संशय की स्थिति है, वहीं 14 विधायकों की टिकट भी खतरे में है। बैठक में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज और विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत के बीच चर्चा हुई। इस दौरान बस्तर और बिलासपुर संभाग की सीटों को लेकर पैनल तैयार करने की प्रक्रिया देर रात तक चली।

बाइडेन बोले- पीएम मोदी से मिलकर मानवाधिकारों का मुद्दा उठाया

वियतनाम में कहा- चीन से शीत युद्ध शुरू नहीं करना, दुनिया में संतुलन लाना है

वाशिंगटन, 11 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भारत में हुई जी20 समिट के बाद वियतनाम के लिए रवाना हो गए थे। बाइडेन ने वियतनाम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई उनकी बातचीत के बारे में जानकारी दी। यहां उन्होंने कहा- मैनें पीएम से बातचीत के दौरान मानवाधिकारों का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा- जैसा की मैं हमेशा करता हूं, मैनें मानवाधिकार का सम्मान करने, देश को मजबूत बनाने में सिविल सोसाइटी और प्रेस की आजादी की भूमिका के महत्व के बारे में पीएम मोदी को बताया। वहीं, चीन को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बाइडेन ने कहा कि चीन को काउंटर करना अमेरिका का मकसद नहीं है। वो न ही चीन से कोई कोल्ड वॉर यानी शीत युद्ध शुरू करना चाहते हैं।

क्वाड को लेकर राष्ट्रपति शी से बात की थी

बाइडेन ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा- भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान के साथ मिलतर क्वाड बनाने का मकसद चीन को अलग-थलग करना नहीं है। वो बस इंडो-पैसेफिक इलाके में स्थिरता कायम करना चाहते हैं। बाइडेन ने कहा- मैनें राष्ट्रपति शी से काफी बातचीत की है। उन्होंने मुझसे पूछा था कि क्वाड क्यों बनाया जा रहा है। इस पर मैनें उन्हें बताया कि स्थिरता के लिए। हम सिर्फ ये सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सड़क, समुद्र और आसमान तक नियमों का पालन हो। मैं चाहता हूं कि चीन आर्थिक कामयाबी हासिल करे, पर ये कामयाबी नियमों के मुताबिक हो।

बाइडेन ने कहा- हमारे पास ये अवसर है कि हम दुनिया में अपनेस अलायंस को मजबूत करें। भारत और वियतनाम को अपने साथ करने का मकसद ये नहीं हम चीन को रोकना चाहते हैं।

20 साल जंग लड़ चुके वियतनाम-अमेरिका चीन की वजह से करीब आए

सितंबर की शुरुआत में चीन ने जो मैप जारी किया था उस पर आपत्ति जताने वाले देशों में वियतनाम भी शामिल था। चीन से समुद्री सीमाओं के विवाद से चलते वियतनाम उस अमेरिका से नजदीकियां बढ़ा रहा है, जिसके साथ उसन 20 सालों तक जंग लड़ी। इसकी शुरुआत 1 नवंबर 1955 से हुई थी, जिसका अंत 1975 में हुआ। भारत आने से एक दिन पहले बाइडेन ने वियतनाम जंग के बाद हनोई से अमेरिकियों को बचाने वाले पायलट को मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया था।

जंग नॉर्थ वियतनाम और साउथ वियतनाम के बीच लड़ी गई थी। नॉर्थ वियतनाम के साथ कम्युनिस्ट समर्थक और देश चीन और रूस थे। वहीं, साउथ वियतनाम की ओर से कम्युनिस्ट विरोधी, अमेरिका और उसके सहयोगी लड़ रहे थे।

युद्ध में अमेरिका की असल भूमिका 9 फरवरी 1965 से शुरू हुई, जब उसने अपनी सेना वियतनाम भेजी

- कॉर्प्स हॉक लड़ाकू मिसाइल को डा नांग स्थित अमेरिकी एयरबेस की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया।

- इस कदम को अंतरराष्ट्रीय जगत ने पहली बार वियतनाम में अमेरिकी दखल की तरह लिया था।

- राष्ट्रवादी ताकतों (उत्तरी वियतनाम) का मकसद देश को कम्युनिस्ट राष्ट्र बनाना था।

- वहीं, अमेरिका और साउथ वियतनाम देश को कम्युनिज्म से बचाना चाहते थे। नॉर्थ वियतनाम का नेतृत्व हो ची मिन्ह कर रहे थे। 1969 में युद्ध चरम पर था। अमेरिका ने पांच लाख सेना युद्ध में झोंक दी। इसके चलते अमेरिकी सरकार अपनी ही जनता की आलोचना की शिकार होने लगी।

- बाद में दबाव में आकर अमेरिका युद्ध से पीछे हट गया। जनता और विपक्ष के दबाव में आकर 1973 में अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने सेना वापस बुला ली।- इसके बाद 1975 में कम्युनिस्ट फोर्सेस ने वियतनाम के सबसे बड़े शहर साइगॉन पर कब्जा कर लिया। इसी के साथ युद्ध खत्म हो गया।

युद्ध में किसी की जीत नहीं

- कई विशेषज्ञों का मानना है कि 20 साल तक चले भीषण युद्ध में किसी की भी जीत नहीं हुई।

- युद्ध में 30 लाख से ज्यादा लोग मारे गए। इसमें 58 हजार अमेरिकी शामिल थे। वहीं, मरने वालों में आधे से ज्यादा वियतनामी नागरिक थे।

- बाद में वियतनाम की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम बनाया गया। आज साइगॉन शहर कम्युनिस्ट नेता हो ची मिन्ह शहर के नाम से जाना जाता है।

पीएम मोदी ने जस्टिन ट्रूडो से कहा- सख्ती करें

तो कनाडा में खालिस्तानियों ने लगाए नारे

ओटावा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तानी मूवमेंट पर वहां की सरकार कितनी सख्ती करती है, इसकी बानगी सोमवार को देखने को मिली है। हैरानी की बात है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अभी स्वदेश लौटे भी नहीं हैं कि वहां पर 'भारत तेरे टुकड़े होंगे', 'दिल्ली बनेगा खालिस्तान जैसे नारे लगने लगे। कनाडा में लोगों की भीड़ के बीच खड़े होकर खालिस्तानी आतंकी, गुरपतवंत सिंह पन्नू, ऐसे नारे लगा रहा था। उसने अक्तूबर में खालिस्तान को लेकर जनमत संग्रह कराने की बात भी कही।

बता दें कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो 'जी20' शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। जी20 की बैठक से परे, पीएम मोदी और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने द्विपक्षीय वार्ता भी की है। रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की। दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा था कि पीएम जस्टिन ट्रूडो के साथ सार्थक बैठक हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-कनाडा संबंधों की पूरी श्रृंखला पर चर्चा की है। दूसरी तरफ सूत्रों का कहना था कि पीएम मोदी ने जस्टिन ट्रूडो के सामने 'खालिस्तान' का मुद्दा भी उठाया था। उन्होंने कहा था कि कनाडा में भारत विरोधी ताकतों पर नकेल कसनी चाहिए। इसके बाद कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ वर्षों में, पीएम मोदी के साथ, हमने इन मुद्दों पर कई बार वार्ता की है। कनाडा हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अंतरात्मा की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा। यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। अब समय आ गया है कि हम हिंसा को रोकने और नफरत को पीछे धकेलने के लिए हमेशा मौजूद रहें। मुझे लगता है कि इस समुदाय के मुद्दे पर, ये याद रखना महत्वपूर्ण है कि कुछ लोगों की हरकतें पूरे समुदाय या कनाडा का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। इसका दूसरा पहलू यह है कि हमने कानून के शासन का सम्मान करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला है। हमने विदेशी हस्तक्षेप के बारे में भी बात की है।

जी20 की बैठक के बाद कनाडा के पीएम का हवाई जहाज किसी तकनीकी खराबी के चलते उड़ नहीं सका था। उन्हें दिल्ली में ही रुकना पड़ा। इस बीच कनाडा में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने लोगों को संबोधित किया। उसने भारत के खिलाफ जमकर आग उगली। पन्नू ने विदेशी मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजीत डोवाल का नाम लिया। उसने लोगों के बीच नारेबाजी की।

यहां जिंदगी का अंत हो चुका है

मोरक्को में छह दशकों के सबसे तेज भूकंप से पूरा गांव तबाह, हर तरफ मलबा ही मलबा

मराकेश, 11 सितंबर (एजेंसियां)। मोरक्को में छह दशकों के सबसे भीषण भूकंप के बाद हर तरफ तबाही के निशान बिखरे पड़े हैं। अस्पतालों के बाहर लाशों का ढेर पड़ा हुआ है। वहीं, विनाशकारी जलजले में जिंदा बच गए लोग मलबों में अपनों की जिंदगी तलाश रहे हैं। इस भूकंप में कई गांव मलबे का ढेर बन गए हैं। इनमें से एक गांव से महिला का शव निकाला गया है। उसके 25 वर्षीय मंगेतर उमर ऐत मबारेक ने अपनी लाल और आंसुओं से भरी आंखों के साथ खुदाई देखी।

दरअसल, मोरक्को में शुक्रवार देर रात जबरदस्त भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिस वक्त कंपन शुरू हुआ उस वक्त वह उससे फोन पर बात कर रहा था और उसने फोन कटने से पहले रसोई के बर्तनों के फर्श पर गिरने की आवाज सुनी। वह जानता था कि वह अब नहीं रही है।

उमर ने बताया कि उसकी कुछ ही हफ्तों में मीना ऐत बिही से शादी होने वाली थी। आज मेरे सामने मलबे से उसकी लाश निकाली गई है। मीना को एक कंबल में कब्रिस्तान में ले जाया गया, जहां पहले से ही 68 अन्य लोगों को दफनाया जा चुका है। बताया जा रहा है कि, मलबे को हटा रहे लोगों को मीना का फोन भी मिला, जिसे उमर को सौंप दिया गया। एक हंसता खेलता तिख्त गांव भूकंप की भेंट चढ़ गया। इस गांव में कम से कम 100 परिवार रहते थे। यहां अब चारों ओर सिर्फ लकड़ियों, चिनाई के टुकड़े, टूटी हुई प्लेटें, फटे जूते और मिट्टी का ढेर दिख रहा है। यहां रहने वाले 33 वर्षीय मोहसिन अक्सुम ने कहा कि गांव मर चुका है। यहां जीवन समाप्त हो गया। इस गांव में बड़ी संख्या में इमारतें पत्थर, लकड़ी और मिट्टी से बने मोर्टार के पारंपरिक मिश्रण से बनाई गई थीं। हंसते खेलते गांव में अब दूर दूर तक सिर्फ मातम पसरा हुआ है। आपदा में अपने परिवार के अधिकतर लोगों को खो देने वाले 23 वर्षीय छात्र अब्देलरहमान ने कहा कि लोगों ने यहां अपने घर बनाते समय ऐसी भयानक घटना के बारे में कभी नहीं सोचा था। उसने बताया कि जब भूकंप के झटके आए उस वक्त वह रात के खाने के बाद टहलने के लिए बाहर गया था। उसने देखा कि लोग अपने ढहते घरों से बचने की कोशिश कर रहे हैं। उसने अपने पिता को घर से बाहर निकाला, लेकिन उन्हें बहुत गंभीर चोटें आई थीं। इसलिए उनकी मौत हो गई।

गौरतलब है, मोरक्को में छह दशक के सबसे भीषण भूकंप में मरने वालों का आंकड़ा 2,122 पहुंच गया है। सबसे ज्यादा 1,293 मौतें अल हाउस प्रांत में हुई हैं। भूकंप में 2,059 लोग घायल हैं। इनमें से 1,404 की हालत गंभीर बताई गई है।

जब अमेरिका ने आतंक का सबसे भयावह रूप देखा

चार घटनाओं में 2977 लोगों की हुई थी मौत

न्यूयार्क, 11 सितंबर (एजेंसियां)। आज 9/11 आतंकी हमले की 22वीं वर्षी है। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका को अल कायदा ने वर्ष 2001 में आज ही के दिन विमान हमले से दहला दिया था। इस हमले में अमेरिका का वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया था। महज 102 मिनट में ही 2763 लोगों की जान चली गई थी।

9/11 आतंकी हमला क्या है?

अल-कायदा के आतंकियों ने 11 सितंबर 2001 की सुबह चार विमानों को हाईजैक कर लिया था। इन सभी का मकसद विमानों को अलग-अलग ऐतिहासिक स्थलों पर क्रैश कराने का था। सबसे पहला क्रैश अमेरिकन एयरलाइन फ्लाइट 11 का हुआ था, जो कि न्यूयॉर्क शहर में सुबह 8.46 बजे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के उत्तरी टावर से टकराई थी। इसके 17 मिनट बाद ही यूनाइटेड एयरलाइंस फ्लाइट 175 बिल्डिंग के दक्षिणी टावर से टकराई।

हाई अलर्ट जारी होने के बावजूद सुबह 9.37 बजे अमेरिकन एयरलाइंस फ्लाइट 77 वॉशिंगटन स्थित अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन से टकराई। चौथे हाईजैक हुए विमान यूनाइटेड एयरलाइंस फ्लाइट 93 का लक्ष्य व्हाइट हाउस या यूएस कैपिटल बिल्डिंग को निशाना बनाने का था, लेकिन यात्रियों से भिड़ंत की वजह से आतंकियों के हाथ से विमान का नियंत्रण छूट गया और यह पेन्सिलवेनिया के शैंक्सविल में मैदानी इलाके में गिर गया।

9/11 को हुई इन चार घटनाओं में 2977 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 19 हाईजैकर भी शामिल रहे। जो लोग मारे गए उनमें चार विमानों में सवार 246 लोग, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और उसके आसपास के इलाके में 2606 लोग और पेंटागन में मौजूद 125 लोग शामिल थे। मारे गए ज्यादातर लोग आम नागरिक थे, लेकिन राहत और बचाव कार्य के दौरान 344 बचावकर्मी, 71 पुलिसकर्मी और 55 सैन्यकर्मी भी मारे गए थे।

हमलों के बाद क्या घटनाक्रम हुए?

बताया जाता है कि जिस वक्त अमेरिका में 9/11 के हमले हुए थे, उस वक्त राष्ट्रपति जॉर्ज बुश फ्लोरिडा में थे, लेकिन शाम सात बजे तक व्हाइट हाउस को सुरक्षित कर दिया गया और रात नौ बजे उन्होंने राष्ट्रपति भवन के ओवल ऑफिस से राष्ट्र के नाम संबोधन दिया।

मंगलवार का दिन: अमेरिकी एयरलाइंस का बोइंग जिसमें

75708 लीटर जेट ईंधन था, वो न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के उत्तरी टॉवर से टकराया। 110 मंजिला इमारत की 80वीं मंजिल आग का गोला बन चुकी थी।

18 मिनट बाद: अमेरिकी विमान बोइंग-767 की फ्लाइट संख्या 175 अचानक आसमान से गायब हुआ। विमान वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दक्षिणी टॉवर की 60वीं मंजिल से टकराया तब स्पष्ट हुआ कि ये आतंकी हमला है।

9:45 बजे: अमेरिकी एयरलाइंस का विमान 77 अमेरिकी सेना के हेड क्वार्टर पेंटागन के पश्चिमी हिस्से से टकराया। इसमें 125 सैन्यकर्मी और विमान में सवार 64 लोगों की जान गई थी।

पूरे अमेरिका में मच गया था कोहराम

स्टील और पत्थर के मजबूत ढांचे पर बने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का 321 किमी. गति की हवा और आग भी कुछ नहीं बिगाड़ सकती थी, लेकिन जेट फ्यूल ने उसे तबाह कर दिया। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दोनों टावर को ध्वस्त होते ही लोगों की चीख पुकार मच गई और उठते धूल के गुबार को पूरी दुनिया ने अपने टीवी सेट पर देखा था। अमेरिका में हुए इन हमलों में कुल 2,977 लोगों की मौत हो गई थी और 6,000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

अमेरिका ने इसका बदला कैसे लिया?

बुश ने तत्कालीन उप राष्ट्रपति डिक चेनी से कहा था, 'हम युद्ध के मैदान में हैं।' उन्होंने अपने सहयोगियों से आगे कहा, 'जब हम गुनहगारों को पकड़ेंगे तो वे मुझे पसंद नहीं आएंगे। उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।' दिल दहला देने वाले इस हमले के पीछे अल कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन का हाथ था।

9/11 हमलों के बाद अमेरिका ने दुनियाभर से आतंकवाद को खत्म करने का बीड़ा उठा लिया। इसी सिलसिले में उसने लेबनान से लेकर इराक तक से आतंकी हमलों के बारे में जानकारी जुटानी शुरू की। इस हमले का कनेक्शन आतंकी संगठन अल-कायदा से मिलने के बाद अमेरिका को जो जानकारी मिली, उसके मुताबिक, हमलों की साजिश अफगानिस्तान में रची गई और अल-कायदा के आतंकियों और गुट के सरगना ओसामा बिन-लादेन को अफगानिस्तान में कुछ साल पहले ही गठित हुई तालिबान सरकार का समर्थन हासिल था।

इस हमले के बाद राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने ओसामा बिन लादेन और उसके आतंकी संगठन अल कायदा को खत्म करने की ठान ली थी। इसके साथ ही अफगानिस्तान से तालिबानी शासन हटाने की कवायद भी तेज कर दी गई।

किम जोंग ट्रेन से रूस के लिए रवाना

प्योंगयांग, 11 सितंबर (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपनी बख्तरबंद ट्रेन से रूस दौरे पर रवाना हो गए हैं। सीएनएन ने साउथ कोरिया के मीडिया के हवाले से ये जानकारी दी। वे प्योंगयांग के रूसी शहर व्लादिवोस्तोक जाएंगे। ये कोरोना के बाद किम जोंग की पहली विदेश यात्रा होगी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान वो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से यूक्रेन जंग में हथियारों की सप्लाई और सैन्य सहयोग पर बात करेंगे।

दोनों नेता 10 से 13 सितंबर तक चलने वाले ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भाग लेने के लिए व्लादिवोस्तोक की फार ईस्टर्न फेडरल यूनिवर्सिटी के कैंपस जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक किम जोंग उन रूस के प्रशांत महासागर फ्लीट के नेवल बेस पीएर 33 भी जा सकते है। माना जाता है कि किम हवाई यात्रा से डरते हैं ऐसे में वो ज्यादातर यात्राएं ट्रेन से ही करते हैं। इस ट्रेन को 1949 में किम के दादा किम इल संग को स्टालिन ने गिफ्ट किया था। ये कई डिब्बों वाली इंटर-कनेक्टेड ट्रेन है। जब भी किम उत्तर कोरिया या चीन की यात्रा करते हैं तो उनका सारा लाव-लश्कर इसी ट्रेन में उनके साथ होता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक रूस नॉर्थ कोरिया से ऑर्टिलरी शेल्स और एंटी टैंक मिसाइल चाहता है। इसके बदले में नॉर्थ कोरिया रूस से सैटेलाइट और न्यूक्लियर सबमरीन टेक्नोलॉजी की मांग करेगा। इसके अलावा किम जोंग उन अपने देश के लिए खाद्य सहायता भी चाहते हैं। दरअसल, नॉर्थ कोरिया में अनाज की काफी किल्लत रहती है, जबकि रूस 2017 में दुनिया में सबसे ज्यादा अनाज उगाने का रिकॉर्ड बना चुका है।

अमेरिका में कम्युनिटी फार्मिंग का नया ट्रेंड

महंगाई का मुकाबला करने घर में सब्जियां उगा रहे लोग, घर खर्च में हर महीने 40 फीसदी तक बचत

न्यूयॉर्क, 11 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में खाद्य महंगाई दर 50 साल के उच्चतम स्तर पर है। ऐसे में अमेरिका के कोलंबिया, मिसौरी, अटलांटा, मिनिसोटा जैसे राज्यों में महंगाई से मुकाबले के लिए कम्युनिटी फार्मिंग का मॉडल पनप रहा है।

यहां के लोग दिन के कुछ घंटे खेती को भी देते हैं। कम्युनिटी फार्मिंग में लोग अपने गार्डन या खेतों में साझा तौर पर सब्जियां उगाते हैं ताकि उनकी रोज की जरूरतें पूरी हो सकें। सभी सदस्य फार्मिंग में भागीदार होते हैं। लागत से लेकर उपज तक को शेयर किया जाता है। कम्युनिटी फार्मिंग से कुल साझा उपज बढ़ जाती है। यदि लोग अलग-अलग फार्मिंग करते हैं तो उपज कम होती है। मिसौरी के जोसेफ बताते हैं कि उन्होंने अपने पड़ोसियों को कम्युनिटी फार्मिंग करते देखा और इसके फायदों को जाना। जोसेफ को जब अहसास हुआ कि उनके घर का मासिक ग्रॉसरी बिल लगातार बढ़ रहा तो उन्होंने कम्युनिटी फार्मिंग को चुना।

अटलांटा की मैरियान बतातीं हैं कि कम्युनिटी फार्म से जुड़ने के लिए उन्हें 20 हजार रुपए मैंबरशिप फीस देनी पड़ी थी। पिछले 6 महीनों से मैरियान कम्युनिटी फॉर्मिंग से ही घर की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी कर रहीं हैं। इससे उन्होंने घर खर्च में 40 फीसदी तक की मासिक बचत की है। न्यूयॉर्क के जाहिद अफसर ने भी कम्युनिटी फार्मिंग को अपनाया है। जाहिद ने कम्युनिटी फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए 'प्लांट बाइबल' वेबसाइट शुरू की है। कम्युनिटी फार्मिंग की बढ़ती लोकप्रियता के चलते अमेरिकी अब इसे बिजनेस मॉडल की तरह भी देख रहे हैं। लोग अपने गार्डन या प्लॉट को कम्युनिटी फार्म को किराये पर देकर पैसे भी बना रहे हैं। वाशिंगटन की एलेक्सिया ने भी 8 एकड़ में कम्युनिटी फार्मिंग को बिजनेस के तौर पर चुना। एलेक्सिया कहती हैं कि 'पिछले 6 महीनों से हमने बाजार से ग्रॉसरी नहीं खरीदी। सब्जियां और जरूरत के फूड प्रोडक्ट हम अपने कम्युनिटी फार्म में ही उगाते हैं। ये पैकेज्ड फूड से बेहतर होती है। इसके साथ ही रोजाना जब हम फार्मिंग करते हैं तो हमारा वर्कआउट भी पूरा हो जाता है। स्पेन में बुधवार को 'ला टोमाटीना' (टोमैटो फाइट) फेस्टिवल का सेलिब्रेशन हुआ। टोमैटो फाइट स्पेन का बेहद पॉपुलर फेस्ट है।

अगली महामारी आने से पहले वॉर्निंग देगा एआई

नया सिस्टम चिंताजनक-खतरनाक वैरिएंट का पता लगाएगा, वायरस के म्यूटेशन की भी जानकारी देगा

वाशिंगटन, 11 सितंबर (एजेंसियां)। साइंटिस्ट्स ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिस्टम बनाया है जो अगली महामारी की वॉर्निंग देगा। ये वैरिएंट ऑफ कंसर्न यानी चिंताजनक और खतरनाक वैरिएंट का पता लगाएगा। इससे महामारी को रोकने या फिर कंट्रोल करने में मदद मिल सकेगी।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक वैरिएंट ऑफ कंसर्न यानी वह वैरिएंट जो तेजी से ट्रांसमिट होते हैं, गंभीर लक्षण दिखाते हैं और एंटीबॉडी को चकमा दे सकते हैं। वहीं, वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट कोरोना के ऐसे वैरिएंट हैं जो वायरस के ट्रांसमिशन, गंभीर लक्षणों, इम्यूनिटी को चकमा देने, डायग्नोसिस से बचने की क्षमता दिखाते हैं।

एआई सिस्टम का नाम अर्ली वॉर्निंग अनोमली डिटेक्शन सिस्टम (ईडब्ल्यूएडी) है। जब सार्स-को वी-2 (कोरोना वायरस) के संक्रमण के डेटा के साथ इसका मिलान किया गया तो इसके जरिए वायरस के म्यूटेशन और भविष्य में सामने आने वाले वैरिएंट के बारे में सटीक जानकारी मिली। इससे यह भी पता चला कि वायरस के किस वैरिएंट से ज्यादा खतरा है, जिससे महामारी आ सकती है।

अमेरिका के सक्रिप्स रिसर्च और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के साइंटिस्ट्स ने ईडब्ल्यूएडी को बनाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (मशीन लर्निंग) की मदद ली। मशीन लर्निंग में पैटर्न का पता लगाने, एल्गोरिदम विकसित करने और भविष्य में ये पैटर्न कैसे काम कर सकते हैं, के बारे में बताने के लिए कंप्यूटर के जरिए डेटा को एनालाइज किया जाता है।

एक साइंटिस्ट ने कहा- म्यूटेशन का मतलब होता है कि किसी जीव के जेनेटिक मटेरियल में बदलाव। जब कोई वायरस खुद की लाखों कॉपी बनाता है और एक इंसान से दूसरे इंसान तक या जानवर से इंसान में जाता है तो हर कॉपी अलग होती है। कॉपी में यह अंतर बढ़ता जाता है। कुछ समय बाद एक नया स्ट्रेन सामने आता है। यह बहुत ही सामान्य प्रक्रिया है। वायरस अपना रूप बदलते रहते हैं। सीजनल इन्फ्लूएंजा तो हर साल नए रूप में सामने आता है। इस वजह से कोविड-19 के नए वैरिएंट्स को लेकर वैज्ञानिकों को बहुत ज्यादा आश्चर्य नहीं है।

आतंकवादियों ने एक बार फिर सुरक्षाकर्मियों को बनाया निशाना, एक की मौत

इस्लामाबाद, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पेशावर शहर में सोमवार को एक अस्पताल परिसर के पास सुरक्षा बलों के वाहन को निशाना बनाकर बम विस्फोट किया गया। इसमें एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई, जबकि अर्धसैनिक बल के चार कर्मियों सहित कई अन्य घायल हो गए।

यह हमला अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की वारसाक रोड पर प्राइम अस्पताल के सामने फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) के कर्मियों पर किया गया है। वारसाक के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट के परिणामस्वरूप एफसी के पांच अधिकारी और तीन नागरिक घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह विस्फोट एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) हमला था। खान ने कहा कि आगे की जांच चल रही है।

शहर के पुलिस प्रमुख अशफाक अनवर ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि यह आत्मघाती विस्फोट था।

मंत्री गोविंद मेघवाल बोले- आडवाणी की हालत विधवा चाची जैसी

जयपुर में कहा- अर्जुन मेघवाल नौसिखिया, वसुंधरा अस्तित्व बचाने में लगी हैं

जयपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष और आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने केंद्रीय मंत्री अजुन मेघवाल और बीजेपी पर तल्ख कमेंट किए हैं। गोविंद मेघवाल ने कहा- बीजेपी में किसी नेता का भविष्य नहीं हैं। आडवाणी जी की हालत आज घर में बैठी विधवा चाची जैसी हो गई है। कैलाश मेघवाल ने जीवन भर अनमैरिड रहकर बीजेपी की सेवा की। उनके बारे में कल के आए नौ सिखिया मंत्री अर्जुन मेघवाल कह रहे वे कांग्रेस से टिकट लेंगे। जो राजनीति की एबीसीडी नहीं जानता। वह जीवन खपाने वाले नेता के बारे में ऐसी बात कर रहा। इससे बड़ा दुर्भाय नहीं हो सकता। गोविंद मेघवाल जयपुर में कांग्रेस वॉर रूम के बाहर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

मेघवाल ने कहा- बीजेपी में आज कैलाश मेघवाल का पता नहीं है। वसुंधरा राजे अपना अस्तित्व बचाने में लगी हुई हैं। यह कांग्रेस पार्टी में नहीं है। कांग्रेस पार्टी में छोटे से छोटे कार्यकर्ता को

सम्मान दिया जाता है। बड़े से बड़े नेता का उनके स्तर पर सम्मान किया जाता है। अर्जुन मेघवाल ने 60 साल तक राजनीति में कुछ नहीं किया। आज कैलाश मेघवाल का भविष्य तय करने वाले बन गए हैं। इसलिए मैं कह रहा हूं, भारतीय जनता पार्टी में किसी की भविष्य का पता नहीं है। वह एक का ही राज और डंडा चलता है। वह आरएसएस है।

अर्जुन मेघवाल आज कैलाश मेघवाल की बेइज्जती कर रहे, यही हालत कल आपकी होगी

मेघवाल ने कहा- आरएसएस वालों ने अंग्रेजों की गुलामी की। अंग्रेजों के मुखबिर बनकर रहे थे। आजादी की जंग में नाखून तक नहीं कटवाया। आज वे राष्ट्र भक्त बने हुए बैठे हैं। अर्जुन राम मेघवाल को यह पता नहीं है कि आज कैलाश मेघवाल की बेइज्जती कर रहे हो। कल तुम्हारे साथ भी यही होने वाला है। थोड़े दिनों में यही हालत आपकी होने वाली है। बीजेपी के लोगों की चुनावों में जमानत जब्त होगी। जहां कैलाश मेघवाल जैसे वरिष्ठ दलित नेता की बेइज्जती की जा रही हो उस पार्टी की दुर्गति होना तय है।

लोकसभा चुनाव आए तो पुलवामा करवा दिया

मेघवाल ने कहा- जब लोकसभा के चुनाव आने वाले थे तो केंद्र सरकार ने पुलवामा करवा दिया। उनके राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा था सीआरपीएफ के जवानों ने हवाई जहाज मांगा था। वह नहीं दिया। उनकी गलती की वजह से हमारे 40 जवान शहीद हो गए। उत्तर प्रदेश में चुनाव आने वाले थे वहां हिंदू मुसलमान के दंगे करवा दिए क्योंकि इनकी पैदाइश ही गुजरात दंगों से है।

मेघवाल ने कहा- यह विचारधारा की लड़ाई है, कांग्रेस की विचारधारा धर्मनिरपेक्ष है। आजादी की जंग में शहीद हुए थे। उसमें सब धर्म के लोग थे। आज ये लोग देश को बांटने में लगे हुए हैं। मुसलमान के बारे में कहते हैं कि पाकिस्तान चले जाओ। यह देश तुम्हारे घर का है क्या, आपने बनाया है क्या? यह देश 36 काम के लोगों से बना हुआ है।

'रिवाज' बदलने के लिए 'टिकट पैटर्न' बदलेगी कांग्रेस

65 से 70% तक नए चेहरे उतारेगी मैदान में
50% मौजूदा विधायकों के भी टिकट कटेंगे

जयपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस इस बार के विधानसभा चुनाव में पिछली गलतियों से सबक लेते हुए टिकट पैटर्न बदलने जा रही है। सत्ता में रहकर हर बार ज्यादातर मंत्री-विधायकों को रिपीट करती आ रही पार्टी इस बार 65 से 70 प्रतिशत तक नए चेहरों को टिकट देने की कोशिश में है। टिकट चयन के मामले में कांग्रेस पहली बार मल्टी लेवल वर्किंग कर रही है।

प्रदेश इकाई के साथ सेंट्रल लीडरशिप भी इस बार राजस्थान से ज्यादा उम्मीदें दिखने के कारण काफी गंभीर है। हर सीट पर उम्मीदवार चयन में बारीकी से हार-जीत का आकलन किया जा रहा है। कांग्रेस चाहती है कि राजस्थान में इस बार सरकार रिपीट करने का रिकॉर्ड तोड़े।

पार्टी की ओर से कराए गए विभिन्न सर्वे में 50 प्रतिशत मौजूदा मंत्रियों और विधायकों की फील्ड में स्थिति कमजोर मिली

है। यानी आधे विधायकों को फिर से टिकट मिलने की गारंटी नहीं है। यही कारण है कि सीएम अशोक गहलोत से लेकर प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा जिताऊ उम्मीदवार को ही टिकट देने की बात कह कर नेताओं को टिकट कटने के लिए पहले से ही तैयार रहने के संकेत दे रहे हैं।

एआईसीसी ने तय किया है कि चुनाव में पचास फीसदी चेहरे युवा होंगे और इनमें भी महिलाओं की भागीदारी प्रमुखता से होगी। लोकल स्तर पर पार्टी के खिलाफ एंटी इन्कमबेंसी कम करने के लिहाज से उन सीटों पर इस बार खास बदलाव करने की तैयारी है, जहां लगातार एक ही परिवार को टिकट मिलता आ रहा है। इसके अलावा दो बार चुनाव हारने वाले नेताओं को भी टिकट मिलने की उम्मीद कम है।

राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल का कहना है कि राजस्थान को लेकर पार्टी का पूरा फोकस और सोच की दिशा इस पॉइंट पर है कि सरकार कैसे रिपीट हो? हम देख रहे हैं कि पिछले चुनावों में वे कौनसी गलतियां रहीं जब सत्ता में रहते हुए अच्छे काम के बावजूद हम वापस सरकार नहीं बना पाए। इस बार उन्हीं गलतियों से सबक लेकर आगे बढ़ रहे हैं। उसी हिसाब से फैसले लिए जाएंगे।

एआईसीसी ने तय किए टिकट के 5 बड़े पैरामीटर

1. 50 प्रतिशत युवाओं को टिकट, महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।
2. जिस सीट पर लगातार एक ही परिवार को टिकट मिलता आ रहा वहां बदलाव संभव।
3. लगातार दो बार चुनाव हारने वालों को टिकट नहीं, नए लोगों को मिलेगा मौका।
4. किसी बड़े नेता की टिकट में सिफारिश नहीं चलेगी, सर्वे में जो जिताऊ उसी को टिकट।
5. भ्रष्टाचार के आरोपों और विवादों से घिरे विधायकों को टिकट नहीं।

पायलट बोले- समय बड़ा बलवान होता है

विरोधी नेताओं द्वारा महिमा मंडन करने पर दिया जवाब
कहा- रथों पर चढ़कर पब्लिक को गुमराह कर रही बीजेपी

दौसा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम व कांग्रेस वर्किंग कमेटी सदस्य सचिन पायलट जयपुर से बांदीकुई जाते वक्त दौसा में रूके, जहां राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए पायलट ने विरोधियों को जवाब देते हुए कहा समय बड़ा बलवान होता है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के विरोधी नेताओं द्वारा पिछले दिनों पायलट का महिमा मंडन करने के सवाल पर यह बात कही।

भाजपा द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न के आरोपों के सवाल पर पायलट ने कहा प्रदेश में जहां भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, वहां पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश समेत अन्य राज्यों में होने वाली घटनाओं को भी देखना होगा, क्योंकि वहां क्राइम का ग्राफ

ज्यादा है।

उन्होंने कहा प्रदेश में आने वाले दिनों में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए नेता यहां भाषण देने आ गए। पिछले 5 साल में कोई भी भाजपा नेता सड़क पर नहीं दिखा, इन्होंने तो आपसी खींचतान में ही 5 साल निकाल दिए और अब चुनाव आ गए तो रथों पर चढ़कर पब्लिक को गुमराह कर रहे हैं।

परिवर्तन यात्रा में भी लोग नहीं आ रहे

भाजपा की परिवर्तन यात्रा के सवाल पर पायलट ने कहा पिछले दिनों भाजपा ने जन आक्रोश यात्रा निकाली थी। उसमें जनता का नहीं, उनके नेताओं में खुद का आक्रोश था। परिवर्तन यात्रा में भी लोग नहीं आ रहे, कल सिकराय में जो हुआ सबने देखा। उन्होंने बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यदि आप सदन के अंदर जिम्मेदारी से काम नहीं कर सकते और पब्लिक को भी साथ नहीं ले रहे। इस उम्मीद पर मुहिम चला रहे हैं की जनता स्वतः ही वोट डाल देगी, लेकिन जनता अब समझदार हो गई है।

विचार करें, भविष्य कौनसी पार्टी के हाथों में सुरक्षित

निवाई की सभा में प्रियंका गांधी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कौनसे दल व नेता जनता के लिए समर्पित हैं। कांग्रेस वह पार्टी है जिसने जनता की सेवा की है। भाजपा के 9 साल का कार्यकाल में नोटबंदी की, नारे दिए, किसानों को तंग किया व बेरोजगारी से युवा परेशान हैं। इसलिए जनता को विचार करना पड़ेगा कि हमारा भविष्य कौनसी पार्टी के हाथों में सुरक्षित है।

कार्यकर्ताओं को साथ लेकर आगे बढ़े तो सरकार रिपीट होगी

राज्य सरकार ने मेनिफेस्टो के आधार पर साढे चार साल में जिस प्रकार विकास के कार्य कराए हैं, उसे लोग पसंद कर रहे हैं लेकिन आज जरूरत इस बात की है कि कार्यकर्ताओं को साथ लेकर आगे बढ़े और मुझे पूरा विश्वास है कि राजस्थान में फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं के दम और जनता के विश्वास पर आगे बढ़ेगी तो सरकार रिपीट होगी।

सफल आयोजन के लिए केंद्र सरकार को बधाई

जी-20 के सफल आयोजन के सवाल पर पायलट ने कहा किसी भी राष्ट्रीय मुद्दे पर देश का स्टेण्ड होता है, इसमें किसी पार्टी का नहीं। हम तो चाहते हैं कि पूरा देश एकजुट हो और दुनिया की महाशक्ति बने। उन्होंने कहा जिस तरह सभी राज्यों के मुख्यमंत्री को सम्मेलन में बुलाया गया था तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी बुलाया जाना चाहिए था। जिससे एकजुटता का मैसेज जाता, लेकिन जी-20 के सफल आयोजन के लिए मैं केंद्र सरकार को बधाई देता हूं।

रामगंजमंडी विधायक बोले- सीएम गहलोत मुझे गिरफ्तार करवाकर दिखाएं

कहा- हत्या और राजद्रोह का झूठा आरोप लगाया
कांग्रेस ने सरकारी खजाने खाली कर किया भ्रष्टाचार

चित्तौड़गढ़, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा अब चित्तौड़ पहुंची हैं। यात्रा के साथ आए रामगंजमंडी विधायक मदन दिलावर सोमवार को सीएम गहलोत पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि मैंने किसी की भी हत्या नहीं की। हत्या और राष्ट्रद्रोह का गलत आरोप लगाकर विधानसभा से निलंबित करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने मां का दूध पिया है तो गिरफ्तार करके दिखाएं। विधायक दिलावर ने कहा कि मैंने किसी की हत्या नहीं की है। इसके बाद भी कांग्रेस के एक प्रदेश मंत्री से मेरे खिलाफ 302 का मुकदमा करवाया गया है। मैं अभी भी 302 का मुलजिम हूं। इससे पहले उन्होंने मुझ पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा करवाया था। 124ए में मुकदमा दर्ज हुआ। इससे भी मैं नहीं डरा तो विधानसभा से निलंबित करवाया गया। अब क्या करेंगे मुख्यमंत्री जी मेरा। मां का दूध पिया है तो 302 में गिरफ्तार करके बताएं। 124ए राष्ट्रद्रोह में गिरफ्तार करें तो उन्हें नानी याद दिला दूंगा।

विधायक ने कहा कि राजस्थान की गहलोत सरकार लगातार भ्रष्टाचार कर रही है। केंद्र से आ रहे राशन को 8 महीने से बंद करवाकर अन्नपूर्णा किट का ड्रामा कर रही है। किट में मिर्च पाउडर,तेल सबकी क्वालिटी खराब है। मुफ्त में सब कुछ देने का नाटक कर रही है। मोबाइल भी फ्री में महिलाओं को दिया जा रहा है लेकिन यह वह मोबाइल है जो कंपनी रिजेक्ट कर चुकी है।

उनके पास डिफेक्टिव माल पड़ा रहता है। उसे कम रुपए में खरीद कर सरकारी खजाने से 6 हजार रुपए खर्च कर करोड़ों का भ्रष्टाचार कर रही है। राजस्थान में बिजली फ्री देने की बात की जा रही है। वहीं घरों में दुगुना-तिगुना बिल ज्यादा आ रहा है। गांव में बिजली नहीं रहती फिर भी बिल बढ़-चढ़कर आ रहा है। राजसमंद सांसद दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कभी यह फ्री में देते हैं तो कभी वह फ्री में देते हैं। उसके बाद भी राजस्थान सबसे महंगा प्रदेश है, ऐसा क्यों? सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार राजस्थान में है। सबसे ज्यादा बेरोजगारी राजस्थान में है। पेट्रोल-डीजल और बिजली सबसे ज्यादा महंगी भी राजस्थान में है। उन्होंने कहा कि मुझे शर्म आती है कि मैं राजस्थान की नागरिक हूं। मैं आज एक महिला हूं और मुझे राजस्थान में डर लगता है।

'मंत्री को अरब सागर में फेंक देना चाहिए'

मर्दानगी वाले बयान पर गजेंद्र शेखावत का धारीवाल पर हमला, कहा- वो आज भी मंत्रिमंडल में है

बीकानेर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के दौरान अपने बयानों को लेकर लगातार चर्चा में हैं। इस बार बीकानेर में उन्होंने नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री के मर्दानगी वाले बयान को लेकर कहा- ऐसे मंत्रियों को अरब सागर में फेंक देना चाहिए। उन्होंने 100 यूनिट फ्री बिजली के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि राजस्थान की जनता के जमीर को खरीदा नहीं जा सकता।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने नगरीय विकास मंत्री का नाम लिए बगैर कहा- राजस्थान मर्दों का प्रदेश है, लेकिन राजस्थान के मर्दों पर कालिख पोतने का काम किया गया है। शर्म की बात है कि वो आज भी मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। आज भी मंत्री पद पर हैं। ऐसा व्यक्ति, जिसको उठाकर बाहर फेंक देना चाहिए। अरब सागर में फेंक देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये राजस्थान की मर्दानगी का अपमान है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की मर्दानगी महाराणा प्रताप से है, वीर दुर्गादास से है। बता दें कि मार्च-2022 में विधानसभा में रेप के आंकड़ों से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने दौरान कहा था कि वैसे भी राजस्थान मर्दों का प्रदेश है। गजेंद्र सिंह ने कहा कि ये सरकार फेल हो गई है और इसकी फाइल निपटने वाली है। इसी कारण ये फ्री का सामान लेकर आए हैं। उन्होंने 100 यूनिट बिजली फ्री देने के सरकार के निर्णय पर सवाल करते हुए कहा कि हर महीने राजस्थान की जनता की जेब से हजारों करोड़ रुपए निकाले जा रहे हैं।

करौली पुलिस ने बस स्टैंड से अवैध हथियार के साथ बदमाश दबोचा

देसी तमंचा और कारतूस बरामद

धौलपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। स्थानीय पुलिस को सूचना मिली कि एक बदमाश सरमथुरा कस्बे में करौली बस स्टैंड के पास हथियार समेत वारदात के इरादे से घूम रहा है। मुखबिर की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और बदमाश को दबोचा लिया।

सरमथुरा थाना पुलिस ने बीती रात सरमथुरा कस्बे के करौली बस स्टैंड से वारदात के इरादे से घूम रहे 25 साल के एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक अवैध 315 बोर का देसी तमंचा वह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

सरमथुरा थाना प्रभारी कृपाल सिंह ने बताया पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देश में वांछित अपराधी एवं बदमाशों की धर पकड़ के लिए विशेष अभियान ऑपरेशन सुदर्शन चक्र चलाया जा रहा है। सुदर्शन चक्र अभियान के दौरान जिला पुलिस लगातार कार्रवाई कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज रही है। उन्होंने बताया बीती रात स्थानीय पुलिस को सूचना मिली कि एक बदमाश सरमथुरा कस्बे में करौली बस स्टैंड के पास हथियार समेत वारदात के इरादे से घूम रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस के जवानों ने सुनियोजित तरीके से घेराबंदी कर 25 वर्षीय बदमाश राजकुमार मीणा पुत्र हीरा सिंह मीणा निवासी कौनेशा को घेराबंदी कर दबोच लिया।

शिव सैनिकों ने परिवर्तन संकल्प यात्रा को दिखाए काले झंडे

सिरोही, 11 सितंबर (एजेंसियां)। शिव सैनिकों ने सिरोही के सरूपगंज टोल नाके पर भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को काले झंडे दिखाकर विरोध किया। वंदेमातरम एवं भारत माता के जयकारों के साथ शिवसेना तथा बालासाहेब ठाकरे के पक्ष में नारेबाजी कर रहे थे।

भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के सिरोही जाते समय सरूपगंज टोल नाका पर शिव सैनिकों ने काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा पर आमजन के साथ वादाखिलाफी और विश्वासघात करने का आरोप भी लगाया गया।

परिवर्तन संकल्प यात्रा के सरूपगंज टोल नाका पहुंचने से पूर्व यूपी राज्य प्रमुख जनार्दन शर्मा, जिला प्रमुख रमेश रावल, आबूरोड शहर प्रमुख लालाराम खारवाल, तहसील प्रमुख नरेश लोधी, स्वरूपगंज प्रखंड प्रमुख नरेंद्रसिंह, रोहिड़ा नगर प्रमुख हरिदास वैष्णव, पिंडवाड़ा युवा सेवा सतीश प्रजापत, महेश रावल, जीतू रावल, पंकज मकवाना, गोविंद हीरागर, मनोज प्रजापत, देवजी रावल, दीपक रावल एवं ईश्वर रावल आदि यहां पहुंच गए। जैसे ही यात्रा टोलनाका से गुजरी शिव सैनिकों ने काले झंडे दिखाकर इसका विरोध किया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि गत चुनाव के समय सांसद देवजी पटेल ने आदर्श सोसाइटी के निवेशकों को गुमराह कर वोट तो हासिल किए थे। मगर उनके द्वारा आदर्श सोसाइटी में जमा धन राशि लौटाने को लेकर जो वादा किया गया था उसे पूरा करने को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इससे आदर्श सोसाइटी निवेशकों में भाजपा के प्रति आक्रोश व्याप्त है। भाजपा एक भी वादे पर खरी नहीं उतरी है।

घाटला की पहाड़ी में संचालित अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़; चुनाव के लिए तैयार हो रही थी खेप

अलवर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर में आबकारी थाना पुलिस ने घाटला की पहाड़ी में किया अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। भारी मात्रा में स्प्रिट से भरे ड्रम और कच्चा माल बरामद किया है। चुनाव के लिए तैयार हो रही थी खेप।

अलवर आबकारी थाना पुलिस ने आबकारी विभाग के डीएसपी कुलभूषण मिश्रा के नेतृत्व में घाटला की पहाड़ी में अवैध रूप से संचालित हो रही शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर भारी मात्रा में स्प्रिट से भरे हुए ड्रम और कच्चा माल बरामद किया है। यह शराब चुनाव के मद्देनजर बनाई जा रही थी।

यह बात भी सामने आई है कि यह शराब ठेके पर भी बिक्री के लिए जाती है, जो पूरी तरह गैरकानूनी है। जब आबकारी टीम कार्रवाई के लिए जा रही थी तब फैक्ट्री की लेबर ने विरोध भी किया। ट्रैक्टर लगाकर रास्ता रोक दिया, जिससे लेबर और अवैध शराब फैक्टी मालिक भागने में सफल हो गए। आबकारी पुलिस ने इस मामले में दो जनों को चिह्नित किया है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं, जिसमें एक पूर्व सरपंच बताया जा रहा है, जिसकी ये फैक्ट्री है।

आबकारी पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में शराब बनाने के काम में ली जा रही स्प्रिट, शराब की खाली बोतलें, पव्वे के भारी मात्रा में ढक्कन सहित करीब छह मशीन मौके से जब्त की हैं। यह शराब अंग्रेजी और देसी शराब के ब्रांड से बनाई जा रही थी, लेकिन पुलिस को देख शराब फैक्ट्री में कार्य करने वाले आरोपी मौके से फरार हो गए। यह कार्रवाई आबकारी थाना पुलिस ने सुबह चार बजे शुरू की ओर करीब चार से पांच घंटे तक चलती रही।

आबकारी पुलिस ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ अवैध रूप से संचालित शराब फैक्ट्री पर दबिस दी थी।

रूपवास भरतपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

बस और कार की भिड़ंत में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

भरतपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। रूपावास में बीती रात करीब एक बजे रूपवास थाना क्षेत्र के खानसूरजापुर में एक कार और बस की आमने-सामने की भिड़ंत में एक ही परिवार के छह लोगों की जान चली गई। राजस्थान के भरतपुर जिले में बीती रात दर्दनाक हादसा हुआ। बस और कार में हुई जबरदस्त भिड़ंत में छह लोगों की जान चली गई। हादसे में एक ही परिवार के दो बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई। परिवार के लोग एकादशी के मौके पर सीकर के रींगस इलाके में स्थित खाटू श्याम जी के दर्शन कर लौट रहे थे। बस और कार में टक्कर की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कार में सवार छह लोगों की मौत हो चुकी थी। टक्कर के बाद कार पूरी तरह से पिचक गई जिस वजह से अंदर फंसे लोगों के शव बुरी तरह से फंस गए। शवों को कार से निकालने काफी मशक्कत करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार परिवार खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए कार से गया था। वहां से लौटते समय हादसा हो गया। हादसे में एक ही परिवार के दो बच्चों समेत छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। उनकी कार जैसे ही रूपवास के पास पहुंची तभी सामने से आ रही बस से जोरदार भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि चालक को झपकी आने की वजह से ये हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद वहां से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। गाड़ी की हालत देखकर हादसे की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। कार पूरी तरह से पिचक गई थी। हादसे दो बच्चों की हालत नाजुक है। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद बस चालक मौके से बस को छोड़कर फरार हो गया। हादसे के शिकार परिवार धौलपुर के गांव खड़गपुर का रहने वाला था। सभी के शवों को आरबीएम जिला अस्पताल की मॉर्चरी में रखवा दिए गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद शवों के पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी।

गणेशोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय से कार्य करें : स्टीफन रवीन्द्र

गणेश उत्सव पर अंतर विभागीय समन्वय बैठक में कई मामलों पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने आगामी गणेश नवरात्रि समारोह की व्यवस्था, प्रबंधन और सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर आज पुलिस अधिकारी, जीएचएमसी, एचएमडब्ल्यूएस और एसबी, टीएसएसपीडीसीएल, अग्निशमन सेवा, सिंचाई, सड़क परिवहन, आर एंड बी, चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग, राजस्व, पंचायती राज, नगर निगम विभाग, एमएयूडी, अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति (बीजीयूएस) के प्रतिनिधियों ने साइबराबाद सीपी कार्यालय में एक अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की। इस मौके पर साइबराबाद सीपी ने कहा कि गणेश उत्सव 18 सितंबर से शुरू होगा और 28 सितंबर तक चलेगा।

इसे शांतिपूर्ण, सम्मानजनक तरीके से मनाया जाना चाहिए। अनुमान है कि इस साल गणेश जी की 12000 तक मूर्तियां हो सकती हैं। गणेश विसर्जन को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए पुलिस चौबीसों घंटे काम कर रही है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस पूरी तरह से तैयार है। गणेश नवरात्रि समारोह की व्यवस्था, प्रबंधन एवं सुरक्षा संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए सभी विभागों के अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के मामले में सभी निरीक्षक पहले से ही आयोजकों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा कर लें। उन्होंने कहा कि गणेश विसर्जन से लेकर सब कुछ योजना के मुताबिक हो और कहीं कोई चूक न हो।

साथ ही उन्होंने संबंधित क्षेत्रों में नागरिक विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया। मंडप स्थापित करने वालों को पुलिस को सूचित करना चाहिए। जीएचएमसी स्टाफ और ट्रैफिक स्टाफ को सभी व्यवस्थाएं करनी चाहिए ताकि विसर्जन वाले तालाबों पर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को कोई समस्या न हो। उन्होंने कहा कि विनायक विसर्जन ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों, अधिकारियों और स्वयंसेवकों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए कदम उठाए गए हैं। लोगों को सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। हमने सोशल मीडिया पर गलत पोस्टों पर नजर रखी है। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति (बीजीयूएस) के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए कई मुद्दों को संबंधित अधिकारियों के ध्यान में लाया जाएगा और उनका समाधान किया जाएगा। बाद में, रंगारेड्डी जिले के अतिरिक्त कलेक्टर प्रथमा सिंह ने कहा कि जीएचएमसी और नगरपालिका कर्मचारियों के साथ स्वच्छता कार्यों की निगरानी की जा रही है। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के प्रतिनिधियों ने कहा कि जीएचएमसी अधिकारियों को विसर्जन के दौरान तालाबों और छोटे तालाबों का सुझाव पहले से देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गणेश विसर्जन वाले तालाब के किनारे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टेंट, बिजली की रोशनी, विशाल कैडेट, अच्छी पानी की सुविधा, मोबाइल शौचालय और चिकित्सा सुविधाओं का निर्माण किया जाना चाहिए। बैठक में रंगारेड्डी जिला अतिरिक्त कलेक्टर प्रथमसिंह, साइबराबाद एडिशनल सीपी अविनाश महंती, ट्रैफिक ज्वाइंट सीपी नारायण नाइक, माधापुर क्राइम डीसीपी कलमेश्वर सिंघेवार, माधापुर ट्रैफिक डीसीपी हर्षवर्द्धन, मेडचल ट्रैफिक डीसीपी. श्रीनिवास, माधापुर डीसीपी संदीप, बालानगर डीसीपी श्रीनिवास राव, शमशाबाद डीसीपी नारायण रेड्डी, राजेंद्रनगर डीसीपी जगदीश्वर रेड्डी, मेडचल डीसीपी सबरीश, एसबी एडीसीपी रवि कुमार, भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति (बीजीयूएस) के महासचिव डॉ. भगवंत राव, भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के उपाध्यक्ष कैरोडीमल नरसिंग पुरी, बीजीयूएस राचकोंडा प्रभारी शि शशिधर, बीजीयूएस सेरिलिंगमपल्ली जोन प्रभारी बुची रेड्डी, बीजीयूएस कुकटपल्ली जोन प्रभारी मोहित, बीजीयूएस सदस्य जीवन, प्रीतम, मल्ला रेड्डी, पृथ्वी गौड़, बुक्का गोपाल, अंजनी कुमार, कोमरैया, श्रीधर, पंचायत राज विभाग के आरडीओ जनार्दन राव (राजेंद्रनगर), एमपीडीओ अंजनेयुलु, महेशबाबाउ, फारूक हुसैन, विनय कुमार, श्रीकांत, पंचायत राज विभाग के अधीक्षक श्रीनिवास राव, वेणुगोपाल लालैया, राजस्व विभाग से तहसीलदार विजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

भारत जीत की ओर...

कोलंबो, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान को जीत के लिए 357 रन का टारगेट दिया है। जवाब में पाकिस्तान ने 21 ओवर में 4 विकेट पर 83 रन बना लिए हैं। आगा सलमान और इफ्तिखार अहमद क्रीज पर हैं।

ओपनर फखर जमान 27 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कुलदीप यादव ने बोल्ड कर दिया। इससे पहले, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान 2 रन, कप्तान बाबर

आजम 10 रन और इमाम-उल-हक 9 रन बनाकर आउट हुए। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या, शार्दूल ठाकुर और कुलदीप को एक-एक विकेट मिला।

357 रन के बड़े टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरूआत खराब रही। टीम ने 5वें ही ओवर में इमाम-उल-हक का विकेट गंवा दिया। इमाम 9 रन ही बना सके, उन्हें जसप्रीत बुमराह ने शुभमन गिल के हाथों सेकेंड स्लिप में कैच कराया। नंबर-3 पर उतरे बाबर आजम और फखर जमान को भी शुरूआती ओवरों में परेशानी हुई। हालांकि टीम ने 10 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 43 रन बना लिए।

(खबर लिखे जाने तक खेल जारी था)

पार्षद ने उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग के भाजपा पार्षद राकेश जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ तामिलनाडु के सीएम के पुत्र उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म को खत्म करने के लिए की गई नफरत भरी टिप्पणी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने स्टालिन के खिलाफ गंभीर कार्रवाई करने के लिए बेगम बाजार के पुलिस इंस्पेक्टर बी. शंकर से शिकायत दर्ज कराई और जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की। इस अवसर पर जी. श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, पी. अनिल यादव, काजल, राम कृष्ण, रघु, संदीप जैन और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया।

थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसायटी की आमसभा आयोजित

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। थैलेसीमिया एंड सिकल सेल सोसाइटी (हैदराबाद) ने टीएससीएस परिसर, राघवेंद्र कॉलोनी, शिवरामपल्ली में अपनी वार्षिक आम सभा (एजीएम) का आयोजन किया। बैठक में सामान्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिनमें से सभी सोसाइटी की उपलब्धियों का जश्न मनाने और भविष्य के लिए एक आशाजनक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए एक साथ आए। थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी (हैदराबाद) के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने एजीएम का उद्घाटन करते हुए सम्मानित जनरल बॉडी सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया। बैठक का मुख्य आकर्षण डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए सोसायटी की लेखा परीक्षित वित्तीय रिपोर्ट की प्रस्तुति रही। इस रिपोर्ट को एजीएम में सर्वसम्मति से मंजूरी मिली, जो पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति सोसायटी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

सोसायटी की महासचिव डॉ. सुमन जैन ने सोसायटी की पिछली गतिविधियों और उपलब्धियों का विवरण देते हुए एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने तेलंगाना और भारत में थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग की रोकथाम के लिए सोसायटी की कार्य योजना भी साझा की। यह रोडमैप निकट भविष्य में 'थैलेसीमिया मुक्त तेलंगाना' हासिल करने के अपने मिशन के प्रति सोसायटी के समर्पण को रेखांकित करता है। थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी (हैदराबाद) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती रत्नावली कोत्तापल्ली ने संगठन की उल्लेखनीय यात्रा का वर्णन किया। उन्होंने तेलंगाना में थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग की रोकथाम में सोसायटी के सदस्यों के समर्पण और उनकी सराहनीय प्रगति पर भी प्रकाश डाला। थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी (हैदराबाद) के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने एजीएम की सफलता पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि वार्षिक आम सभा की बैठक हमारी सेवाओं के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में कार्य करती है। यह हमारे समर्पण की पुष्टि करती है।

श्रीराम मंदिर को गोधरा काण्ड से जोडना सही नहीं : सेन

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। युवा भाजपा नेता अशोक सेन ने बताया कि उद्धव ठाकरे का श्रीराम मंदिर को गोधरा काण्ड से जोडना एक विवादित बयान है। उन्होंने बताया कि उद्धव ठाकरे वोट की राजनीति कर रहे हैं। इस बयान से पूरे सनातन धर्म को ठेस पहुंची है। उद्धव को देश माफी मांगना चाहिए। उन्होंने बताया कि इनके पिताजी बालासाहब ठाकरे जब हमेशा भगवान राम पर पूर्ण अस्था करते थे और हमेशा हिन्दुत्व की बात करते थे, वहीं उद्धव ठाकरे को इस तरह बयान देना भारी पड़ेगा। देश कभी उनको इस तरह के बयान के लिए माफ नहीं करेगा।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा की साधारण सभा 2 को

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकन्दराबाद द्वारा सोमवार 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन सभा की साधारण सभा महर्षि श्रृंगभवन पर दोपहर 2 बजे रखी गई है। कृपया आजीवन सदस्य बैठक में उपस्थित रह कर आगामी विषयों पर निर्णय लें।

जन सेवा संघ की संचालन समिति ने की बैठक

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ द्वारा संचालन समिति की बैठक का आयोजन खैराताबाद स्थित केंद्रीय कार्यालय में किया गया। संचालन समिति के संयोजक श्रीकांत पांडेय ने सभा का संचालन किये और जन सेवा संघ के उपस्थित सभी सदस्यों से चर्चा करते हुए विकास कार्यों की जानकारी सभी सदस्यों को प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी ने बताया कि हमें जोनल प्रेसिडेंट से बात करके उनके सभी क्षेत्र में बैठक का आयोजन करना चाहिए। जन सेवा संघ के उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि डेलीगेशन कमेटी के सदस्यों से बातचीत करके जल्द ही नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा और बिहार के लिए ज्यादा से ज्यादा ट्रेन चलाने के लिए ज्ञापन दिया जाएगा। महासचिव सुधीर जायसवाल ने बताया कि हमें वोटर आईडी कार्ड कैंप का आयोजन निरंतर करते रहना है, जिससे जन सेवा संघ का काफी प्रचार प्रसार होता रहेगा और संस्था मजबूत होता जाएगा। उन्होंने बताया कि एक होमगार्ड की मृत्यु हो गई थी जिसके लिए एक बड़े रैली का आयोजन सिकंदराबाद में हो रहा था उसमें वह सम्मिलित भी हुए और आश्वासन दिया कि वह न्याय जलाने में भरपूर सहयोग करेंगे। जन सेवा संघ के प्रेरणा स्रोत वीके सिंह ने बताया कि बहुत सारे संस्थाएं हैं, जिनमें लोग सिर्फ नाम के होते हैं और कोई उपस्थित नहीं होता पर जन सेवा संघ में हमेशा ही लोग हर बैठक में उपस्थित होते हैं। उन्होंने बताया कि हर रविवार को जोन में मीटिंग करना है और गरीबों के लिए निरंतर कार्य करते रहना है और नए सदस्यों को जोड़ना है। साथ ही नवीनीकरण भी करना है। सुशील श्रीवास्तव, नारायण ओझा, वीडी चौबे, हरी सिंह, अमित ओझा ने बताया कि वह नए सदस्यों को जोड़ रहे हैं और जहां-जहां क्षेत्रीय अध्यक्ष नहीं है वहां क्षेत्रीय अध्यक्षों को नियुक्त किया जा रहा है।

चितंल बस्ती में खेले गये रिसाला राजपूत क्रिकेट टूर्नामेंट में रिसाला राजपूत को हरा कर आदर्श विद्या समिति (मगरिया) ने ट्राफी पर कब्जा किया । उपस्थित हैं विजेता टीम के कप्तान अनिल सिंह, राजू सिंह, महेश सिंह, विकास सिंह व अन्य खिलाड़ी।

शी टीम के तत्वावधान में बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम

कुमरम भीम आसिफाबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पुलिस अधीक्षक के सुरेश कुमार आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशासन अचेश्वर राव के आदेशानुसार, के नेतृत्व में रेबेना मंडल, ग्राम तुंगेडा, जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय परिसर के विद्यार्थियों के साथ आसिफाबाद डिवीजन शी टीम ने एक जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया गया।आसिफाबाद डिवीजन एसएचई टीम प्रभारी सुनीता ने कहा कि किसी को भी लड़कियों के लिए फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया ऐप पर व्यक्तिगत तस्वीरें और जानकारी नहीं रखनी चाहिए, आजकल धोखेबाज व्यक्तिगत जानकारी एकत्र कर रहे हैं और फोटो को मॉर्फ कर रहे हैं और सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहे हैं। वर्तमान समाज में हो रहे अपराध जैसे मुद्दों के बारे में बताया कि सोशल मीडिया वेबसाइट पर व्यक्तिगत जानकारी नहीं रखनी चाहिए।इसके तहत छात्रों को मानव तस्करी, अवैध गोद लेने, बाल विवाह, बंधुआ मजदूरी, संगठित जबरन वसूली और संकट के समय पुलिस से मदद पाने के लिए डायल 100 प्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। जो बच्चे अवैध गतिविधियों में शामिल हैं, उनकी मदद के लिए तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचित करने को कहा गया है।

मदनूर मंडल डोंगली तहसील कार्यालय में कल्याण लक्ष्मी व शादी मुबारक योजना के तहत प्रत्येक को एक लाख 116 रूपये के हिसाब से 9 लाभार्थियों को चेक सौंपा गये। उपस्थित हैं तसिलदार व डोंगली सोसायटी अध्यक्ष राम पाटिल, डोंगली सरपंच महादेवी शेषांक पाटील व अन्य।

अणुव्रत अमृत महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अणुव्रत अनुशास्ता, महान तपस्वी, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की प्रबुद्ध शिष्या डॉ. मंगलप्रज्ञाजी की प्रेरणा से श्रीमती निर्मला बैद ने अणुव्रत अमृत महोत्सव व पूज्यवर की दीक्षा के 50 वर्ष के उपलक्ष्य में हिन्दी मारवाडी विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया। भक्तामर व तुलसी अष्टकम पद्य के द्वारा मंगलाचरण किया। विद्यार्थियों को अणुव्रत के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि मेहनत, लग्न व ईमानदारी से पढाई करना तब ज्ञान का विकास होता है। नकल करके पास होना अपना भविष्य ही खराब करना है। सहनशीलता, विनम्रता, गुरुजनों व माता-पिता का आज्ञापलन करने वाले विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढते है और अपना भविष्य उज्जवल बनाते हैं। विभिन्न उदाहरणों द्वारा सभी विषयों के बारे में बताया गया। जीवन विज्ञान के बारे में भी जानकारी दी गयी। पहले यहां अणुव्रत की परीक्षाएं दिलायी गयी थी। अणुव्रत नियमों का बोर्ड भी दिया था याद करवाया अणुव्रत का साहित्य तेलुगु, हिन्दी में दिया गया। जीवन विहान की पुस्तक व नशामुक्ति के फोल्डर भी दिये गये। कार्यक्रम के आयोजन में हनुमान जिनेन्द्र बैद की तरफ से एकता, रमा व अन्य का सहयोग रहा।

चोरी के आरोप में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने चोरी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बीते 9 सितंबर को जहूर हुसैन निवासी कट्टेलगुडा, उस्मानपुरा, हैदराबाद ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा है कि कुछ महिलाओं ने उनके घर का ताला तोड़कर आभूषण व नकदी चुरा लिया। मीरचौक पुलिस ने इस मामले में शिकायतकर्ता की पत्नी फरीदा बेगम, मोहम्मद समीर, फरहीन बेगम को गिरफ्तार किया है।

पचेरी अग्रवाल समिति द्वारा अन्नदान कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पचेरी अग्रवाल समिति द्वारा अन्न दान कार्यक्रम हाई कोर्ट रोड पोस्ट ऑफिस के सामने सुबह 10 बजे किया गया जिसमें 300 लोगों ने इस अन्न प्रसाद का लाभ लिया। पचेरी अग्रवाल समिति के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया अध्यक्ष गोपाल पचेरिया, कैलाशचंद पचेरिया, नवीन गुप्ता, मनोज पचेरिया, महावीर प्रसाद डोकानिया, भरत कुमार पचेरिया, संजय कुमार, पवन डोकानिया, हिमांशु, आदि ने भाग लिया।

मलकपेट स्थित शिवनारायण भागीरथ लोया के निवास स्थान पर बच्छबारस की पूजा करती हुईं रेखा अग्रवाल, शारदा, सुनीता, किरण, वैशाली, कुसुम, श्वेता झंवर, अनु बजाज, संगीता राठी व अन्य।

आने वाले कुछ दिनों में हैदराबाद में रहेगा शुष्क मौसम

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक सप्ताह से अधिक समय तक रुक-रुक कर बारिश और बादलों की स्थिति के रूप में खराब मौसम की स्थिति का अनुभव करने के बाद, हैदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों में लोग अब आने वाले कुछ दिनों में शुष्क मौसम की उम्मीद कर सकते हैं। सोमवार को, राज्य की राजधानी में धूप खिली रही और दिन के दौरान पारा 30.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पिछले सप्ताह भर में, व्यापक बादलों और बारिश के कारण हैदराबाद में दिन का तापमान लगातार 24 डिग्री सेल्सियस और 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। लोगों ने सोमवार को अपेक्षाकृत शुष्क दिन का आनंद लिया, शाम को केवल एक या दो छोटी बारिश हुई।

तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी (टीएसडीपीएस) के अनुसार, निवासी मंगलवार से बारिश कम होने की उम्मीद कर सकते हैं। एक या दो संक्षिप्त अवधि के अपवाद के साथ, हैदराबाद में अगले दो से तीन दिनों तक कोई बड़ी वर्षा की भविष्यवाणी नहीं की गई है। यह पूर्वानुमान राज्य के अन्य जिलों पर भी लागू होता है, जहां भी बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, हैदराबाद ने एक महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है जिसमें कहा गया है कि अगले दो दिनों के भीतर बंगाल की उत्तर-पश्चिमी खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इस घटनाक्रम का तेलंगाना के मौसम पर प्रभाव पड़ने की आशंका है। अपने पूर्वानुमान में, आईएमडी ने विस्तार से बताया कि 14 सितंबर से अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश, बिजली के साथ तूफान और तेज़ हवाएं तेलंगाना को प्रभावित करने की संभावना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कई मैमोरैंडम पर ...

दोनों देशों के बीच साल 2022-23 में 52.75 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ। भारत सऊदी का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। सऊदी में 20 लाख से ज्यादा भारतीय समुदाय के लोग रहते हैं। 1 लाख 75 हजार भारतीय हर साल हज के लिए सऊदी जाते हैं।

2019 में जब सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद सलमान भारत की स्टेट विजिट पर आए तो वो पाकिस्तान होते हुए आए थे। सऊदी भारत से नजदीकियां बढ़ा रहा है। हालांकि, वो पाकिस्तान को बहुत ज्यादा खफा नहीं कर सकता है। भारत ने जी-20 समिट की एक बैठक कश्मीर में की थी। इसमें सऊदी ने अपने प्रतिनिधि को शामिल होने से इनकार कर दिया था। 1998 में जब पाकिस्तान ने परमाणु परीक्षण किया तो सऊदी अरब ने खुलकर उनका साथ दिया था।

हालांकि, अब लगातार बदल रही जियोपॉलिटिक्स में सभी देशों के रिश्ते बदल रहे हैं। सऊदी अरब अपनी अर्थव्यवस्था की तेल पर निर्भरता को कम करना चाहता है। ऐसे में वो ट्रेड के लिए नए पार्टनर ढूंढ़ रहा है। भारत भी उनमें से एक है। सऊदी ने भले ही कश्मीर में हुई जी-20 समिट में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन जब भारत सरकार ने कश्मीर को दिया विशेष राज्य का दर्ज समाप्त किया तो पाकिस्तान के दबाव के बावजूद सऊदी ने भारत की आलोचना करने से इनकार कर दिया था।

सऊदी पाकिस्तान की आर्थिक तौर पर काफी मदद करता है। जुलाई में सऊदी ने पाकिस्तान को आर्थिक तंगहाली के बीच 2 बिलियन डॉलर का लोन दिया था।

राजमंड्री सेंट्रल जेल ...

अधिकारियों के अनुसार, यह मामला आंध्र प्रदेश राज्य में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के समूहों की स्थापना से संबंधित है, जिसका कुल अनुमानित परियोजना मूल्य 3300 करोड़ रुपये है। एजेंसी के अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि कथित धोखाधड़ी से राज्य सरकार को 300 करोड़ रुपये से अधिक का भारी नुकसान हुआ है। सीआईडी के अनुसार, जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। सीआईडी ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में कहा है कि अब तक की जांच के अनुसार, छह कौशल विकास समूहों पर निजी संस्थाओं द्वारा खर्च की गई कुल राशि विशेष रूप से एपी सरकार और एपी कौशल विकास केंद्र द्वारा उन्नत धनराशि से प्राप्त की गई है, जो कुल 371 करोड़ रुपये है।

बीजेपी और जेडीएस ...

हम 2 या 3 बार मिले हैं, लेकिन अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। कुमारस्वामी ने गठबंधन को लेकर भी अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि हम साथ आ रहे रहे हैं या नहीं, बाद में देखते हैं, लेकिन राज्य के लोगों को हमारे (दोनों दल) साथ आने की जरूरत है क्योंकि कांग्रेस राज्य को लूट रही है। उन्हें विकल्प की जरूरत है। मैंने 2006 में भाजपा से हाथ मिलाया था। मेरे 20 महीने के काम के कारण राज्य में एक अच्छी छवि (गुडविल) बनी हुई है।

इस साल मई में कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 135 सीटें जीतकर बहुमत से अपनी सरकार बनाई है।

नोवाक जोकोविच ने जीता यूएस ओपन

उनके करियर का 24वां ग्रैंड स्लैम, मार्गरेट कोर्ट की बराबरी की; फाइनल में मेदवेदेव को हराया

न्यूयॉर्क, 11 सितंबर (एजेंसियां)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन 2023 का खिताब जीत लिया है। फाइनल में उन्होंने रूस के डेनियल मेदवेदेव को हराया। ये जोकोविच का रिकॉर्ड 24वां ग्रैंड स्लैम है और चौथा यूएस ओपन मेंस सिंगल्स टाइटल है।

उन्होंने ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व टेनिस स्टार मार्गरेट कोर्ट की बराबरी कर ली है। जोकोविच 24 ग्रैंड स्लैम के साथ मेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा टाइटल जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

जोकोविच का चौथा यूएस ओपन खिताब

जोकोविच का यह चौथा यूएस ओपन टाइटल है। उन्होंने इससे पहले 2011, 2015 और 2018 में US ओपन खिताब पर कब्जा किया था। जोकोविच ने रिकॉर्ड 36वीं बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई और 24 टाइटल अपने नाम किए।

जोकोविच ने मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराया

न्यूयॉर्क के मार्गरेट कोर्ट में खेले गए फाइनल में जोकोविक ने डेनियल मेदवेदेव को कड़े मुकाबले में 6-3, 7-6, 6-3 से हराया। 36 साल के जोकोविच ने पहला सेट 6-3 से आसानी से जीता। दूसरे सेट में मेदवेदेव ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जोकोविच ने दूसरा सेट भी 7-6 से अपने नाम किया।

तीसरे सेट में 6-3 से आसानी से जीत दर्ज कर उन्होंने रिकॉर्ड 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया। बता दें, जोकोविच को 2021 में US ओपन के फाइनल में मेदवेदेव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

ओपन एरा में 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले खिलाड़ी

जोकोविच ओपन एरा में 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। जोकोविच इससे पहले सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम (मेंस और विमेंस सिंग्लस) जीतने के मामले में सेरेना विलियम्स (23 ग्रैंड स्लैम) की बराबरी पर थे। मार्गरेट कोर्ट भी कुल 24 ग्रैंड स्लैम जीती हैं, लेकिन उनमें से 13 टाइटल ओपन एरा से पहले अपने नाम की थीं। टेनिस में 1968 में ओपन एरा की शुरुआत हुई जब सभी खिलाड़ियों (एमेच्योर और प्रोफेशनल) को चारों ग्रैंड स्लैम में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई। इसे ओपन एरा कहा जाता है।

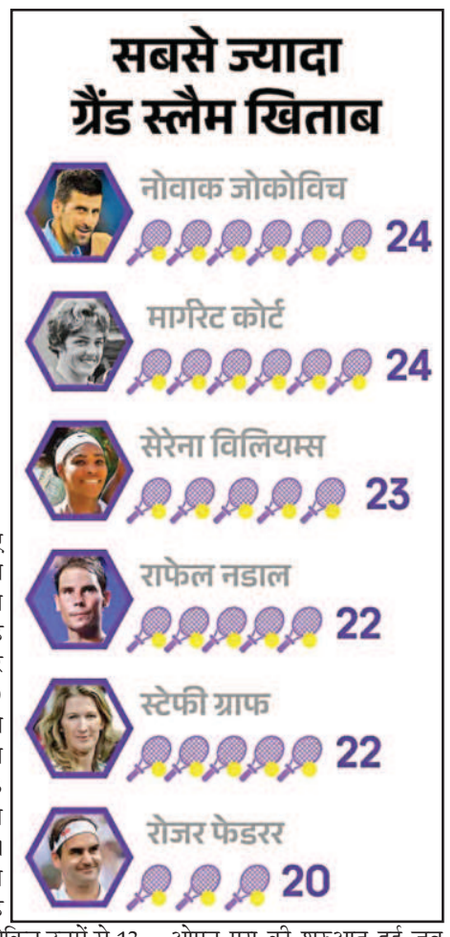

मार्गरेट का जन्म ऑस्ट्रेलिया के एल्बरी में हुआ

मार्गरेट कोर्ट का जन्म 16 जुलाई 1942 को एल्बरी, ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व महिला टेनिस खिलाड़ी मार्गरेट के नाम सबसे ज्यादा सिंगल्स ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड दर्ज था, जिसकी जोकोविच ने बराबरी कर ली है। उन्होंने अपने करियर में 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते।

अमेरिकी की युवा टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शनिवार को US ओपन के फाइनल में बेलारूस की एरिना सबालेंका को हराकर खिताब जीता। 19 साल की गॉफ के करियर का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। पहला सेट हारने के बाद गॉफ ने शानदार वापसी की और मुकाबला 2-6, 6-3, 6-2 से जीता।

गॉफ 2017 के बाद से पहली अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने यह खिताब जीता। 2017 में आखिरी बार यह कारनामा सोलन स्टीफन ने किया था। गॉफ 1999 के बाद US ओपन जीतने वालीं पहली अमेरिकी टीनेजर खिलाड़ी हैं। 1999 में सेरेना विलियम्स ने ऐसा किया था।

रोहित श्रीलंका में सबसे ज्यादा सिक्स जमाने वाले विदेशी बैटर

कोलंबो, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पारी में रोहित शर्मा और शुभमन गिल की बल्लेबाजी ने दर्शकों को रोमाचित कर दिया। इन पारियों ने कई रिकॉर्ड तोड़े।

विदेशी बैटर के श्रीलंका में सबसे ज्यादा छक्के*

प्लेयर	देश	छक्के
रोहित शर्मा	भारत	33
क्रिस गेल	वेस्टइंडीज	30
शेन वॉटसन	ऑस्ट्रेलिया	30
शाहिद अफरीदी	पाकिस्तान	29
सुरेश रैना	भारत	25

*आंकड़े तीनों फॉर्मेट के हैं।

1. श्रीलंका में 33 छक्केजमा चुके हैं रोहित

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा श्रीलंकाई सरजमीं पर सबसे ज्यादा छक्के जमाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी में 4 छक्के जमाए।

इस मैच में रोहित ने 49 गेंद पर 114.29 के स्ट्राइक रेट से 56 रन बनाए। तीनों फॉर्मेट मिलाकर रोहित के श्रीलंका में 33 छक्के हो गए।

रोहित ने क्रिस गेल और शेन वॉटसन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनके नाम श्रीलंका में 30-30 छक्के हैं।

2. भारत के लिए एशिया कप में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी की बराबरी

रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने पाकिस्तान के खिलाफ 121 रन की पार्टनरशिप की। इन दोनों ने नेपाल के खिलाफ भी 147 रन की साझेदारी की थी। रोहित-गिल एशिया कप में अब तक 2 सेंचुरी पार्टनरशिप कर चुके हैं।

इस मामले में इन दोनों ने सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी। दोनों ने भी एशिया कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा 2 सेंचुरी पार्टनरशिप कर रखी हैं। यह रोहित और गिल की ओवरऑल 5वीं सेंचुरी पार्टनरशिप भी रही।

3. केएल राहुल के 2000 रन पूरे, तीसरे सबसे तेज भारतीय

भारत के विकेटकीपर बैटर केएल राहुल पाकिस्तान के खिलाफ प्लेइंग-11 में शामिल किए गए। उन्होंने करीब 6 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की। पाकिस्तान के खिलाफ 14वां रन बनाते ही राहुल के वनडे क्रिकेट में 2000 रन पूरे हो गए। वे 53 पारियों में 2 हजार के आंकड़े तक पहुंचे। वह फिलहाल 17 रन बना चुके हैं और इसी स्कोर से वह आज पारी आगे बढ़ाएंगे।

राहुल सबसे तेज 2 हजार रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी की, कोहली ने भी 53 पारियों में ही 2000 रन बनाए थे। शिखर धवन ने 48 पारियों में 2000 रन बनाए हैं, इस मुकाम तक पहुंचने वाले वह सबसे तेज भारतीय हैं।

4. रोहित ने एशिया कप में 9वां अर्धशतक जमाया, तेंदुलकर के बराबर आए

रोहित शर्मा ने वनडे करियर की 50वीं फिफ्टी जमाई। यह रोहित की एशिया कप में 9वीं फिफ्टी है। वे एशिया कप में सबसे ज्यादा फिफ्टी जमाने वाले भारतीयों के रिकॉर्ड में सचिन तेंदुलकर की बराबरी पर आ गए हैं। अब दोनों के नाम 9-9 हाफ सेंचुरी हैं। एक और फिफ्टी लगाते ही रोहित सचिन का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे।

तीरंदाजी विश्व कप: भारतीय तीरंदाज प्रथमेश जावकर ने जीता रजत पदक, फाइनल में शूट ऑफ में हारे

हेरमोसिलो, 11 सितंबर (एजेंसियां)। जावकर विश्व के नंबर एक और मौजूदा विजेता माइक स्कोलसेसर को हराकर फाइनल में पहुंचे थे। जावकर ने माइक को चार महीनों में दूसरी बार हराया था।

भारतीय कंपाउंड तीरंदाज प्रथमेश जावकर ने तीरंदाजी विश्वकप में रजत पदक जीत लिया। प्रथमेश को फाइनल में हार मिली और उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा। उन्हें डेनमार्क के मैथियास फुलर्टन से फाइनल में शूट ऑफ में हार मिली। जावकर विश्व के नंबर एक और मौजूदा विजेता माइक स्कोलसेसर को हराकर फाइनल में पहुंचे थे। जावकर ने माइक को चार महीनों में दूसरी बार हराया था। दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी जावकर और डेनमार्क के 10वीं रैंकिंग के मैथियास का फाइनल में स्कोर पांच सेटों के बाद 148-148 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद दोनों तीरंदाजों ने शूट-ऑफ में 10 का स्कोर हासिल किया, लेकिन मैथियास को विजेता घोषित किया गया क्योंकि उनका शॉट केंद्र के काफी करीब था।

एशियन गेम्स से पहले बेंगलुरु में ट्रेनिंग करेगी इंडियन टीम

पुरुष क्रिकेट टीम का कैंप 12 दिन, महिला टीम का सिर्फ 4 दिन का होगा

बेंगलुरु, 11 सितंबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स के लिए पुरुष और महिला टीम की कैंप बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी (NCA)में लगाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुरुष टीम का 12 दिन और वुमन टीम की 4 दिन का कैंप लगाया जाएगा।

दरअसल एशियन गेम्स 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन में होना है। एशियन गेम्स में क्रिकेट को तीसरी बार शामिल किया गया है। इससे पहले 2010 और 2014 के एशियन गेम्स में क्रिकेट को शामिल किया गया था। यह टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है।

पुरुष टीम का कैंप 12 सितंबर से

मेंस टीम का कैंप 12 सितंबर से एनसीए में पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण की निगरानी में आयोजित किया जाएगा। यह कैंप 12 सितंबर से 24 सितंबर के बीच आयोजित होगा।

महिला टीम का कैंप 13 सितंबर से

जबकि महिलाओं का कैंप 13 सितंबर से 16 सितंबर के बीच होगा। महिला टीम 17 सितंबर को चीन के लिए रवाना हो जाएगी। वहीं पुरुष टीम का कैंप जारी रहेगा।

महिलाओं के मैच 19 सितंबर से

महिला क्रिकेट टीम के मैच 19 सितंबर से 27 सितंबर तक खेले जाएंगे। वहीं पुरुष क्रिकेट टीम के मैच 28 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेले जाएंगे। विमेंस कैटेगरी में 14 टीमें और मेंस में 18 टीमें पार्टिसिपेट करेंगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशियन गेम्स में अपने अभियान की शुरुआत 22 सितंबर से क्वार्टर फाइनल से करेगी। वहीं भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का अभियान 5 अक्टूबर से क्वार्टर फाइनल से शुरू होगा।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम

विमेंस टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, देविका वैद्य, अंजलि सरवानी, तितास साधु, राजेश्वरी गायकवाड़, मिन्नू मणि, कनिका आहूजा, उमा छेत्री (विकेटकीपर) और अनुषा बरेड्डी।

स्टैंडबायः हरलीन देयोल, काशवी गौतम, स्नेह राणा, साइका इशाक और पूजा वस्त्राकर।

मेंस टीमः ऋतुराज गायकवाड (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे और प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

स्टैंडबायः यश ठाकुर, साई किशोर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा और साई सुदर्शन।

इंडोनेशिया मास्टर्स: 23 साल के किरण बने चैंपियन

फाइनल में जापान के ताकाहाशी को हराया

मेदन, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन जॉर्ज थॉमस के बेटे किरण ने ओडिशा ओपन और पोलिश ओपन जीता था। वह पिछले साल डेनमार्क मास्टर्स में उपविजेता रहे थे

उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने यहां पुरुष एकल फाइनल में जापान के कू ताकाहाशी को सीधे गेम में हराकर इंडोनेशिया मास्टर्स ट्रॉफी को अपने नाम किया। कोच्चि के इस 23 साल के खिलाड़ी ने 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में दुनिया के 82वें नंबर के खिलाड़ी ताकाहाशी को 21-19, 22-20 से हराया।

बंगलूरू में प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी (पीपीबीए) में ट्रेनिंग करने वाले किरण मैच की शुरुआत में 1-4 से पिछड़ गए थे लेकिन उन्होंने ताकाहाशी से 8-8 से बराबरी की और फिर बढ़त बनाने लगे। उन्होंने 18-15 की बढ़त बनाई लेकिन विरोधी खिलाड़ी ने इस अंतर को 19-20 कर दिया। किरण इसके बाद गेम जीत कर बढ़त बना ली। दूसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। स्कोर एक समय 6-6 की बराबरी पर था लेकिन किरण ने 16-11 की बढ़त बना ली। ताकाहाशी ने हार नहीं मानी और स्कोर 19-19 कर दिया किरण इस बीच पहला मैच प्वाइंट भुनाने में नाकाम रहे लेकिन दूसरा मैच प्वाइंट भुना कर उन्होंने मुकाबला जीत लिया।

पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन जॉर्ज थॉमस के बेटे किरण ने ओडिशा ओपन और पोलिश ओपन जीता था। वह पिछले साल डेनमार्क मास्टर्स में उपविजेता रहे थे। इस साल जनवरी में अपने कॅरिअर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 43वें नंबर पर पहुंचने वाले किरण ने बीते मई-जून में थाईलैंड ओपन में चीन के शीर्ष खिलाड़ियों शी युकी और वेंग होंगयांग को हराकर अपना कौशल दिखाया था।

किंग्स कप: कांस्य पदक से चूका भारत, लेबनान ने 1-0 से हराया

खेल डेस्क, 11 सितंबर (एजेंसियां)। चिआंग माई पहला हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ में कसीम ने 77वें मिनट में गोल कर लेबनान को शुरुआती बढ़त दिलाई।

भारतीय फुटबाल टीम किंग्स कप में कांस्य पदक के मुकाबले में लेबनान से हार गई। कसीम मोहम्मद एल जीन ने बायसिकिल किक से शानदार गोल करते हुए लेबनान को 1-0 से जीत दिलाई। भारत के नियमित कप्तान सुनील छेत्री व्यक्तिगत कारणों के चलते इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं। पहला हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ में कसीम ने 77वें मिनट में गोल कर लेबनान को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि भारतीय टीम बराबरी करने के लिए संघर्ष करती रही, लेकिन गोल दागने में सफल नहीं हो पाई।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

चोट से वापसी कर रहे केन विलियमसन होंगे कप्तान, पेसर काइल जैमिसन बाहर

खेल डेस्क, 11 सितंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान कर दिया गया है। न्यूजीलैंड ने सोमवार को अगले महीने शुरू होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए 15 खिलाड़ियों को चुन लिया है। टीम की कप्तानी चोट से वापसी कर रहे केन विलियमसन के पास रहेगी।

भारत में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत 5 अक्टूबर से हो रही है। पिछेल बार की रनर-अप न्यूजीलैंड टीम का पहला मुकाबला 5 अक्टूबर को अहमदाबाद में डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड से होगा।

केन विलियमसन (कप्तान), ट्रेंट बोल्ट, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम (उपकप्तान, विकेटकीपर), डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी और विल यंग।

आईपीएल 2023 के पहले मुकाबले (31 मार्च 2023) में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बाउंड्री लाइन पर कैच लेने की कोशिश में विलियमसन चोटिल हो गए थे। उनके दाएं घुटने में चोट लगी थी। इसके बाद वो पूरे लीग से बाहर हो गए थे। लीग से बाहर होने के बाद विलियमसन न्यूजीलैंड लौट गए और अप्रैल में उनकी सर्जरी हुई। आईपीएल के इस सीजन में वो गुजरात टाइटन्स टीम के हिस्सा थे।

टीम में फिन एलन की जगह विल यंग को शामिल किया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और एडम मिल्ने वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे। ट्रेंट बोल्ट और जेम्स नीशम को भी टीम में जगह मिली है, हालांकि दोनों इस साल न्यूजीलैंड के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल नहीं हैं।

वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से भारत में होना है। सभी टीमें अपने स्क्वॉड में 15 प्लेयर्स रह सकेंगी, टीमें 3 स्टैंड-बाय खिलाड़ियों के नाम भी दे सकती हैं।

एशिया कप : कोहली ने सबसे तेज 13 हजार रन बनाए

राहुल की ढाई साल बाद सेंचुरी; रोहित-गिल की फिफ्टी

कोलंबो, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केएल राहुल ने पाकिस्तान के खिलाफ सेंचुरी लगाई। उनके बैट से वनडे क्रिकेट में ढाई साल बाद शतक लगा। राहुल ने आखिरी बार 26 मार्च 2021 को इंग्लैंड के खिलाफ 108 रन की पारी खेली थी। राहुल ने पाकिस्तान के खिलाफ भी पहली बार ही सेंचुरी लगाई। पाकिस्तान के अलावा वह इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे के खिलाफ 1-1 शतक लगा चुके हैं।

विराट कोहली और केएल राहुल ने तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करके पारी को संभाल लिया। दोनों 100+ की पार्टनरशिप कर चुके हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 121 और शुभमन गिल 123 के स्कोर पर आउट हुए।

पहले दिन रविवार को मैच रुकने से पहले टीम इंडिया ने पहले खेलते हुए 24.1 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बना लिए हैं। विराट कोहली 8 और केएल राहुल 17 रन पर नाबाद हैं।

शुभमन गिल 58 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शाहीन शाह अफरीदी ने सलमान अली आगा के हाथों कैच कराया। इससे पहले, कप्तान रोहित शर्मा (56 रन) को शादाब खान ने फहीम अशरफ के हाथों कैच कराया।

शुभमन गिल 58 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने वनडे करियर की आठवीं फिफ्टी पूरी की। गिल ने 52 बॉल पर 10 चौके जमाए।

पर्यावरण संरक्षण तेलंगाना के लिए प्राथमिक मिशन : सीएम केसीआर

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने कहा कि वन, पर्यावरण और हरियाली के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। पर्यावरण संतुलन के महत्व को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने राज्य गठन के तुरंत बाद एक कार्य योजना बनाई, जिसने पिछले दशक में महत्वपूर्ण प्रगति सुनिश्चित की। सोमवार को वन शहीद दिवस के अवसर पर दिए गए एक संदेश में, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रम "तेलंगाना कु हरितहारम" ने राज्य में पुनर्वनीकरण और हरित आवरण को बढ़ाने में उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। इसके अलावा, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हॉर्टिकल्चरल प्रोड्यूसर्स (एआईपीएच/आईएएचपी) ने शहर में हरित आवरण में सुधार के लिए हैदराबाद को प्रतिष्ठित "वर्ल्ड ग्रीन सिटी अवार्ड-2022" प्रदान किया, जो अन्यथा शहरी कंक्रीट के जंगल में बदल

रहा था।

विकास और प्रौद्योगिकी में प्रगति के बावजूद, चंद्रशेखर राव ने दोहराया कि पर्यावरण संरक्षण तेलंगाना के लिए एक प्राथमिक मिशन है। उन्होंने अपर्याप्त पर्यावरण संरक्षण उपायों के कारण जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार किया और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए ग्रह को संरक्षित करने की साझा जिम्मेदारी पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए सभी हितधारकों से तेलंगाना के 33 प्रतिशत हरित लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने इस संबंध में वन विभाग के सराहनीय प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर, चन्द्रशेखर राव ने वन विभाग के उन 22 अधिकारियों और कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने वन संरक्षण के मिशन की सेवा करते हुए अपनी जान गंवा दी। उनका समर्पण और बलिदान पूरे राज्य के लिए प्रेरणा का काम करता है। मैं उन शहीदों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने वनों के संरक्षण के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनकी स्मृति का सम्मान करने के लिए, मुख्यमंत्री ने "जंगल बचाओ-जंगल बढ़ाओ" के नारे के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई, और सभी लोगों से इस नेक काम के लिए अपना समर्थन देने का आह्वान किया।

अल्पसंख्यकों के लिए 1 लाख रुपये की सब्सिडी ऋण योजना का दूसरा चरण जल्द

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार अल्पसंख्यकों के लिए अपनी 100 प्रतिशत सब्सिडी ऋण योजना के दूसरे चरण के शुभारंभ की तैयारी कर रही है।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम 14,300 आवेदकों में से प्रत्येक को 1 लाख रुपये प्रदान करने के लिए कदम उठा रहा है। सरकार ने दूसरे चरण के लिए पहले ही 153 करोड़ रुपये आवंटित कर दिए हैं और जिला कलेक्टरों और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को योजना का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

अधिकारियों ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए सब्सिडी योजना के पहले चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने से दूसरे चरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। पहले चरण में, सरकार ने 19 अगस्त को 10,000 अल्पसंख्यक लाभार्थियों को 1-1 लाख रुपये के चेक वितरित करते हुए 100 करोड़ रुपये जारी किए। सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 120 पात्र व्यक्तियों को सब्सिडी प्रदान कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट से गदवाल बीआरएस विधायक को मिली राहत

तेलंगाना एचसी के आदेश पर रोक लगाई

नई दिल्ली, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गदवाल निर्वाचन क्षेत्र से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायक बंदला कृष्ण मोहन रेड्डी के चुनाव को शून्य घोषित करने वाले तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने भाजपा नेता डीके अरुणा को नोटिस जारी किया, जिन्हें उच्च न्यायालय ने रेड्डी के चुनाव को रद्द करने के बाद निर्वाचित घोषित किया था और उनसे चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था।

उच्च न्यायालय ने 24 अगस्त को रेड्डी के चुनाव को शून्य घोषित करते हुए, अपनी संपत्ति के बारे में नामांकन पत्र के साथ गलत हलफनामा दाखिल करने के लिए उन पर 2.5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इसने अरुणा को दिसंबर, 2018 से पूर्वव्यापी प्रभाव से निर्वाचित घोषित किया था, इसके अलावा रेड्डी को मुकदमे की लागत के लिए 50,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया था।

अरुणा ने 2018 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में लड़ा था और हार गई थीं। रेड्डी के चुनाव जीतने के बाद, अरुणा, जो दूसरे स्थान पर रहीं, ने उनके खिलाफ चुनाव याचिका दायर की। बाद में वह भाजपा में शामिल हो गईं और वर्तमान में इसकी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

अरुणा ने उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी थी कि रेड्डी ने अपना चुनावी हलफनामा दाखिल करते समय अपनी संपत्तियों के बारे में जानकारी छिपाई थी। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस विधायक ने तेलंगाना में महबूबनगर जिले के पुदुर गांव में अपनी 24.09 एकड़ जमीन के विवरण का खुलासा नहीं किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि रेड्डी ने अपनी पत्नी के बैंक खाते के विवरण के बारे में जानकारी का खुलासा नहीं किया था। रेड्डी ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है।

पीड़ितों के साथ खड़े होकर शिकायत पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी : जिला एसपी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जिला पुलिस कार्यालय में जनसंबोधन के दौरान जिला एसपी ने जिले के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न मुद्दों पर पीड़ितों से आवेदन प्राप्त किये। इस मौके पर एसपी ने जनदर्शन में पीड़ितों से मिल रही शिकायतों पर संबंधित थाने के पदाधिकारियों से बात की और पुलिस अधिकारियों को पुलिस के दायरे में हर मामले को सुलझाने में त्वरित कार्रवाई करने और पीड़ितों को न्याय देने का आदेश दिया। आश्वासन दिया कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा। साथ ही एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गैर कानूनी ढंग से काम करने वालों, कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों और महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों से सख्ती से निपटें।

सीएम केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना विकास की राह पर : हरीश राव

वित्तमंत्री व शिक्षामंत्री ने किया फार्मेसी कॉलेज का उद्घाटन

सिद्दीपेट, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार ने मंजूरी मिलने के आठ महीने के भीतर जिले में छह एकड़ में एक अत्याधुनिक भवन बनाने के अलावा एक फार्मेसी कॉलेज स्थापित करने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। कॉलेज रंगनायक सागर के पास सिद्दीपेट से सिर्फ आठ किलोमीटर दूर चिन्नाकोडुरु मंडल के रामंचा में बनाया गया है। कॉलेज का निर्माण एग्जीबिशन सोसाइटी ऑफ हैदराबाद द्वारा किया गया है। चूंकि इसे रंगनायक स्वामी मंदिर के करीब बनाया गया है, इसलिए इसका नाम इष्टदेव के नाम पर श्री रंगनायक स्वामी कॉलेज ऑफ फार्मेसी रखा गया।

हरीश राव ने शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी के साथ सोमवार को कॉलेज का उद्घाटन किया। कॉलेज इस शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत बी-फार्मेसी पाठ्यक्रम में 60 सीटों के प्रवेश के साथ करेगा क्योंकि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने पाठ्यक्रम के लिए अनुमति दे दी है। 17 सितंबर से शुरू होने वाले दूसरे चरण की काउंसलिंग के दौरान छात्र ऑनलाइन काउंसलिंग के दौरान कॉलेज का विकल्प चुन सकते हैं।

हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार 2024-25 शैक्षणिक वर्ष से एम-फार्मेसी और फार्मा डी पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना बना रही है। प्रस्तावित जी 6 मंजिल भवन के भूतल का निर्माण अब तक पूरा हो चुका है। सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि सिद्दीपेट मेडिकल कॉलेज, कृषि कॉलेज, पशु चिकित्सा कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज के रूप में शैक्षणिक संस्थानों का केंद्र बन गया है और ऐसे कई संस्थान यहां स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने पूरे तेलंगाना को विकास में आगे रखा है। यह कहते हुए कि तेलंगाना में विकास में विविधता है, हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना धान उत्पादन में और प्रति लाख जनसंख्या पर एमबीबीएस सीटों की संख्या में भी देश में नंबर एक है। राज्य में एक लाख की आबादी पर 22 एमबीबीएस सीटें हैं, जो देश में सबसे ज्यादा हैं।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कृषि को नजरअंदाज करते हुए केवल आईटी क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया था, जिसके कारण राज्य का विकास संतुलन खो गया था। पिछली सरकारों के विपरीत, चन्द्रशेखर राव सभी क्षेत्रों पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे थे, जिससे राज्य का सर्वांगीण विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि विकास इस तथ्य से स्पष्ट है कि तेलंगाना के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भारत में सबसे अधिक है। इस अवसर पर मेदक सांसद कोता प्रभाकर रेड्डी, जिला परिषद अध्यक्ष वी रोजा शर्मा और अन्य उपस्थित थे।

सीआईडी ने अमरावती मामले में चंद्रबाबू नायडू के लिए पीटी वारंट मांगा

विजयवाड़ा, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने सोमवार को विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट में प्रिज़नर ट्रांजिट (पीटी) याचिका दायर की, जिसमें अमरावती इनर रिंग रोड में पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू की हिरासत की मांग की गई।

कथित कौशल विकास घोटाले में सीआईडी द्वारा 9 सितंबर को गिरफ्तार किए जाने के बाद टीडीपी नेता पहले से ही न्यायिक हिरासत में हैं। मई 2022 में, विभाग ने अमरावती में एक आंतरिक रिंग रोड के निर्माण में कथित अनियमितताओं के लिए चंद्रबाबू नायडू, पूर्व नगरपालिका प्रशासन मंत्री डॉ. पी. नारायण, हेरिटेज फूड्स लिमिटेड और 12 अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

एफआईआर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के मंगलगिरी विधायक ए. राम कृष्ण रेड्डी की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी। यह आरोप लगाया गया था कि आंध्र प्रदेश की राजधानी के लिए मास्टर प्लान के डिजाइन और रिंग रोड के सरेखण के संबंध में 2014 और 2019 के बीच उच्च पदस्थ सरकारी

बंडी संजय ने अमेरिका में कई कार्यक्रमों में भाग लिया

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बंडी संजय ने आज ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी के तत्वावधान में 'हॉलीडे इन-हेज़लेट होटल' में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी गणमान्य व्यक्तियों को मंच पर आमंत्रित करने और उसके बाद दीपप्रज्वालन द्वारा तेलंगाना शहीदों को सम्मानित करने से हुई। बंडी संजय भारतीय प्रवासियों की विशाल भीड़ को देखकर उत्साहित थे, जिन्होंने आने और उनसे मिलने के लिए समय निकाला था। उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका के सामाजिक ढांचे के विभिन्न स्तरों में एनआरआई उपलब्धियों पर गर्व महसूस हुआ और उन्होंने भारत वापस आकर मातृभूमि के लिए अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रेम को आगे बढ़ाने और तेलंगाना के लोगों को भारतीय जनता के लिए वोट करने के लिए प्रभावित करने में मदद करने के लिए उनकी सराहना की। पार्टी करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ मजबूत करें। बंडी संजय ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में हुई विभिन्न उपलब्धियों और प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्रामीण विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया और तेलंगाना प्रवासी भारतीयों से अपने-अपने गांवों के विकास के लिए सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वित्तीय मामलों सहित राज्य के मामलों को संभालने में बीआरएस सरकार की अयोग्यता ने आगामी राज्य और केंद्रीय चुनावों के लिए भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया है। उन्होंने भ्रष्टाचार उन्मूलन, शिक्षा का प्रसार, ग्रामीण जल आपूर्ति, पेयजल और सिंचाई परियोजनाओं जैसी आवश्यकताओं पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषि के लिए 24 घंटे बिजली की आपूर्ति, शौचालयों का निर्माण, छात्रों के लिए आवास की व्यवस्था और कमजोर वर्गों के लिए घरों की व्यवस्था से हम स्वर्णिम तेलंगाना हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना मुक्ति दिवस मनाने में राज्य सरकार की विफलता तेलंगाना के लोगों का अपमान है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आते ही वे हर साल आधिकारिक तौर पर मुक्ति दिवस का आयोजन करेंगे। ओएफबीजेपी के पूर्व अध्यक्ष कृष्णारेड्डी अनुगुला ने कहा कि बंदी संजय ने ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भारतीय जनता पार्टी की ओर से संयुक्त राज्य अमेरिका के पांच राज्यों में पांच सार्वजनिक बैठकों में भाग लिया। भारतीय जनता पार्टी (ओएफबीजेपी) के प्रवासी मित्र, तेलंगाना भाजपा के कोषाध्यक्ष शांति कुमार, तेलंगाना भाजपा सचिव जयश्री गारू और अन्य तेलंगाना मित्रों ने बैठक का संचालन किया। इस बैठक में अदापा प्रसाद (अध्यक्ष ओएफबीजेपी) कृष्णा रेड्डी अनुगुला (ओएफ-बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष), विलास रेड्डी जंबुला (तेलंगाना ओएफ-बीजेपी के राष्ट्रीय संयोजक), वामसी यमजला (तेलंगाना ओएफ-बीजेपी न्यू जर्सी क्षेत्रीय संयोजक), प्रदीप रेड्डी कट्टा (तेलंगाना ओएफ-बीजेपी न्यू जर्सी क्षेत्रीय सह-संयोजक), मधुकर रेड्डी (तेलंगाना ओएफ-बीजेपी मीडिया सह-संयोजक), तेलंगाना ओएफ-बीजेपी के वरिष्ठ समर्थक गोविंद राज, प्रवीण ताड़कमल्ला, प्रवीण यंदापल्ली, कृष्ण मोहन मूले, रघु कानूगो, संतोष रेड्डी लिंगाला, श्रीकांत रेड्डी थुम्मला, शंकर रेड्डी, शरत वेमुला, रघुवीर रेड्डी, राम वेमुला, लक्ष्मी मोपार्थी, विजय कुंडुरु, हेमाचंदर राव, गोपी और एटीए, एनएटीए, एमटीए, टीटीए और अन्य तेलुगु संगठन के विभिन्न प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नलगोंडा सरकारी जनरल अस्पताल में लगी आग

नलगोंडा, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के आग लगने के बाद मां और उनके तीमारदार घबरा गए, जो यहां सरकारी जनरल अस्पताल के मातृ एवं शिशु विंग से अपने बच्चों के साथ बाहर भागे। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग के स्टोर रूम में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। जैसे ही घना धुआं अस्पताल के वार्डों में फैला, महिलाएं अपने बच्चों के साथ इमारत से बाहर भाग गईं। अस्पताल के अधिकारियों द्वारा सतर्क किए जाने के बाद अग्निशमन और बचाव सेवा कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी को नुकसान नहीं हुआ है।

टीडीपी ने चंद्रबाबू की हिरासत को लेकर राज्यपाल से शिकायत की

विशाखापत्तनम, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर से मुलाकात कर पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की "अवैध" गिरफ्तारी के बारे में शिकायत की। टीडीपी की आंध्र प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. अत्चन्नायडू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की, जो इस समय विशाखापत्तनम के दौरे पर हैं। विपक्षी दल ने उनसे नायडू की गिरफ्तारी, उसके बाद के घटनाक्रम और टीडीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रति पुलिस की ज्यादती के बारे में शिकायत की। बाद में, अत्चन्नायडू ने कहा कि नज़ीर ने उन्हें बताया कि वह राज्य में विकास पर नज़र रख रहे हैं। टीडीपी नेता ने आगे कहा कि राज्यपाल ने घटनाक्रम पर आश्चर्य व्यक्त किया क्योंकि उन्हें गिरफ्तारी के बारे में सूचित नहीं किया गया था।

नायडू को राज्य के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने 9 सितंबर को एक कथित कौशल विकास घोटाले में गिरफ्तार किया था।

चंद्रबाबू को हिरासत में भेजे जाने पर मंत्री रोजा ने खुशी जताई

तिरूपति, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा अदालत द्वारा भ्रष्टाचार के मामले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद आंध्र प्रदेश की पर्यटन मंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) नेता रोजा को अपने आवास के सामने पटाखे फोड़कर जश्न मनाते देखा गया। वाईएसआरसीपी के कुछ नेता और पार्टी कार्यकर्ता भी उनके जश्न में शामिल हुए। यह चंद्रबाबू को उनकी गलतियों के लिए उजागर करने की शुरुआत है। अब हम चंद्रबाबू की सभी गलतियों को उजागर करेंगे।' रोजा ने कहा कि चंद्रबाबू अब जीवन में कभी भी बाहर नहीं आएंगे। हम हर उस घोटाले को सामने लाएंगे जिसमें वह शामिल है।' 2014 से 2019 तक हमारे पास उनकी हर गलती का सबूत है। आगे उन्होंने कहा कि अमरावती को लूटने वाले चंद्रबाबू फिर जेल जाएंगे। मैंने आपको एक महीने पहले कहा था कि आंध्र प्रदेश के लोगों को जल्द ही खुशखबरी सुनने को मिलेगी। जैसा कि सीएम जगन ने कहा, ईश्वर वास्तव में मौजूद है। हर बार चंद्रबाबू गलती करते हैं और वह किसी न किसी तरह सामने आ ही जाती है। चंद्रबाबू की बुद्धिमत्ता हमेशा के लिए नहीं रहेगी।

हावड़ा एक्सप्रेस भीषण अग्निकांड से बची

हैदराबाद, 11 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा के रास्ते हावड़ा जा रही हावड़ा एक्सप्रेस में आग लगने का बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गया। अचानक पूरी ट्रेन में धुआं निकलने लगा और घबराए यात्रियों ने चेन खींचकर ट्रेन रोक दी। घटना सोमवार सुबह करीब 12 बजे वारंगल जिले के नेक्कोंडा के पास हुई। बोगियों में धुआं भर जाने से घबराए यात्री ट्रेन से उतरकर इधर-उधर भागने लगे। रेलकर्मियों ने बताया कि ट्रेन के ब्रेक लाइनर पर चोट लगने से धुआं फैल गया। अधिकारियों ने कहा कि ट्रेन हमेशा की तरह विजयवाड़ा पहुंचेगी।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.